रांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपथ पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.ranchiexpress.com | वर्ष-61 | अंक-300 रांची | शनिवार 22 जून 2024, संवत् 2081 | पृष्ठ -12 | मूल्य 4 रु.

मुख्यमंत्री से मिले यूके के प्रतिनिधि, निवेश की जताई इच्छा

रांची । मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में सिनोमिन स्पेशलिटी फ्लूइड्स, यूके के प्रतिनिधि बेन अब्राहम एवं गैरी कोलमैन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री के समक्ष उन्होंने राज्य में ऑयल एवं गैस के क्षेत्र में निवेश करने की इच्छा जताई। इस मौके पर विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल एवंबे ऑयल सर्विसेज के सीईओ विद्यासागर शाह उपस्थित थे।

योग हमारे शरीर, मन और प्रकृति के बीच सामंजस्य करता है स्थापित : राज्यपाल

रांची । योग हमारे शरीर, मन एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। इससे मन एकाग्र एवं तनावमुक्त रहता है। यह बात शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने एक्स के जरिये कहीं। उन्होंने कहा कि आइए, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हम सब अपनी दिनचर्या में नियमित योगाभ्यास को शामिल करने का संकल्प लें।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने उद्योग विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की

बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित करेगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

रांची । मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में उद्योग विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में बड़ी-बड़ी इंडस्ट्री के साथ लघु, कुटीर एवं छोटे-छोटे ग्रामोद्योगों को हर हाल में बढ़ावा दें। मुख्यमंत्री ने झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जियाडा) के कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि जियाडा अंतर्गत वैसे औद्योगिक यूनिट जो स्थापित होने के बाद किसी कारणवश बंद पड़े हैं, उनका सर्वेक्षण करें।

उन्होंने निर्देश दिया कि बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों का नए सिरे से एलॉटमेंट कर उन्हें पुनर्जीवित करें। इससे हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा बनाई गई औद्योगिक नीति के तहत 75 प्रतिशत नियोजन स्थानीय लोगों को मिले यह हर हाल में सुनिश्चित की जाए। जिस क्षेत्र में औद्योगिक संस्थाएं स्थापित हुई हैं उन क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को नियोजन में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि औद्योगिक क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सड़क, बिजली, पानी सहित सुरक्षा, साफ-सफाई के बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे लघु, कुटीर एवं ग्रामोद्योगों से जोड़कर गरीब, किसान तथा जरूरतमंद लोगों के आय में वृद्धि लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि झारखंड में सिल्क और तसर उत्पादन के क्षेत्र में

रोजगार के अच्छे अवसर हैं। चम्पाई ने झारक्राफ्ट तथा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं को प्रशिक्षण देकर हुनरमंद बनाएं। साथ ही कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत राजनगर में स्थापित खादी पार्क में विभिन्न प्रकार के वस्त्र निर्माण उद्योग के लिए एक बेहतर कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रोजगार सृजन के लिए जितने भी संसाधन विकसित किए गए हैं उनका बेहतर इस्तेमाल कर अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार का अवसर देना हमसभी की जिम्मेदारी है। अधिकारी कार्यशैली में बदलाव लाकर इन जिम्मेदारियों का तत्परता से निर्वहन करें।

इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने जिडको के कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने झारखंड प्लास्टिक पार्क, फार्मा पार्क, पीएम गतिशक्ति योजना, पीएम एकता मॉल तथा स्फूर्ति योजना के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। साथ ही वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, रांची के निर्माण कार्य एवं जिला उद्योग केंद्र की मरम्मती सहित जिडको की कई विभिन्न योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांगते, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव अविनाश कुमार, उद्योग विभाग के सचिव प्रवीण टोप्पो, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, एमडी जियाडा शशि रंजन, निदेशक उद्योग सुशांत गौरव, सीईओ राज्य खादी बोर्ड सुमन पाठक, एमडी झारक्राफ्ट कृति, निदेशक हस्तकरघा आकांक्षा रंजन सहित जिडको के वरीय पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

जेपीएससी की परीक्षा 22 जून को, रांची में बनाए गए 15 परीक्षा केंद्र

रांची । झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा 22 जून से शुरू हो रही है, जो 24 जून तक चलेगी। यह परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर दो बजे से लेकर शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। जेपीएससी की मुख्य परीक्षा के लिए रांची में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों को झारखंड लोक सेवा आयोग कुल 342 पदों पर नियुक्त करेगा।

जेपीएससी परीक्षा की डेटशीट

22 जून को पहली शिफ्ट में पेपर 1, दूसरी शिफ्ट में पेपर 2 की परीक्षा होगी।

23 जून को पहली शिफ्ट में पेपर 3 और दूसरी शिफ्ट में पेपर 4 की परीक्षा आयोजित होगी।

24 जून को पहली शिफ्ट में पेपर 5 और दूसरी शिफ्ट में पेपर 6 की परीक्षा ली जाएगी।

एक ही दिन हो रही जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षा

झारखंड लोक सेवा आयोग 22 जून से जेपीएससी मेंस परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस परीक्षा के साथ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षा का आयोजन भी होगा। कई अभ्यर्थी हैं ऐसे भी हैं, जो जेपीएससी मेंस परीक्षा में भाग लेंगे लेकिन उन्हें जेपीएससी के साथ ही जेएसएससी की परीक्षा भी देनी है। जेपीएससी की ओर से सिविल सेवा मुख्य परीक्षा ली रही हैं जबकि जेएसएससी की ओर से कक्षा छह से आठ के सहायक आचार्य नियुक्ति की परीक्षा ली जा रही है। इसकी परीक्षा 23 जून से शुरू हो रही है जबकि 23 जून को जेपीएससी पेपर तीन और चार की परीक्षा ले रही है।

इन पदों पर होगी नियुक्ति

कुल 342 पदों पर नियुक्ति होगी। इसमें डिप्टी कलेक्टर (उप समाहर्ता) के 207, पुलिस उपाधीक्षक के 35, राज्य कर पदाधिकारी के 56, कारा अधीक्षक के 2, झारखंड शिक्षा सेवा (कैटेगरी-2) के 10, जिला समादेष्टा का एक, सहायक निबंधक के 8, श्रम अधीक्षक के 14, प्रोबेशन पदाधिकारी के 6 और उत्पाद निरीक्षक के 3 पद हैं।

सेना के जवानों ने योग दिवस पर किया योगाभ्यास

रामगढ़ । अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इसमें ब्रिगेडियर संजय चन्द्र कांडपाल की अध्यक्षता में सेंटर के 545 रक्षाकर्मियों और उनके परिवारों ने योगा के विभिन्न आसन और क्रियाओं का अभ्यास किया। इस दौरान योग को मनुष्य जीवन के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मक विकास में योग के सार और महत्व पर ज़ोर दिया। सभी को योग के लाभ की जानकारी दी गई कि रोजाना योग करने पर न केवल मानसिक ताकत, सहनशक्ति और लचिलापन बढ़ता हैं। साथ ही एक जवान अपने शरीर में आत्म-नियंत्रण, सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि तनाव में कमी एवं स्फूर्ति को भी बढ़ा सकता हैं। योगाभ्यास के लाभों को सभी लोगों तक पहुंचाने के लिए पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के परिवारों एवं बच्चों ने भी योगाभ्यास का आयोजन किया गया।

पीएम मोदी ने घाटी में डल झील के किनारे किया योग

लोगों के साथ ली सेल्फी ली, सेना के जवानों ने आईएनएस विक्रमादित्य, चीन बॉर्डर पर किए योगासन

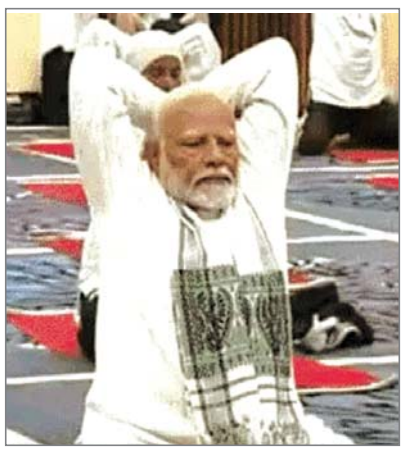

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में योग किया। पहले यह कार्यक्रम डल झील के किनारे 6.30 बजे होना था, लेकिन बारिश की वजह से इसे हॉल में शिफ्ट कर दिया गया। यह सुबह करीब 8 बजे शुरू हो पाया। हॉल में करीब 50 लोग और हॉल के बाहर करीब 7 हजार लोगों ने पीएम मोदी के साथ-साथ योग के मुश्किल आसन किए। इसके अलावा आईएनएस विक्रमादित्य पर नौसेनिकों ने सुबह करीब 7 बजे योग किया। लद्दाख में चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब पैंगॉन्ग झील के किनारे सेना के जवानों ने अलग-अलग आसन कर 10वां योग दिवस मनाया। 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। तब से इसे अलग-अलग थीम पर मनाया जा रहा है। इस बार की थीम योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी है। पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जम्मू-कश्मीर में हैं। 2013 के बाद से यह उनकी जम्मू-कश्मीर की 25वीं यात्रा है। वहीं 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 7वीं यात्रा है।

चुनाव आयोग सितंबर में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाने की तैयारियां कर रहा है। ऐसे में पीएम मोदी का यहां जाना और योग दिवस जैसे इंटरनेशनल इवेंट में शामिल होना पॉजिटिव मैसेज माना जा रहा है। उन्होंने कहा- कश्मीर के लिए योग आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

काशी में गंगा की लहरों से 2 फीट ऊपर किया योग

150 बटुकों का सूर्य नमस्कार

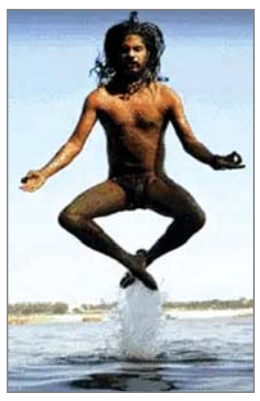

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में शुक्रवार को 10वें योग दिवस पर सीएम योगी ने राजभवन में योग किया। उन्होंने कहा- योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। मानवता के अनुकूल है। एक संपूर्ण विधा है। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। गाजियाबाद में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर और बागपत के पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह (69) ने मोदीनगर के पतंजलि वेलनेस सेंटर में वृक्षासन किया। काशी में विश्वनाथ धाम और गंगा घाट पर योग किया गया। यहां गंगा के पंचगंगा घाट पर धीरज गोस्वामी ने जल योग की क्रियाएं की। वह योग करते हुए गंगा की लहरों में दो फीट ऊपर उछल गए। धीरज वाराणसी में फोटोग्राफी और गाइड का भी काम करते हैं। बातचीत में उन्होंने कहा- मैं बचपन से ही गंगा घाट पर स्नान करता हूं। लहरों में उछलकर योगाभ्यास करना अभ्यास का हिस्सा है। मैंने यह किसी से सीखा नहीं है। मथुरा में भाजपा सांसद हेमामालिनी योग दिवस कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने 2000 लोगों के साथ योग किया।

यूजीसी-नेट और नीट विवाद पर संघ में बेचैनी

एबीवीपी बोली-मोदी सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द होने और बिहार और गुजरात में नीट-यूजी पेपर के कथित लीक की पुलिस जांच से भाजपा और आरएसएस से जुड़े संगठनों में बेचैनी पैदा हो गई है। इसमें भाजपा की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) भी शामिल है। एबीवीपी ने गुरुवार को कहा कि जब प्रजा की तरफ से सवाल उठाया गया है, तो सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिए। बता दें कि केंद्र सरकार देश की टॉप परीक्षाएं कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की जांच और सुधारों की सिफारिश करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द किए जाने और नीट परीक्षा को लेकर जारी विवाद के बीच प्रधान ने समिति गठित करने की घोषणा की। नेट और नीट इन परीक्षाओं को आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए, एबीवीपी के राष्ट्रीय महासचिव याज्ञवल्क्य शुक्ला ने एनईईटी की गड़बड़ी का जिक्र किया। उन्होंने कहा, एनटीए में कुप्रबंधन की धारणा है।

छोटे दलों से गठबंधन,निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन

जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा का मास्टर प्लान हो गया तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद होने जा रहे पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा रणनीतिक ढंग से मैदान में उतरेगी। पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के बजाय अपना ध्यान जम्मू क्षेत्र पर केंद्रित करेगी। पार्टी घाटी में खुद कम सीटों पर लड़ेगी और अधिकांश सीटों पर छोटे दलों से तालमेल और निर्दलीयों को समर्थन दे सकती है। सर्वोच्च अदालत के निर्देश के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य में इस बार का चुनाव इसलिए भी अहम है कि यह न केवल राज्य में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद पहला विधानसभा चुनाव है, बल्कि हाल के

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी को देखते हुए राज्य में चुनाव को लेकर बेहद उत्साह है। लोक सभा चुनाव के नतीजे भी चौंकाने वाले रहे हैं। राज्य के दो श्रेत्रीय दलों के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, बारामूला से निर्दलीय अब्दुल रशीद शेख उर्फ इंजीनियर की जीत भी चौंकाने वाली रही। यह राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय है। इंजीनियर ने जेल में रहकर चुनाव लड़ा और उमर अब्दुल्ला को हराया है। भाजपा ने यहां 2014 के पिछले विधानसभा चुनाव में पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी।

देश में चतरा का नाम उंचा करूंगा : कालीचरण सिंह

रातू : मां पार्वती हॉस्पिटल सिमलिया रातू में शुक्रवार को चतरा के नव निर्वाचित सांसद कालीचरण सिंह का नागरिक अभिनंदन सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने कहा भाजपा की परिभाषा है - राष्ट्र प्रथम, पार्टी उसके बाद और स्वयं का ख्याल अंत मेंह्व। उन्होंने ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चतरा की जनता ने उन्हें सांसद बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। मेरा प्रयास रहेगा कि देश में चतरा का नाम उंचा रहे ।मौके पर समारोह के आयोजक झारखंड भाजपा के चुनाव प्रबंधन प्रमुख मृत्युंजय शर्मा ने सांसद को अंग वस्त्र एवं

पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। मृत्युंजय शर्मा ने कहा कि चतरा के नव निर्वाचित सांसद कालीचरण सिंह का जनता के प्रति यह अटूट प्रेम और विश्वास ही है, जिसकी वजह से वे अभिनंदन समारोह का निमंत्रण स्वीकार कर यहां उपस्थित हुए हैं। इसके लिए हम उनका आभार प्रकट करते हैं। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेंद्रनाथ पांडेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी बड़े पद को सुशोभित कर सकता है। कार्यकताओं को सिर्फ ईमानदारी पूर्वक पार्टी में अपना कर्तव्य को निर्वहन करने की जरूरत है। रिंकु पांडेय ने कहा कालीचरण सिंह सांसद के रूप में निर्वाचित होने से पहले भी सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यों में काफी सक्रिय रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन व्रजेश शर्मा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार ने किया ।मौके पर एसएन शर्मा, डॉ. अभिषेक कुमार रामदीन, पप्पू सिंह, रामसागर तिवारी, मिथिलेश दुबे, कुमुद झा, ममता चौहान, अजय तिवारी, दीपक ठाकुर ,विक्रम शर्मा, अभिषेक कुमार, वीरेंद्र सिंह, प्रिंस दुबे, अश्विनी अनुराग, सोमनाथ पांडे, रामकुमार चौधरी, सुनील राय, जितेंद्र सिंह, विनय कुमार राय, अमित राय, मोनू कुमार, सागर कुमार, सौरभ राय, सुमन सौरभ, अरुण कुमार, राजेश साह सहित कई अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने टीवीएनएल के एमडी के खिलाफ खोला मोर्चा

रांची : आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने ललपनिया स्थित तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन (टीवीएनएल) में व्याप्त भ्रष्टाचार और इसमें शामिल मौजूदा प्रभारी प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने इसको लेकर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का भी ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा है कि टीवीएनएल में जिस प्रकार से भ्रष्टाचार व्याप्त है और मौजूदा प्रभारी प्रबंध निदेशक पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं ऐसे में उन्हें तत्काल प्रभारी प्रबंध निदेशक के पद से हटाकर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए और किसी योग्य पदाधिकारी को टीवीएनएल की जवाबदेही दी जाए। उन्होंने कहा कि टीवीएनएल में भारी भ्रष्टाचार, नियुक्ति में अनियमितता, विस्थापितों के समझौता के अनुसार नियोजन व मुआवजा भुगतान में अनियमितता किया जा रहा है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें टीवीएनएल में प्रभारी प्रबंध निदेशक के द्वारा संगठित रूप से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है, की जानकारी हमें प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत वर्ष 2021 में प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह के विरुद्ध आरोप लगाकर उन्हें त्यागपत्र देने के लिए मजबूर किया गया और एक जूनियर अधिकारी अनिल कुमार शर्मा को प्रबंध निदेशक का प्रभार दिया गया। मौजूदा समय में अनिल कुमार शर्मा महाप्रबंधक और प्रबंध निदेशक दोनों के प्रभार में है जबकि डीपीओ एंड वर्क एंड प्रोक्योरमेंट पॉलिसी 2012 में टीवीएनएल का महत्वपूर्ण प्रबंधकीय निर्णय व वित्तीय शक्ति उक्त दोनों पद पर निहित है। इस प्रकार विगत 3 वर्षों से प्रभार में चल रहे एक व्यक्ति के द्वारा दोनों प्रकार का निर्णय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभारी प्रबंध निदेशक बनते अनिल कुमार शर्मा ने अपने राजनीतिक संरक्षक के साथ मिलकर अशोक प्रसाद, आशीष शर्मा, राजीव कुमार, सुनील कुमार, राकेश कुमार एचआर (मुख्यालय व ललपनिया) आकस्मिकता के आधार पर संविदा में नियुक्त कर्मी प्रभात कुमार स्थानीय जयराम हांसदा के बीच टीवीएनएल में अनियमितता करने के उद्देश्य से एक संगठित ग्रुप बनाकर कार्य आवंटित किया गया और तब से यह ग्रुप अनियमितता को अंजाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभारी प्रबंध निदेशक अपने राजनीतिक संरक्षक स्थानीय पूर्व विधायक के साथ मिलकर उनके बेटे के नाम, रिश्तेदार, निजी सहायक व अन्य करीब सप्लायर के नाम क्रमशः मेसर्स पीके इंटरप्राइजेज, मेसर्स गणेश इंटरप्राइजेज, मेसर्स जैन इंटरप्राइजेज, मेसर्स आदित्य इंटरप्राइजेज, मेसर्स सुशीला इंटरप्राइजेज व मेसर्स कपूर इंटरप्राइजेज नाम से फॉर्म बनाकर करीब 124 करोड़ से अधिक का कार्यदेश देकर फर्जी निकासी भी कर लिया गया है।

सीसीएल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'

रांची : आज प्रातः 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर सीसीएल द्वारा कांके रोड स्थित जवाहर नगर, रांची में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह सहित निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तक. / संचा.) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण, महिलाएं तथा बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। सभी ने इस योग शिविर में उत्साह के साथ भाग लिया और इसका लाभ उठाया। योग शिविर में सभी ने योग की विभिन्न प्रणायामों का योगाभ्यास किया। सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने योग पर चर्चा करते हुये कहा कि नियमित योग करने से व्यक्ति के न केवल प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है बल्की बौद्धिक-मानसीक एवं आध्यत्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। स्वस्थ्य जीवन के लिए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

जिला परिषद की ओर से लगाया गया नया चापानल पानी की समस्या से मिला निजात

सोनाहातु : प्रखंड क्षेत्र के तेलवाडीह पंचायत अंतर्गत पारम जाडेया गांव में इस बर्ष की चिलचिलाती धूप और गर्मी के कारण जलश्रोत नीचे जाने के से पीने का पानी के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।पारमजाड़ेया गांव के ग्रामीणों को पीने एवं नहाने का पानी समस्या घटने का नाम नहीं ले रहा था । गांव के आसपास के जितने भी चापाकल एवं कुआं चिलचिलाती धूप के कारण सूख गया था।कुंआ का पानी सुखने एवं चापानल खराब हो जाने से पिछले कई महीनो से ग्रामीण को परेशानियों का सामना करना पड़ा।अंत में पारमजाड़ेया के ग्रामीणों ने इसकी सूचना सोनाहातु जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह को दिया गया। सूचना प्राप्त होते ही जिला परिषद सदस्य मंजु सिंह त्वरित कार्रवाई करते हुए बिभाग को नया चापानल लगाने का आदेश दिये।जो शुक्रवार को नया चापानल लगा दिया गया। जिससे पानी की समस्या से निजात मिल गया।पारम जाडेया गांव के लोगों ने पानी का समस्या को दूर करने वाली मंजु सिंह को तहे दिल से आशीर्वाद दिया। एवं नया चापानल लग जाने से आज ग्रामीणों में खुशी की लहरें देखा गया।

विधायक का विकास योजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

इटकी : इटकी प्रखंड के सभागार में शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने विभिन्न विभाग के संबधित अधिकारियों को कई दिशा निर्देश जारी किया। मौके पर विधायक ने बिजली विभाग के अधिकारियों को मांडर विधान सभा क्षेत्र में व्याप्त बिजली की समस्या पर को दुरुस्त कर नियमित रूप बिजली बहाल करने का निर्देश दिया। वही नल जल योजना में किसी प्रकार की अनियमितता बर्दास्त नही की जायेगी। योजना पर बरती गई अनियमितता की जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही ।उन्होंने नल जल योजना के संबंधित अधिकारियों को इस कार्य में रफ्तार लाकर समय रहते ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने की हिदायत दी। वे शुक्रवार को इटकी प्रखंड मुख्यालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में बोल रही थी। इस दौरान विधायक ने प्रखंड में चल रही अबुआ आवास, प्रधान मंत्री आवास, सिचाई कुप, सड़क, वृद्धा पेंशन, पीडीएस, मनरेगा,प्राकृतिक आपदा, शिक्षा सहित कई योजनाओं की प्रगति पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की और विकास कार्यो को जल्द निपटारा कर लाभुकों को लाभ पहुंचाने की बात कही। बैठक में बीडीओ शशि निलिमा डुंगडुंग, सीओ विजय कुमार, बीएसओ हेमन्त टोप्पो, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सहित विभिन्न विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी, मुखिया और कांग्रेस पार्टी के सदस्य उपस्थित थे।

प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया मेडल एवं ट्राफी

प्रतापपुर (चतरा) : प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू हाई स्कूल के मैदान में शुक्रवार को 63वीं प्रखंड स्तरीय अंडर 17 बालक,अंडर 17 बालिका तथा अंडर 15 बालक सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा प्रखंड संसाधन केंद्र प्रतापपुर के तत्वावधान में आयोजित किया गया।प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न

विद्यालयों ने भाग लिया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रुप प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार दास मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्लस टू हाई स्कूल के खेल शिक्षक राजकुमार शुक्ला ने किया।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि सहित अन्य मौजूद गणमान्य लोगों द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि खेल से शारीरिक के साथ साथ मानसिक विकास होता।खेल हमें अनुशासन के साथ साथ एक जूट होकर लक्ष्य प्राप्ति का संदेश भी देता है। प्रतियोगिता में अंडर 17 बालक में राज्य संपोषित उच्च विद्यालय प्रतापपुर,अंडर 17 बालिका में परियोजना बालिका उच्च विद्यालय प्रतापपुर तथा अंडर 15 बालक वर्ग में यूएचएस गेरुआ विजयी रहा।विजयी टीमों को मेडल तथा ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम के सफल संचालन में खेल शिक्षक राजकुमार शुक्ला, धर्मेंद्र कुशवाहा, सुशांत कुमार, बीआरसी कार्यालय के बीपीओ अजय कुमार दास, लेखापाल पंकज कुमार गुप्ता, एमआईएस आपरेटर आनंद कुमार, बीआरपी मोहम्मद दानिश, डाटा आपरेटर अर्जून गुप्ता, आदेशपाल प्रदीप पासवान सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित

बुढ़मू : प्रखंड सभागार में शुक्रवार को विधायक समरीलाल की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में विभागवार चल रही योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली गई. समीक्षा के दौरान कई विभाग के अधिकारी उपस्थित नहीं थे. वन विभाग को निर्देश दिया गया कि प्रखंड क्षेत्र में दर्जनों पेड़ सूख गया है उसे तत्काल कटवाया जाय, विद्युत विभाग के अधिकारी ग्रामीणों की गलती पर बगैर चेतावनी दिए कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया, सीओ ने बताया कि अंचल में अमीन की कमी के कारण कार्य लंबित हो जाता है. अंचल में निरीक्षक नहीं होने से एक कर्मचारी को अंचल निरीक्षक बनाया गया है. अधिकारियों को संबोधित करते हुए विधायक समरीलाल ने कहा कि प्रखंड, अंचल व अन्य विभाग के अधिकारी सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ योग्य लाभूक को मिले, हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि क्षेत्र में व्याप्त समस्या का जल्द निराकरण हो। जिप सदस्य मनोज वाजपेयी ने कहा कि पशु शेड में योग्य लाभूक का चयन करे. अत्यंत गरीब परिवार को अबुवा आवास योजना का लाभ में प्राथमिकता मिले. मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूनार्मेंट के खिलाडियों का किट बैग का वितरण किया गया. किट बैग का वितरण सभी 14 पंचायतों में किया गया. मौके पर प्रमुख सत्नारायण मुंडा, बीडीओ धीरज कुमार, सीओ सच्चिदानंद वर्मा, पूर्वी जिप सदस्य मनोज वाजपेयी, पश्चिमी जिप सदस्य रामजीत गंझू, उप प्रमुख हरदेव साहू, विधायक प्रतिनिधि पवन महतो सहित अन्य मौजूद थे।

हिंदू साम्राज्य दिवस मनाया गया

बुढ़मू : राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ बुढ़मू द्वारा ठाकुरगांव शिव मंदिर में हिंदू साम्राज्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग सह संघचालक सिद्धनाथ महतो ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म में सभी के विकास की बात कही गई है और सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जहां सभी एक स्वर में बोलते है कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो। कार्यक्रम को विभाग कार्यवाह डा. सुनील कुमार महतो, अर्जुन राम, प्रखंड कार्यवाह रंजन कुमार, प्रशांत गुप्ता, मुकेश कुशवाहा ने भी संबोधित किया।

पुराना बाईक शोरूम का ताला तोड स्कुटी एवं कैश काउंटर से 97,000 की चोरी

रातू : थाना क्षेत्र के एनएच 39 गोबिंदनगर गेट के पास स्थित सतीश ऑटोमोबाइल्स से गुरूवार रात चोरो ने शोरूम का पिछले दरवाजे का ताला तोड एक स्कुटी जेएच 01 सीपी 6073 एवं कैश काउंटर में रखा लगभग 97,000रूपया की चोरी कर ली। घटना की जानकारी सुबह उस समय हुई जब शोरूम के मालिक सतीश चौधरी पिता रघुनाथ चौधरी दस बजे शोरूम पहुंचे। शोरूम खोलकर अंदर पहुंचे तो पाया कि पीछे के दरवाजे में लगा ताला टुटा हुआ है। सतीश चौधरी ने तुरंत चोरी की सुचना रातू थाना को दी। सुचना मिलते ही रातू पुलिस शोरूम पहुंची और सीसीटीवी की जांच की। सीसीटीवी में चोरी की घटना कैद हो गई है।रातू पुलिस ने सीसीटीवी में जांच के क्रम में पाया कि गुरूवार रात दो बजे तीन लोग ताला तोडकर अंदर आते है। लगभग 45 मिनट तक शोरूम के अंदर चोरी की घटना को अंजाम देते है और लगभग 2:45 बजे आराम से स्कुटी और काउंटर से निकाली गई राशि लेकर निकल जाते है।

झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

भू–अर्जन वाद संख्या–62 / 2020–21
भू–अर्जन वाद संख्या–63 / 2020–21
भू–अर्जन वाद संख्या–61 / 2020–21

अधिघोषणा

(अधिनियम–30 / 2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

''ईटकी पावर हाउस–डारहाटांड–झिंझीरी–टाटकुण्डो पथ के चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण कार्य परियोजना''

चूँकि झारखण्ड सरकार / समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा ''ईटकी पावर हाउस–डारहाटांड–झिंझीरी–टाटकुण्डो पथ के चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण कार्य परियोजना'' हेतु ग्राम–ईटकी ठाकुरगाँव, टाटकुण्डो एवं झिंझरी, थाना संख्या क्रमशः–102, 134 एवं 133, अंचल–ईटकी एवं माण्डर, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश रकबा क्रमशः–**3.886, 3.242** एवं **0.043** एकड़ भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खण्ड है, जो मानक माप से कमोवेश रकबा क्रमशः–**3.886, 3.242** एवं **0.043** एकड़ है, जो ग्राम–ईटकी ठाकुरगाँव, टाटकुण्डो एवं झिंझरी, थाना संख्या क्रमशः–102, 134 एवं 133, अंचल–ईटकी एवं माण्डर, जिला–राँची में है, जिसकी विवरणी निम्नलिखित हैः–

मौजा–टाटकुण्डो

क्र0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	भूमि का प्रकार	स्वामित्व का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ.	द.	पु.	प.
1	29	846/1	टांड दो	कायमी	0.001	सिमोन उराँव पिता–बुधवा उराँव, सलील तिर्की पिता–जुनस तिर्की, सुनील उराँव पिता–पिक्का उराँव	रास्ता	निज	रास्ता	846 / 2
2	29	846/2	टांड दो	कायमी	0.001	सिमोन उराँव पिता–बुधवा उराँव, सलील तिर्की पिता–जुनस तिर्की, सुनील उराँव पिता–पिक्का उराँव	रास्ता	निज	रास्ता	846 / 2
3	--	756/1	टांड दो	कायमी	0.031	जोधेया कान्दू मंसुर कान्दू पिता–स्व० कारू कान्दू शंकर कान्दू पिता–कैलाश कान्दू	रास्ता	निज	840	756 / 2
4	--	756/2	टांड दो	कायमी	0.030	जोधेया कान्दू मंसुर कान्दू पिता–स्व० कारू कान्दू शंकर कान्दू पिता–कैलाश कान्दू	रास्ता	757	निज	रास्ता
5	134	802	टांड एक	कायमी	0.002	बकास्त बड़ाईक शंखनाथ शाही पिता–स्व० गोपाल शाही, संजीत शाही पिता–स्व० प्रताप शाही	769	803	निज	रास्ता
6	263	724/1	टांड तीन	कायमी	0.028	विक्रम सिंह पिता–स्व० शंकर सिंह	रास्ता	निज	725	724 / 2
7	263	724/2	टांड तीन	कायमी	0.027	विक्रम सिंह पिता–स्व० शंकर सिंह,	रास्ता	निज	724 / 1	रास्ता
8	57	1200	मकान 3 सहन 10	कायमी	0.009	बीशु कोईरी वल्द नान्हु कोईरी, खिलेश महतो पिता–स्व० गोविन्द महतो	रास्ता	निज	निज	1201
9	57	1201/1	टांड एक	कायमी	0.009	बीशु कोईरी वल्द नान्हु कोईरी	रास्ता	निज	1200	1200 / 2
10	57	1201/2	टांड एक	कायमी	0.009	बीशु कोईरी वल्द नान्हु कोईरी	रास्ता	निज	1200	1200 / 2
11	51	1202	परती कदीम	कायमी	0.024	पुगना कोईरी, धुकना कोईरी, बीरथु कोईरी पेशरान मेघुवा कोईरी	रास्ता	1203	निज	रास्ता
12	57	1203	टांड एक	कायमी	0.007	बीशु कोईरी वल्द नान्हु कोईरी	1202	1206	निज	रास्ता
13	51	1206	टांड एक	कायमी	0.003	पुगना कोईरी, धुकना कोईरी, बीरथु कोईरी पेशरान मेघुवा कोईरी	रास्ता	निज	निज	1217
14	57	1217	टांड एक	कायमी	0.025	बीशु कोईरी वल्द नान्हु कोईरी	रास्ता	निज	1206	1218
15	53	1218	टांड एक	कायमी	0.006	हसनुआ कोईरी, रामजीत महतो पिता–शिवनारायण महतो	रास्ता	निज	1217	1219
16	53	1219	टांड एक	कायमी	0.007	रामजित महतो पिता–शिवनारायण महतो	रास्ता	निज	1218	1220
17	60	1220	टांड दो	कायमी	0.075	सिमोन उराँव वगैरह पिता–भुखण्डा उराँव	रास्ता	1221	निज	रास्ता
18	133	1222	दोन एक	कायमी	0.159	बड़ाईक शंखनाथ शाही पिता–स्व० गोपाल शाही	1221	682	निज	रास्ता
19	59	688	दोन दो	कायमी	0.019	बैला उराँव, महादेव उराँव, हुडु उराँव, बुचु उराँव पेषरान जुनई चनवा उराँव	691	682	निज	रास्ता
20	14	681	टांड दो	कायमी	0.002	डबरा उराँव वगैरह पेशरान ऐता उराँव, एतवा उराँव	682	642	निज	रास्ता
21	59	642	टांड दो	कायमी	0.075	बैला उराँव, महादेव उराँव, हुडु उराँव, बुचु उराँव पेशरान जुनई चनवा उराँव	681	रास्ता	निज	रास्ता
22	59	643	टांड दो	कायमी	0.010	बैला उराँव, महादेव उराँव, हुडु उराँव, बुचु उराँव पेशरान जुनई चनवा उराँव	निज	रास्ता	644	642
23	59	644	टांड दो	कायमी	0.013	बैला उराँव, महादेव उराँव, हुडु उराँव, बुचु उराँव पेशरान जुनई चनवा उराँव	निज	रास्ता	645	643
24	31	645	टांड दो	कायमी	0.020	मसीह उराँव वल्द पैनी उराँव	निज	रास्ता	646	644
25	71	646	दोन तीन	कायमी	0.021	बकास्त	निज	रास्ता	647	645
26	34	647	टांड दो	कायमी	0.011	बुरंगा उराँव	निज	रास्ता	648	646
27	24	648	टांड दो	कायमी	0.001	गुना उराँव	निज	रास्ता	649	647
28	114	638/1	टांड दो	कायमी	0.011	मुंगा उराँव वल्द कोका उराँव	रास्ता	365 / 2	निज	रास्ता
29	114	638/2	टांड दो	कायमी	0.011	मुंगा उराँव वल्द कोका उराँव	रास्ता	365 / 2	निज	रास्ता
30	104	635	टांड दो	कायमी	0.042	मुंगा उराँव वल्द कोका उराँव	368 / 2	634	निज	रास्ता
31	104	634	टांड दो	कायमी	0.030	मुंगा उराँव वल्द कोका उराँव	635	633	निज	रास्ता
32	109	633	टांड एक	कायमी	0.031	गोयन्दा उराँव वल्द कानू उराँव वो अज्ञात उराँव	634	633	निज	रास्ता
33	111	631	टांड दो	कायमी	0.075	सुले उराँव वगैरह	633	रास्ता	निज	रास्ता
34	60	1340	टांड दो	कायमी	0.116	सिमोन उराँव वगैरह पिता–भुखण्डा उराँव	रास्ता	1347	निज	रास्ता
35	295	1347	टांड एक	कायमी	0.043	मंगरा उराँव वल्द स्व० विलियम तिर्की	1340	1348	निज	रास्ता
36	293	1348	टांड एक	कायमी	0.035	बुचु उराँव वल्द चड़रा उराँव	1347	1349	निज	रास्ता
37	7	1349	मकान सहन	कायमी	0.014	पतरस उराँव वगैरह	1348	1350	निज	रास्ता
38	7	1350	मकान सहन	कायमी	0.018	पतरस उराँव वगैरह	1349	1355	निज	रास्ता
39	182	1355	टांड दो	कायमी	0.034	बकास्त भुईहरी	1350	1356	निज	रास्ता
40	189	1356	टांड दो	कायमी	0.026	बकास्त भुईहरी	1355	1367	निज	रास्ता
41	29	1367	टांड दो	कायमी	0.018	सिमोन तिर्की पिता स्व. बुधुआ तिर्की	1356	1366	निज	रास्ता
42	24	1366	टांड दो	कायमी	0.146	जीवन तिर्की पिता–स्व० टुना तिर्की	1367	रास्ता	निज	रास्ता
43	57	1365/1	टांड दो	कायमी	0.060	अनुप कुमार सलीम तिर्की पिता मंगल मसीह तिर्की	निज	रास्ता	1365 / 2	1366
44	57	1365/2	टांड दो	कायमी	0.060	करमदयाल महतो पिता–स्व० गड़वा महतो	निज	रास्ता	1365 / 3	1365 / 2
45	57	1365/3	टांड दो	कायमी	0.059	करमदयाल महतो पिता–स्व० गड़वा महतो	निज	रास्ता	1364 / 1	1365 / 2
46	20	1364/1	टांड दो	कायमी	0.027	नेनुआ महतो, केड़ा महतो, पे० मंगना महतो वो लाहा महतो वल्द मोहनी महतो	रास्ता	निज	1364 / 2	1365 / 3
47	20	1364/2	टांड दो	कायमी	0.028	नेनुआ महतो, केड़ा महतो, पे० मंगना महतो वो लाहा महतो वल्द मोहनी महतो	रास्ता	निज	1364 / 3	1364 / 1
48	20	1364/3	टांड दो	कायमी	0.028	नेनुआ महतो, केड़ा महतो, पे० मंगना महतो वो लाहा महतो वल्द मोहनी महतो	रास्ता	निज	1363	1364 / 2
49	19	1363	–		0.011	चरवा उराँव वगैरह	निज	रास्ता	1392	1364
50	34	1392	दोन दो	कायमी	0.041	बुरंगा उराँव	निज	रास्ता	1393	1363
51	34	1393	दोन दो	कायमी	0.106	बुरंगा उराँव	निज	रास्ता	1397	1392
52	35	1397	दोन दो	कायमी	0.105	सुहना अहीर वल्द करमा अहीर, दशरथ महतो	निज	रास्ता	1398	1393
53	25	1398	दोन दो	कायमी	0.104	एतवा उराँव वगैरह पिता–पोड़ा उराँव	निज	रास्ता	निज	रास्ता
54	19	1390	टाड़ दो	कायमी	0.006	चरवा उराँव वगैरह	रास्ता	754 / 2	रास्ता	निज
55	151	754/1	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.030	प्रभु महतो पिता–स्व० खुदिया महतो, सुकुलदीया शाही पिता–करमदयाल शाही, सुरेन्द्र शाही, मदन महतो पिता–रघुनाथ महतो	754 / 1	754 / 3	रास्ता	निज
56	151	754/2	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.030	प्रभु महतो पिता–स्व० खुदिया महतो, सुकुलदीया शाही पिता–करमदयाल शाही, सुरेन्द्र शाही, मदन महतो पिता–रघुनाथ महतो	754 / 2	752	रास्ता	निज
57	151	754/3	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.030	प्रभु महतो पिता–स्व० खुदिया महतो, सुकुलदीया शाही पिता–करमदयाल शाही, सुरेन्द्र शाही, मदन महतो पिता–रघुनाथ महतो	754 / 3	रास्ता	रास्ता	निज
58	70	752	टाड़ दो	कायमी	0.028	मझीयस	रास्ता	723 / 1	रास्ता	निज
59	116	726	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.050	पिताम्बर शाही पिता–शेखनाथ शाही, देवेन्द्र शाही पिता–अमर शाही, संजीत शाही पिता–स्व० प्रताप शाही (विवादित)	726	723 / 2	रास्ता	निज
60	153	723/1	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.043	राम किशोर शाही, भउन शाही पिता–दर्शन शाही	723 / 1	रास्ता	रास्ता	723 / 3
61	153	723/2	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.043	राम किशोर शाही, भउन शाही पिता–दर्शन शाही	निज	रास्ता	723 / 2	723 / 4
62	153	723/3	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.042	राम किशोर शाही, भउन शाही पिता–दर्शन शाही	निज	रास्ता	723 / 3	722
63	153	723/4	बाग आम टाड. दो	वकाश्त मालिक	0.042	राम किशोर शाही, भउन शाही पिता–दर्शन शाही	निज	रास्ता	723 / 4	निज
64	128	722	टाड दो	कायमी	0.006	मझीयस	722	रास्ता	रास्ता	720
65	133	721	टाड दो	कायमी	0.049	बड़ाईक शंखनाथ शाही पिता–स्व० गोपाल शाही	निज	रास्ता	721	717
66	134	720	टाड़ तिन	कायमी	0.008	बड़ाईक शंखनाथ शाही पिता–स्व० गोपाल शाही	717	715	रास्ता	निज
67	71	716	टाड़ एक	कायमी	0.016	बकास्त	716	702	रास्ता	निज
68	126	715	टाड़ एक	कायमी	0.013	मोसोमात मगनी जौजे जेनाराएत शींह	715	701	रास्ता	निज
69	99	702	दोन एक	कायमी	0.346	देवेन्द्र शाही पिता–अमरनाथ शाही	702	699	रास्ता	निज
70	271	701	दोन दो	कायमी	0.003	बिशुनाथ गोड़ाईत पेशरान महादेव गोड़ाईत	701	696	रास्ता	निज
71	149	699	दोन दो	कायमी	0.012	तेजुआ उराँव वल्द बलुफा उराँव	699	695	रास्ता	निज
72	149	696	टाड़ दो	कायमी	0.003	तेजुआ उराँव वल्द बलुफा उराँव	696	694	रास्ता	निज
73	14	695	टांड दो	कायमी	0.001	डबरा उराँव वगैरह पेशरान ऐता उराँव, एतवा उराँव	694	600	रास्ता	निज
74	216	579	टांड दो	कायमी	0.022	बकास्त भुईहरी	रास्ता	निज	640	600
75	74	601	टांड दो	कायमी	0.006	एतवा उराँव, मनु उराँव पेशरान ठेपई उराँव	रास्ता	निज	640 / 2	601
76	74	640/1	टांड दो	कायमी	0.012	एतवा उराँव, मनु उराँव पेशरान ठेपई उराँव	रास्ता	निज	639	640 / 1
77	74	640/2	टांड दो	कायमी	0.012	एतवा उराँव, मनु उराँव पेशरान ठेपई उराँव	रास्ता	निज	रास्ता	निज
78	83	639	टांड दो	कायमी	0.136	बुदु उराँव वल्द घोड़ाचरवा उराँव, बन्द उराँव पिता–बुदु उराँव	639	630 / 2	रास्ता	निज
79	74	630/1	टांड दो	कायमी	0.040	एतवा उराँव, मनु उराँव पेशरान ठेपई उराँव	630 / 1	रास्ता	रास्ता	निज
80	74	630/2	टांड दो	कायमी	0.040	एतवा उराँव, मनु उराँव पेशरान ठेपई उराँव	रास्ता	618	रास्ता	निज
81	205	627	टांड दो	कायमी	0.093	बकास्त भुईहरी	618	612	रास्ता	निज
82	299	617	परती कदीम	कायमी	0.042	बेली उराँव वल्द भटीया उराँव	617	611	रास्ता	निज
83	299	612	मकान 1 सहन	कायमी	0.001	बेली उराँव वल्द भटीया उराँव	612	608	रास्ता	निज
84	300	610	मकान 1 सहन	कायमी	0.054	भगना उराँव वल्द राम उराँव	610	1360	रास्ता	निज
85	299	608	टाड़ दो	कायमी	0.079	बेली उराँव वल्द भटीया उराँव	1391	सीवाना	रास्ता	निज
				कुल	**3.242**					

मौजा–झिंझरी

क्र0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	भूमि का प्रकार	स्वामित्व का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ.	द.	पू.	प.
1	4	2007/1	टांड दो	वकाश्त मालिक	0.014	महाराजा चिन्तामणी शरण नाथ शाहदेव वल्द युवराज काली शरण नाथ शाहदेव बंधन महतो वल्द शिबु महतो	निज	सड़क	2007 / 2	1408
2	4	2007/2	टांड दो	वकाश्त मालिक	0.014	महाराजा चिन्तामणी शरण नाथ शाहदेव वल्द युवराज काली शरण नाथ शाहदेव बंधन महतो वल्द शिबु महतो	निज	सड़क	2007 / 3	2007 / 1
3	4	2007/3	टांड दो	वकाश्त मालिक	0.014	महाराजा चिन्तामणी शरण नाथ शाहदेव वल्द युवराज काली शरण नाथ शाहदेव बंधन महतो वल्द शिबु महतो	निज	सड़क	2008	2007 / 2
4	6	1408	टांड दो	वकाश्त मालिक	0.001	अहलाद उराँव, राम उराँव पेशरान लखना उराँव वो लाखा उराँव, लच्छु उराँव पेशरान एतवा उराँव, वो दुलीया उराँव, बोचे उराँव पेशरान हागु उराँव वो ठकरी उराँव वल्द बिरसा उराँव वगैरह	निज	सड़क	2007	407
				कुल	**0.043**					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30 / 2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–
ग्राम–XXX, थाना संख्या–XXX, अंचल–XXX, जिला–XXX, क्षेत्रफल–XXX एकड़, जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

अमीन, जि०भू०अ०का०,राँची
कानूनगो, जि०भू०अ०का०,राँची
जि० भू० अ० पदा०, राँची
अपर समाहर्त्ता, राँची
उपायुक्त, राँची

PR 327142 Land Reforms(24-25).D

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में राज्य के विद्यार्थियों को पैसे की तंगी नहीं बनेगी बाधा : मुख्यमंत्री

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राज्य का कोई भी विद्यार्थी आर्थिक तंगी की वजह से उच्च और तकनीकी शिक्षा से वंचित ना रहे, यह सरकार का संकल्प है। इस दिशा में राज्य सरकार की ओर से कई योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं का लाभ यहां के गरीब और मेधावी विद्यार्थियों को सुलभता के साथ मिलना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग विभाग की उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के ₹गो लाइव ऑफ स्टूडेंट एप्लीकेशन मॉड्यूल₹ का शुभारंभ किया। इसके तहत जिन विद्यार्थियों का चयन उच्च शिक्षण संस्थान के लिए हो चुका है, वे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें सरकार द्वारा इस योजना के लिए जिन बैंकों के साथ इकरारनामा किया गया है, उनके द्वारा 15 लाख रुपये तक का शिक्षा लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

फ्लैगशिप योजनाओं का विद्यार्थियों को मिले पूरा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सरकार ने गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना और मांकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना जैसी अनेकों योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का लाभ गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि यहां के बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षाओं की कोचिंग के साथ मेडिकल इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, जर्नलिज्म और लॉ जैसे कोर्सेज करने में पैसे की तंगी बाधा नहीं बने।

विद्यार्थियों को राज्य में उत्कृष्ट उच्च शिक्षा मिले

मुख्यमंत्री ने राज्य में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को बेहतर और उत्कृष्ट बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां से बड़े पैमाने पर विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए दूसरे प्रदेशों का रुख करते हैं। ऐसे में हमें यह प्रयास करना होगा कि यहां के उच्च शिक्षण संस्थानों में क्वालिटी एजुकेशन के साथ कैंपस प्लेसमेंट की भी मजबूत व्यवस्था हो ताकि यहां के विद्यार्थी अपने ही राज्य में अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अच्छा जॉब भी हासिल कर सकें।

उच्च शिक्षण संस्थानों के भवन निर्माण कार्य में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कई नए डिग्री कॉलेज के साथ विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कई भवन निर्माण कार्य हो रहा है। इन भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाएं और तय समय सीमा के अंदर पूरी करें ताकि इसका लाभ यहां के शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से कस्बों, छोटे शहरों और प्रखंडों में कई नए कॉलेज खोले जा रहे हैं ताकि यहां के विद्यार्थियों को घर के आसपास ही बेहतर और उच्च शिक्षा मिल सके।

ट्राइबल यूनिवर्सिटी को जल्द बनाएं क्रियाशील

मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर में खोले जाने वाले ट्राइबल यूनिवर्सिटी को जल्द क्रियाशील बनाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह यूनिवर्सिटी इस राज्य के लिए काफी काफी मायने रखेगा। इससे यहां के जनजातीय भाषाओं को बढ़ावा मिलेगा। ऐसे में इस विश्वविद्यालय को शुरू करने को लेकर नियुक्ति समेत अन्य सभी प्रक्रियाओं को यथाशीघ्र पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जो भी योजनाएं संचालित हों, उनके बेहतर नतीजे प्राप्त होने चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव एल खियांगते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग के प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, निदेशक उच्च शिक्षा रामनिवास यादव, निदेशक तकनीकी शिक्षा सुनील कुमार, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम के कार्यपालक निदेशक संजय कुजूर एवं महाप्रबंधक अविनाश कुमार दीपक, एचडीएफसी बैंक झारखंड जोनल हेड अभिषेक कुमार, क्लस्टर हेड रांची धर्मेंद्र कुमार, गवर्नमेंट बैंकिंग हेड नवनीत गांधी तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मांडर में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच

मांडर : मांडर में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच शुक्रवार को संत जैविर्स उच्च विद्यालय के प्रांगण में सम्पन्न हुआ, अंडर -17 बालक वर्ग का फाइनल मैच उत्कृमित उच्च विद्यालय सकर पदा एवं उत्कृमित उच्च विद्यालय उचरी के बीच खेला गया जिसमे उच्च विद्यालय उचरी ने टाई ब्रेकर में उच्च विद्यालय सकर पदा

को 4--2 से पराजित किया, वहीं अंडर 17 बालिका वर्ग का फाइनल मैच जे एस एस पी ब्राम्बे रांची व संत तेरेसा बालिका मध्य विद्यालय के बीच खेला गया जिसमे जे एस एस पी एस ब्राम्बे ने संत तेरेसा बालिका मध्य विद्यालय को 6-0 से पराजित किया,अंडर 15 बालक वर्ग का फाइनल मैच संत अलोइस बालक मध्य विद्यालय एवं उत्कृमित उच्च विद्यालय महुवाजाड़ी के बीच खेला गया जिसमे संत अलोइस मध्य विद्यालय टाई ब्रेकर में 2--1 से विजयी रहा, विजयी सभी टीमें जिला स्तरीय मैच खेलेगी, इससे पूर्व फाइनल मैच का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार, उप प्रमुख अमानत अंसारी, एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी श्रीमती तरसीला केरकेट्टा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं किक मार कर मैच का उदघाटन किया, इस अवसर पर अपने सम्बोधन में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा की पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद का भी विशेष महत्व है, इससे सवार्गीन विकास होता है, खेल कूद के माध्यम से भी हम अपनी मुकाम हासिल ऊंचाइयों को छू सकते है, मौके पर बी पी ओ गुलाम सरवर, राकेश कुमार, साधु लाल, सुदर्शन कुमार, जूलीएट कुजूर, लिली पौलीना खलखो, जमील मल्लिक, जफर इमाम,अरुण खलखो, सहित मेडिकल टीम एवं काफी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे।

योग दिवस पर विभिन्न संस्थाओं ने किया योगाभ्यास

योग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होनी चाहिए

रातू : अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्कूलो, सार्वजनिक संस्थानो मे योगाभ्यास कराया गया। गुरु गोबिंद सिह पब्लिक स्कूल कमड़े में योगा अध्यापक शुभम वर्मा के दिशा निर्देश में छात्र- छात्राओं ने पद्मासन, वृक्षासन, ताड़ासन, अर्ध

चंद्रासन का योगाभ्यास किया। छात्र-छात्राओ द्वारा किया गया योगाभ्यास का प्रदर्शन काफी बेहतरीन था।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या शालिनी विजय ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यह विद्या हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। योग व सांस्कृतिक मंच के तत्वावधान मे हाई स्कूल मैदान मे योगाभ्यास किया गया। क्षेत्र के हुरहुरी निवासी जावेद अंसारी उर्फ मन्नू ने बाइक पर योगाभ्यास किया। वही समर्पणदीप बी.एड कालेज उषामातू में योग शिक्षा की जानकारी दी गई। प्राचार्य दशरथ महतो ने प्रशिक्षुओ को नियमति योग करने की सलाह दी। ग्लोबल कीड्स स्कूल मां आनंदमयी नगर,सुत ज्युस स्कूल भवानी नगर पिर्रा, डीएवी प्राईड स्कूल न्यु पिर्रा, सरस्वती शिशू विद्या मंदिर सहित अन्य स्कूलो मे योगा कार्यक्रम किए गए।

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक अंतर संस्थान योग प्रतियोगिता और एक

जागरूकता सत्र का आयोजन किया। मुख्य अतिथि और निर्णायक झारखंड योग और जिम्नास्टिक एसोसिएशन के कोच- श्री विकास कुमार गोप थे। उन्होंने अपनी टीम के साथ योग के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। दीपक कुमार वर्मा और श्री किसलय वर्मा- ब्रह्म विद्या विहंगम योग, रांची द्वारा एक संबोधन भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अपने विचार साझा किए। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जे.बी पटनायक ने अतिथि और दर्शकों का स्वागत किया। डीन, डॉ. शोवोना चौधरी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर ऋषि कुमार श्रीवास्तव के साथ इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता रांची विश्वविद्यालय के योग स्कूल के करण कुमार, निधि कुमारी और सूरज कुमार थे। यह दिवस बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया।

बुढ़मू प्रखंड मुख्यालय में योग प्रशिक्षक

बुढ़मू : अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस के अवसर पर बुढ़मू प्रखंड मुख्यालय में योग प्रशिक्षक सह अंचलाधिकारी सचिदानंद वर्मा के नेतृत्व में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे बीडीओ धीरज कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी नील कुमार समेत प्रखंड व अंचल के सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया। वहीं दूसरी और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नेहरू युवा केंद्र व चंद्रशेखर आजाद युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में योगा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 200 छात्राओं सहित अध्यापकों ने हिस्सा लिया। मौके पर मुख्य रूप से संगठन के सचिव उमेश वैद्य, बीगन मुंडा सहित अन्य शामिल थे।

योग को तुम अपनाओं क्योंकि स्वास्थ्य हीं सबसे बड़ा धन: दीपाली परासर

मांडर : माण्डर स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टिच्यूशन में दिनांक शुक्रवार को योग दिवस मनाया गया योग भारतीय प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह दिमाग और शरीर को एकता का प्रतीक है। भारत को योग का जन्मदाता माना जाता है। योग एक ऐसी क्रिया है जो मनुष्य को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ एवं मजबूत बनाता है। इस दिवस को मनाने का श्रेय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। इनके निरंतर प्रयास से 21 जून 2015 को पहली बार योग दिवस मनाया गया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सभी लोगों को योग से जोड़ना है और योग के प्रति प्रोत्साहित करना है । मुख्य अतिथि के रूप में सचिव नितिन पराशर तथा प्राचार्या दीपाली पराशर उपस्थित थी। मौके पर डीन उपेन्द्र उपाध्याय नर्सिंग की प्राचार्या श्रीमती निहारिका श्रीवास्तव, व्याख्याता राकेश कुमार राय, मधुरंजन , विनीता चैधरी, रिभा कुमारी, अमित कुमार, विनीत शर्मा, सुबोध शर्मा, सहाय सर, सुनील कुमार, सलमान अंसारी, इमरोज एवं सभी छात्र/छात्राएं उपस्थित उपस्थित थे।

मेकॉन ने 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

रांची : मेकॉन ने 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। मेकॉन कम्युनिटी हॉल में कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित योग गुरु के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में योग किया गया। योग के लाभों को अपनाने के लिए कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी एकत्रित हुए।

इस सत्र में मेकॉन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एस के वर्मा, निदेशक (वित्त) श्री मुकेश कुमार और मेकॉन के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। योग गुरु द्वारा समूह को विभिन्न योग आसन कराये गए तथा उन्होंने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के महत्व से लोगों को अवगत कराया।

कार्यक्रम का समापन संक्षिप्त ध्यान सत्र के साथ हुआ जिससे प्रतिभागियों को तरोताजा और ऊजार्वान महसूस हुआ।

दिनांक 20.06.2024 (गुरुवार) को मेकॉन ने योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के समन्वय में कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए मेकॉन कम्युनिटी हॉल में योग-ध्यान सत्र का आयोजन किया था।

सत्र का उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। सत्र का नेतृत्व वाईएसएसआई के अनुभवी संन्यासी स्वामी गोकुलानंदजी ने किया, जिन्होंने योग और ध्यान के लाभ के बारे में सभी को अवगत कराया। इस सत्र के प्रतिभागियों ने गहरी साँस लेने तथा ध्यान संबंधी तकनीक सीखी। सत्र ने आराम करने, तरोताजा होने और स्वयं से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

नगड़ी के कई संस्थानों में योग

पिस्का नगडी : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगड़ी के कई संस्थानों में योग से संबंधित कार्यक्रम किए गए। नगड़ी प्रखंड परिसर में बीडीओ के नेतृत्व में योग कार्यक्रम में प्रखंड, जेएसपीएल सहित सभी विभाग के कर्मचारी शामिल हुए।बीडीओ

दीपाली भगत ने योग से लाभ के संबंध में जानकारी दी जबकि हेमंत केशरी ने योग कराया। लोहिया पब्लिक स्कूल में निदेशक प्रेम सागर महतो के नेतृत्व में विद्यार्थियों से प्राणायाम सहित कई तरह के योग कराया गया। इस अवसर पर प्रेम सागर महतो ने योग से संबंधित लाभ के संबंध में बताते हुए सभी को नियमित योग करने की सलाह दी। स्वागत भाषण अनिता दास और धन्यवाद ज्ञापन सूरज कुमार ने किया। उधर कुदलूम स्थित आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में भी योग कराया गया।कॉलेज के प्रोफेसर डॉ हरीश कुमार पाण्डेय ने

इससे लाभ के संबंध में जानकारी दी, मौके पर कमलेंद्र नाथ त्रिपाठी, रामजी यादव सहित कई लोगों ने योग शिविर में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीता तिर्की, डेजी लकड़ा, शुभ्रा शर्मा, मोहित तिवारी, वागीश दूबे, ओम प्रकाश तिवारी, गोकुल, अजय, राजीव की सराहनीय भूमिका रही।

मानसिक रूप से फीट रहने के लिए योग जरूरी : शेरखाने

अनगड़ा : 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने शुक्रवार को कमांडेन्ट श्री एस.डी. शेरखाने के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय परिसर अनगडा में 10 वां अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को योग दिवस मनाया गया । इस कार्यक्रम के दौरान वाहिनी के समस्त अधिकारी एंव बलकर्मियों ने योग अभ्यास में सहभाग लिया जिसमें सूर्यनमस्कार भुजंगासन वज्रासन वृक्षासन आदि योग अभ्यास किये गऐ वाहिनी के अंतर्गत आनेवाली समस्त समवायों में भी अन्तराष्ट्रीय योग दिवस बड़े जोश एंव उत्साह के साथ मनाया गया । जिसमें स्कूल के छात्र,छात्राओं ग्रामीण एवं बलकर्मियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं विभिन्न योग अभ्यास भी किये गए । कार्यक्रम के दौरान जवानों को संबोधित करते हुए कमांटेन्ट श्री शेखाने ने कहा की स्वस्थ जीवन तथा मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए योग करना बहुत ही महत्वपूर्ण है शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में योग मदद करता है उन्होंने

समस्त बलकर्मियों उनके परिवार एवं समाज को योग बारे में जागृत कर इसे अपने जीवन में अपनाकर प्रतिदिन शामिल करने का आग्रह किया।

सेल रांची इकाइयों ने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

रांची : सेल रांची इकाइयों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 मनाया। सामुदायिक भवन, सेल सैटेलाइट टाउनशिप, रांची में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री वेद प्रकाश, ईडी (एसडीटीडी), श्री एस के कार, ईडी (आरडीसीआईएस) ने बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों और परिवारों के साथ योग किया। युवा योग प्रशिक्षक मानस पल्स के नेतृत्व में रांची के आर्ट ऑफ लिविंग चैप्टर के गगन, श्रेया और जूही के साथ मिलकर सेल कर्मचारियों को आयुष मंत्रालय के कॉमन योग प्रोटोकॉल को बड़े ही शानदार ढंग से किया। कार्यपालक निदेशकों ने दर्शकों को प्रोत्साहित किया और दैनिक जीवन में योग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बेहतर कार्य-जीवन संतुलन के लिए योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के महत्व को भी रेखांकित किया। मुख्य महाप्रबंधक श्री शशि वशिष्ठ, श्री एसजे जाचक, श्री एसके दास और श्री संजय धर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री उज्जवल भास्कर, संचार प्रमुख झ सेल, रांची ने कियो 18

संत निरंकारी मिशन में योग दिवस मनाया गया

रांची : संत निरंकारी सत्संग भवन बुद्ध विहार अरगोड़ा में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह 6:45 से लेकर के 8:00 तक योग कार्यक्रम रखा गया जिसमें प्रमाणित शिक्षित योग शिक्षक नगीना सिंह के द्वारा योगाभ्यास कराया गया जिसमें संत निरंकारी मंडल के अनुयायियों द्वारा योग अभ्यास करके योग दिवस मनाया गया। संत निरंकारी मंडल रांची के संयोजक बहन चंपा भाटिया ने बताया की संत निरंकारी मिशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे भारत में स्थापित संत निरंकारी मिशन की विभिन्न शाखों में सुबह 6:00 बजे से स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले स्थान एवं पार्कों में योग सत्र का आयोजन किया गया।बहन चंपा भाटिया ने आगे बताया कि स्वस्थ मन सहज जीवन अपनाने का दिव्य मार्गदर्शन दिया है तथा समझाया है कि हमें अपने शरीर को निरंतर परमात्मा का अनमोल उपहार मानकर कर इसे स्वस्थ रखना है आध्यात्मिक ज्ञान के साथ साथ हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप में स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। इस योग दिवस का उद्देश्य भी यही है कि सभी में एकाग्रता और सामुदायिक सामंजस्य की भावना का संचार हो जिससे कि जीवन शैली को और बेहतर एवं उत्तम ढंग से जिया जा सके। वर्तमान समय में जहां तनाव पूर्ण एवं नकारात्मक विचारों का प्रभाव हर व्यक्ति पर है ऐसे समय में परमात्मा ने हमें जो यह मनुष्य तन दिया है इसकी संभाल योग के माध्यम से अपनी ज्ञानेंद्रियों को जागृत करके आध्यात्मिकता से युक्त जीवन जिया जा सकता है। यह मन और शरीर की एकता का प्रतीक है। यह केवल व्यायाम रूप में नहीं अपितु यह सकारात्मक भावों को जागृत करके तनाव मुक्त जीवन जीने की प्रेरणा देता है। योग द्वारा अपने जीवन को सहज एवं सक्रिय रूप में स्वस्थ होकर जीवन जीने की प्रेरणा दे रहे हैं। उपरोक्त जानकारी संत निरंकारी मंडल के संदीप नागपाल ने दी।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 10वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने 10वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ह्यस्वयं और समाज के लिए योगह्य थीम के साथ बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया। इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए विभिन्न स्तरों पर सामूहिक योग अभियान का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें योग के लाभों से परिचित कराया जा सके और उन्हें इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जा सके। स्कूल में इंटर-हाउस योग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने विभिन्न योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। इस अभियान ने न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया, बल्कि छात्रों को मानसिक शांति और ध्यान के महत्व से भी परिचित कराया। कुल मिलाकर, यह सभी के लिए एक यादगार अनुभव रहा। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने योग के महत्व को बताते हुए सभी को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को 21 जून के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन ग्रीष्म संक्रांति अर्थात वर्ष का सबसे लंबा दिन है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल,राँची
E-mail ID-eedwsd.headworks@gmail.com

शुद्धि–पत्र

दिनांक 14.06.2024 को स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में अति अल्पकालीन निविदा प्रकाशित की गई थी। जिसका PR No.–326299 Drinking water & Sanitation (24-25) D. है, जिसमें निम्नांकित संशोधन किया जाता है।

1. अति अल्पकालीन निविदा को अल्पकालीन निविदा पढ़ा जाए।
2. अग्रधन की राशि (रूपये में) – 1180100.00 (ग्यारह लाख अस्सी हजार एक सौ रूपये)
3. बेवसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय – 29.06.2024 को 02:00 बजे अपराह्न में।
4. निविदा के पूर्व बैठक की तिथि – 02.07.2024 को 12:30 बजे अपराह्न में।
5. बेवसाइट पर निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि एवं समय – 08.07.2024 को 5:00 बजे अपराह्न तक।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 09.07.2024 को 5:00 बजे अपराह्न तक।

PR 327289 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

ह0/–
कार्यपालक अभियंता

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची

अल्पकालीन ईप्रोक्यॉमेंट नोटिस
(प्रथम आमंत्रण)
ई–निविदा आमंत्रण संख्या–पे0स्व0वि0/वितरण/01/2024-25
दिनांकः–20.06.2024

1	कार्य का नाम	Utility Shifting of Existing rising main pipe line of 450mm dia D.I pipe between Durga Soren Chowk to Namkum ROB due to widening existing road into four lane road by Road Construction department road division, Ranchi Rural Under D.W.&S. Swarnrekha distribution, Division, Ranchi for year 2023-24
2	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	4.2319799 लाख (चार करोड तेइस लाख उन्नीस हजार सात सौ निनान्वे) रूपये मात्र।
3	अग्रधन की राशि (रूपये में)	425000.00 लाख (चार लाख पच्चीस हजार) रूपये मात्र।
4	कार्य समाप्ति की अवधि	09 (नौ) महीना।
5	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	10,000.00 (दस हजार)।
6	बेवसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	28.06.2024 को अपराह्न 05:00 बजे
8	बेवसाइट पर निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	08.07.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	09.07.2024 को अपराह्न 04:00 बजे ।
10	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची।
11	जिनके द्वारा निविदा खोली जायेगी का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची।
12	प्रोक्यॉरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं0	9608892111 E-Mail ID:- distributionbooty@gmail.com
13	ईप्रोक्यॉरमेंट सेल का सहायता केन्द्र सं0	0651–2480345

नोटः–1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई–गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, राँची के आदेश संख ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते से अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी।
4. केवल ई निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
5. विस्तृत जानकारी हेतु बेवसाइट http://jharkandtenders.gov.in पर देखें।
6. निविदा बिना कारण बताये कभी भी संशोधित या रद्द किया जा सकता है।
7. राज्य सरकार द्वारा निर्गत अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होगें।

PR 327249 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)
जल ही जीवन है।
कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, लोहरदगा

शुद्धि–पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 12.06.2024 को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित PR 325951 (Lohardaga)24-25 (D) (e-Tender Reference No. : RCD/LOHARDAGA-332/ 2024-25) में अंकित कार्य के लिए निम्न विवरणी के अनुसार आंशिक संशोधन किया जाता है :–

	पूर्व ई–प्रोक्योरमेंट नोटिश में अंकित		वर्त्तमान में संशोधन
2. (A)	Estimated Amount	Rs. 5847.83 Lakh.	Rs. 6200.00 Lakh.*
(B)	Earnest Money	Rs. 58.48 Lakh.	Rs. 62.00 Lakh.
4.	Availability of Tender on Web -site (Date & Time)	18.06.2024 (10:30 A.M.) to 16.07.2024 (12:00 Noon)	28.06.2024 (10:30 A.M.) to 20.07.2024 (12:00 Noon)
5.	Date and Time of Pre-bid Meeting	25.06.2024 (03:00 P.M.)	05.07.2024 (03:00 P.M.)
6.	Bid Submission Start Date & Time	26.06.2024 (10:30 A.M.)	06.07.2024 (10:30 A.M.)
7.	Bid Submission Close Date & Time	16.07.2024 (12:00 Noon)	20.07.2024 (12:00 Noon)
8.	Date & Time of Opening of Technical Bid	18.07.2024 (12:30 P.M.)	22.07.2024 (12:30 P.M.)

* प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
शेष क्रम संख्या पर अंकित विवरणी यथावत रहेंगे।

PR 327211 Lohardaga(24-25).D
कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, लोहरदगा

नशामुक्त समाज निर्माण को लेकर सीएन कॉलेज में चलाया जागरूकता अभियान

कुजू। नशामुक्त समाज निर्माण को लेकर जिला सूचना एवं जनसंपर्क इकाई रामगढ़ द्वारा छोटानागपुर कॉलेज रामानगर में जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में जिला सूचना एवं जनसंपर्क इकाई द्वारा नशा उन्मूलन संबंधित गीत-संगीत व एकांकी नाटक की प्रस्तुत किया गया। जिसके माध्यम से नशापान की रोकथाम के लिए कालेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरित किया गया। साथ ही हम सब का एक ही नारा, नशामुक्त जीवन हो हमारा आदि जनहित नारों के माध्यम से नशे से बच्चों को दूर रहने की प्रेरणा दी गई। मौके पर प्राचार्य डा प्रदीप कुमार सिंह, डा अवधेश मिश्रा, डा राजेश कुमार दीवान, प्रो जगेश्वर महतो, विवेकानंद पांडेय, प्रेमशंकर महतो, सुरेंद्र कुमार शर्मा, कन्हैया झा, इंद्र प्रजापति, लखन प्रसाद, यशवंत कुमार, अमरदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सर्वोदय निकेतन बच्चों को कराया योगाभ्यास

कुजू। डटमामोड़ के शिवपुरी कॉलोनी स्थित सर्वोदय निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग कक्षाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य सूर्यनाथ यादव और सहयोगी शिक्षक मनीष कुमार प्रसाद एवं संतोष कुमार महतो ने विद्यालय के बच्चों को योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास करते हुए उनसे होने वाले स्वास्थ्य लाभों से भी परिचित कराया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य सूर्यनाथ यादव ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। योग के नित्य अभ्यास से मानव शरीर को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाते हुए स्वयं को स्वस्थ रखा जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थी और शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थे।

पीवीयूएनएल में मना विश्व योग दिवस, किया गया योगाभ्यास

पतरातू। पीवीयूएनएल पतरातु ने विश्व योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को टाउनशिप में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें मुख्य रूप से सीईओ आरके सिंह व पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एवं योग विशेषज्ञ संजय गुरु शामिल हुए। मौके पर योग विशेषज्ञ संजय गुरु ने योगाभ्यास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि करें योग रहें निरोग। योगाभ्यास में पीवीयूएनएल के सभी विभागाध्यक्ष, महिला मंडल की सदस्याएं एवं कर्मचारी शामिल थें।

योग दिवस पर जुबिली कॉलेज में किया गया योगाभ्यास

भुरकुंडा। जुबिली कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक व दो के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित कर योग दिवस मनाया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह झा व संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विशेश्वर रविदास ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद समाजसेवी बायोवृद्ध 90 वर्षीय सीताराम प्रसाद ने कविता के जरिए योग के महत्ता की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह झा ने कहा कि आत्मा व शरीर को समावेश करने के लिए आपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना आवश्यक है। योग प्रशिक्षु डॉ शम्भू प्रसाद ने मौजूद लोगों को योग के विभिन्न आसनों का योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ देवप्रकाश प्रसाद, डॉ अरुण कुमार सिंह, प्रो गोपाल विश्वकर्मा, प्रो मनोज प्रसाद, डॉ एसपी दांगी, डॉ एसएस पांडेय, सोमनाथ, कृष्णा, सुखदेव, सुशील, रामप्रवेश, महावीर, शनि, पारो, दीपक, अनूप, भूषण शर्मा, किरण, आरती, बबिता, संतोष, अमित, विजय शर्मा, अभय मिश्रा सहित दर्जनों विद्यार्थी मौजूद थे।

बाल श्रमिकों को होटल से कराया गया मुक्त

भुरकुंडा। जिला बाल संरक्षण अधिकारी शांति बागे के नेतृत्व में शुक्रवार को बाल मजदूरी को लेकर छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान भुरकुंडा ओपी क्षेत्र अंतर्गत सौंदा डी स्थित होटल से दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी शांति बागे ने बताया कि सौंदा डी के एक होटल में छापेमारी की गई। जहां दो बच्चे होटल में काम करते पाए गए। दोनों बच्चे चतरा जिले के रहने वाले हैं। शांति बागे ने कहा कि बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर बाल गृह भेजा जाएगा।

सीसीएल रजरप्पा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शिविर का हुआ आयोजन, लोगों ने किया सामूहिक योग

निरोग रहने के लिए योग को दैनिक जीवन में करें शामिलः बिनोद कुमार

रजरप्पा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सीसीएल रजरप्पा कोयलांचल के आवासीय कॉलोनी स्थित स्टेडियम में वृहद योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के महाप्रबंधक बिनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाप्रबंधक बिनोद कुमार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साल भर अपने जीवन में योग को शामिल करें और प्रतिदिन नियमित रूप से योग करें। योग करने से आप निरोग रहेंगे और तन-मन तंदुरुस्त रहेगा। वहीं उनकी धर्मपत्नी सह अपर्णा महिला मंडल रजरप्पा की अध्यक्ष रजनी कुमारी ने कहा कि योग करने से मन को शांति और तन को ऊर्जा मिलती है। योग को प्रतिदिन अपने दैनिक जीवन में शामिल करें। शिविर के दौरान महाप्रबंधक, अपर्णा महिला मंडल की सदस्य, सीसीएल के अधिकारियों, कर्मियों सहित आसपास क्षेत्र से पहुंचे काफी संख्या में महिला एवं पुरूषों ने सामूहिक रूप से योग किया। योग दिवस के साथ ही सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र द्वारा पतंजलि परिवार के सहयोग से 17 जून से आयोजित पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। महाप्रबंधक एवं उनकी धर्मपत्नी ने पतंजलि परिवार से आए प्रशिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय कल्याण अधिकारी आशीष झा ने किया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट पीओ यूएन प्रसाद, एसओएक्स शंभु रजक, सेवई दक्षिणी पंचायत की मुखिया किरण कुमारी, विजय ठाकुर, विकास राय सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

सरस्वती विद्या मंदिर में योग कार्यक्रम का हुआ आयोजनः रजरप्पा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य रूप से उपस्थित विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी एवं प्राचार्य उमेश प्रसाद ने भारत माता व महर्षि पतंजलि के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने योग को ऋषि-मुनियों द्वारा दिया गया अनमोल उपहार बताया, जिसे आज संपूर्ण विश्व अपना रहा है। जबकि प्राचार्य उमेश प्रसाद ने कहा कि सभी बच्चे अपने दैनिक जीवन में योग को उतारें, जिससे स्वस्थ और खुशहाल रहें। योग आचार्य बच्चूलाल तिवारी ने योग स्थापना मंत्र के साथ संधि योग, प्राणायाम में भस्त्रिका, कपालभाती, अनुलोम-विलोम, उज्जायी प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, आसन में सूक्ष्म व्यायाम एवं वज्रासन, शशकासन, मंडूकासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, सूर्य नमस्कार आदि आसनों का प्रदर्शन किया और देशभक्ति गीत से राष्ट्रीय भावना को जागृत किया। अंत में सबों ने नियमित योग करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिथिलेश कुमार खन्ना, दुर्गा प्रसाद, देव कुमार, अनिल कुमार, अमरदीप, राकेश सहाय, शम्मी राज, अमरदीप नाथ शाहदेव, अनिल त्रिपाठी, सत्येंद्र मिश्रा, इंद्रजीत सिंह, शेखर कुमार, अनूप झा, शशि कांत, अमित झा, विदेश सिंह, रेखा पाठक, पूनम सिंह, गायत्री पाठक, रानी कुमारी, ललिता गिरी, ममता कुमारी, अमृता चौधरी, गायत्री कुमारी, रिंकी कुमारी, आरती झा आदि की प्रमुख भूमिका रही।

डीएवी रजरप्पा में मनाया गया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

रजरप्पा स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा, शिक्षक, ऑफिस स्टॉफ के अलावे विद्यालय के छात्राओं ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन उपस्थित होकर योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया। सर्वप्रथम झारखंड प्रक्षेत्र-डी के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी सह प्राचार्य डॉ.एसके शर्मा ने सभी शिक्षकों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय प्रांगण में लगभग 1 घंटे तक योग प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया गया। जिनमें सत्यकाम आर्य, दीपांकर मुखोपाध्याय एवं मनीष कुमार सिंह ने ताड़ासन, उष्ट्रासन, चक्रासन, पदहस्तासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, शवासन, वज्रासन आदि आसनों का अभ्यास करवाया। प्राचार्य के साथ शिक्षकों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। प्राचार्य ने कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना अर्थात मनुष्य को प्रकृति की जीवनशैली से जोड़ने की सतत प्रक्रिया है। योगाभ्यास करने से मनुष्य स्वस्थ, सुंदर और दीर्घायु होता है। उन्होंने सभी को प्रतिदिन नियमानुसार योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर डीसी, एसपी सहित कई अधिकारियों ने किया सूर्य नमस्कार

योग को आदत में करें शामिल, तभी होगा स्वास्थ्य लाभ : डीसी

रामगढ़। स्वस्थ शरीर और मन की कामना करते हैं तो योग को अपनी आदत में शामिल करें। यह आपके तन और मन दोनों को ऊजार्वान बनाए रखता है। यह बातें दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर रामगढ़ के सिद्धू-कान्हू मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कही। नमामि गंगे योजना व जिला आयुष समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन डीसी चंदन कुमार, एसपी डॉ बिमल कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सभी को विभिन्न प्रकार के योग एवं इनसे होने वाले फायदों के प्रति जानकारी दी गई। मौके पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी को दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिदिन योग को अपनी आदत में शामिल करने एवं इससे लाभान्वित होने की अपील की।

महिलाओं को स्वस्थ रखने के लिए उन्हें निरोग रखना जरूरी

डीसी चंदन कुमार ने कहा कि योग दिवस पर महिला सशक्तिकरण का थीम दिया गया है। आज जिले में कई महिला पदाधिकारी मौजूद हैं जो स्वयं योग कर रही है और लोगों को निरोग रहने के लिए योग करने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही हैं। इसके अलावा जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा भी योग किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी को अगर स्वस्थ रखना है तो उन्हें निरोग रखना बेहद जरूरी है। जो महिला अपने घर परिवार और समाज को सशक्त करती है उसे भी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है।

इन अधिकारियों ने भी किया सूर्य नमस्कारः इस दौरान डीसी चंदन कुमार, एसपी डॉ बिमल कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, जिलेवासियों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित अन्य लोगों ने सिदो कान्हू स्टेडियम, रामगढ़ में सूर्य नमस्कार एवं योग अभ्यास किया।

मारवाड़ी युवा मंच ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग हमे स्वस्थ और संतुलित जीवन जीना सिखाता हैः धर्मवीर

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच रामगढ कैंट शाखा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वयं के लिए और समाज के लिए योग को ध्यान में रखते हुए योग प्रशिक्षक धर्मवीर अग्रवाल के सहयोग एवं प्रशिक्षण से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काफी उत्साहपूर्ण तरीके से संपन्न किया। मंच के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष ने योग प्रशिक्षक को पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

इस दौरान योग प्रशिक्षक ने युवा मंच के सदस्यों के साथ योग करने के फायदे साझा करते हुए कहा कि योग केवल शरीर की कुछ मुद्राओं या आसन तक सिमित नहीं है। बल्कि यह हमें स्वस्थ और संतुलित जीवन जीना सिखाता है। यह हमें अपनी सांसें, विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करना सिखाता है। इससे हम सभी परिस्थितियों में शांत रहना और अपना ध्यान केंद्रित करना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि योग के कई लाभ हैं। यह हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से सतर्क और आध्यात्मिक रूप से जागरूक रहने में मदद करता है। यह हमें स्ट्रेस, टेंशन और डिप्रेशन को कम करने में मदद करता है। यह बच्चों एवं युवाओं में एकाग्रता, याददाश्त और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। योग शिविर के दौरान मंच के युवा सदस्य योग की विभिन्न प्रकार की मुद्राएं सीख कर एवं उनके हमारे दैनिक जीवन में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लाभ के बारे में जान कर काफी उत्साहित हुए।

जेएसपी में मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, किया योगाभ्यास

भुरकुंडा। 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जेएसपी कैम्पस स्थित जिंदल क्लब में योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने योग गुरु मणिकांत झा की देखरेख में कपालभाति, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, बालासन, सुखासन, भुजंगासन, धनुरासन सहित योग के विभिन्न आसनों का योगाभ्यास किया। मौके पर प्लांट प्रमुख आशीष जैन ने कहा योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। इससे सकारात्मक विचारों को उत्पन्न कर मन की अशुद्धता को बाहर निकाल कर व्यक्तिगत चेतन को मजबूती प्रदान करता है। जिंदल महिला क्लब की अध्यक्षा विनीता जैन ने कहा की योग शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा ही नहीं देता है बल्कि तनाव को काम करने एवं एकाग्रता को सुधारने व आंतरिक शांति की भावना को बढ़ाने में भी मदद करता है। वहीं योग दिवस पर ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज पतरातु, ओपी जिंदल स्कूल बलकुदरा व जिंदल आशा-दी-हॉप के बच्चों ने भी योगाभ्यास किया। मौके पर संतोष कुमार, रवि निवास, आरडी शर्मा, अशोक सिंह, सतीश कुमार सिंह, संजीव सिंह, आईबीएन राव, आलोक, चंदन, समीर, हिमाद्री, अंबुज महतो, अभय मित्तल, राहुल कुमार, देव पटेल सहित सैकड़ो लोगों ने योगाभ्यास किया।

सिरका में बुजुर्ग की भूख से मौत की उड़ी अफवाह, जांच करने पहुंची बीडीओ

रेप केस में इकलौता बेटा गया जेल, हूक से हो गई पिता की मौत

रामगढ़। रामगढ़ प्रखंड के सिरका वार्ड नंबर 17 भुली टोला में एक 72 वर्षीय बुजुर्ग की मौत पर सनसनी फैल गई। कुछ लोगों के द्वारा इस मौत को भूख से हुई मौत करार दिया गया और अफवाह फैला दी गई। यह बात फैली तो जिला प्रशासन के कान खड़े हो गए। जैसे ही यह सूचना रामगढ़ डीसी चंदन कुमार को मिली, उन्होंने तत्काल रामगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी को इसकी जांच करने का जिम्मा सौंप दिया। जांच अधिकारी जब उस स्थल पर पहुंचे तो वास्तविकता कुछ और ही नजर आई।

रेप केस में इकलौता बेटा गया जेल, हूक में गई पिता की जानः मृतक खीरू भुइंया की बहू कांति देवी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी को बताया कि पिछले 4 महीना से पूरा घर तनावपूर्ण स्थिति में चल रहा था। कांति देवी का पति दीपक भुइंया बलात्कार कांड में अभियुक्त था और वह होली के बाद ही जेल चला गया था। दीपक के पिता खीरू भुइंया को इस बात की चिंता थी कि अब उसके परिवार को कौन संभालेगा। दीपक इकलौता सख्त था जो पूरे परिवार को खिलाता था। दीपक के जेल जाने के बाद उसकी बहू कांति मजदूरी कर अपने घर को संभाल रही थी। साथ ही सरकार द्वारा मिले राशन से उनका घर चल रहा था। घर के इसी हालात ने उसे गहरी चिंता में डाल दिया जिसकी वजह से खीरू को चार दिन पहले लकवा मार गया। लकवा मारने के 1 दिन बाद ही 19 जून को उसकी मौत हो गई। 21 जून को यह अफवाह फैला दी गई की भूख से उसकी मौत हुई है।

कुछ दिन पहले सास की भी हो गया था निधनः कांति देवी ने बताया कि कुछ दिन पहले ही सास मुंद्री देवी का भी निधन हो गया था। अब कांति देवी छोटे चार बच्चों में सोनाली 10 वर्ष, बबीता 8 वर्ष, चांदनी कुमारी 10 वर्ष, दीपांशु 1 वर्ष को अकेले संभाल रही है।

जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

- **जिन किसानों ने पैक्स को बेचा धान, जल्द हो उनका भुगतान :डीसी**

रामगढ़। जिले में आपूर्ति कार्यालय के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा डीसी चंदन कुमार ने शुक्रवार को की। जिला समाहरणालय के सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान डीसी ने सबसे पहले धान अधिप्राप्ति के विरुद्ध किसानों को किए गए भुगतान की जानकारी ली। उन्होंने यह भी कहा कि जिन किसानों ने पैक्स को धान बेचा है, उनका भुगतान भी जल्द हो जाना चाहिए। इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने उपायुक्त को धान अधिप्राप्ति के विरूद्ध किए गए भुगतान की जानकारी दी। जिसपर डीसी ने शेष बचे किसानों को जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया।

गरीबों को मिले राशन कार्ड, अयोग्य कार्ड धारकों पर करें कार्रवाईः गरीब एवं योग्य लोगों को राशन कार्ड के लाभ से आच्छादित करने के लिए डीसी ने निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि वैसे लाभुक जो राशन कार्ड का लाभ प्राप्त करने की योग्यता नहीं रखते हैं, उसके बावजूद भी राशन कार्ड का लाभ ले रहे हैं, उनके विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। उनसे जुमार्ना वसूलते हुए कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को स्वयं राशन कार्ड सरेंडर करने के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।

जल्द पूर्ण हो राशनकार्ड धारकों का आधार व मोबाइल सिडिंगः बैठक के दौरान डीसी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को विशेष कैंप आयोजित कर राशन कार्ड के लाभुकों का लंबित आधार सीडिंग एवं मोबाइल सीडिंग को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, हरा राशन कार्ड, मुख्यमंत्री मंत्री दाल-भात योजना आदि की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अंचल अधिकारी चितरपुर, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, एसएमपीओ सहित अन्य उपस्थित थे।

राज इंटरनेशनल स्कूल में योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा स्थित राज इंटरनेशनल स्कूल में योग दिवस पर कार्यक्रमों की धूम रही। आयोजित योग शिविर में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ योग किया। इस कार्यक्रम का

आयोजन बच्चों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष रामलखन सिंह भी पहुंचे और योग शिविर में योग किये। इस कार्यक्रम का आयोजन बच्चों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। बताया गया कि योग के माध्यम से शरीर के सामंजस्य को ठीक रखा जा सकता हैं। कार्यक्रम की शुरूआत ऊं के उच्चारण के साथ हुई। उसके बाद योग शिक्षक शरद अग्रवाल ने बच्चों को विभिन्न आसन व प्राणायामों के बारे में व उनसे होनेवाले लाभ के बारे में बताया। विद्यालय के प्राचार्य राहुल घोष ने भी बच्चों को योग के बारे में विस्तार से बताया तथा योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक फायदों को गिनाया। अध्यक्ष रामलखन सिंह ने कहा कि निरोग रहने का सबसे सहज माध्यम योग है। स्वस्थ रहने के लिए जीवन में योग करना आवश्यक है, क्योंकि नियमित रूप से योग करने से शारीरिक एवं मानसिक दोनों तरह का विकास होता है। मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी मौजुद रहे 7अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया।

चंदवारा ऑक्सफोर्ड अकादमी महथाडीह में किया गया विश्व योग दिवस का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता सद्दाम अंसारी

चंदवारा ऑक्सफोर्ड अकादमी महथाडीह में विश्व योगा दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में योगा दिवस बड़े धूमधाम से आयोजन किया गया। विद्यालय निदेशक सह प्राचार्य रोहित कुमार रजक ने योग के महत्व को विस्तार पूर्वक से जानकारी दिए।छात्रों को योग प्रत्येक दिन अपने दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किए। योग से हम मानसिक व शारीरिक दोनों रूप से स्वस्थ रहते है। उमेश कुमार वर्णवाल ने बच्चों को योग करके इनके फायदे बताये।बच्चों में भी इस योगा कार्यक्रम को काफी खुशियों व उमंग के साथ मनाया। बच्चों ने भी प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिये। बच्चों के साथ साथ ऑक्सफोर्ड अकादमी आप सभी अभिभावकों से अपील करता है की आप भी अपने दिनचर्या में योग को शामिल कर प्रतिदिन योग करे।

योगा को बनाए अपनी दिनचर्या का हिस्सा - ओपी राय

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा चाराडीह बी आर इंटरनेशनल स्कूल में मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसस्टूडेंट्स ने सीखे योग से निरोग रहने के उपाय बी आर इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के निदेशक ओपी राय एवं योग प्रशिक्षक अरविंद एकघरा उपस्थित रहे।मौके पर निदेशक ओपी राय ने योग प्रशिक्षक अरविंद जी को पौधा देकर सम्मानित किया।तत्पश्चात योग प्रशिक्षक के द्वारा केंद्र के प्रोटोकॉल के अनुसार उपस्थित सभी छात्रों एवं शिक्षकों को योग कराया गया एवं योग से होने वाले फायदों से अवगत कराया।मौके पर विद्यालय के निदेशक ओपी राय ने कहा कि योग को हम सभी को अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हम जीवन भर स्वस्थ रह सकें।उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि योग केवल 21 जून को सम्पन्न करने वाला विषय नहीं है बल्कि इसे वर्ष के 365 दिन करते रहने कि आदत डालनी चाहिए।वहीं विद्यालय के शिक्षक केदार साव ने स्टूडेंट्स को उन योगासनों के संबंध में जानकारी प्रदान कि, जिनको रोजाना थोड़ा-थोड़ा करने से अनेक प्रकार के रोगों से मुक्ति प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन प्रशासक सुनील कुमार ने किया। मौके पर उपप्राचार्य नवलकिशोर आनंद मनीष कुमार रौशन कुमार अजय यादव शिवम सिंह लक्ष्मी कुमारी प्रियंका सलूजा फुल कुमारी आरती कुमारी इंद्रमणि कुमारी समेत सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

कोडरमा राजा तालाब, सूर्य मंदिर के पीछे मिला एक व्यक्ति का शव

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा सूर्य मंदिर के पीछे 21 जून 2024 को सुबह बोनाकाली रोड़ जाने के रास्ते में एक व्यक्ति का शव मिला यह खबर पूरे कोडरमा में फैल गया। मौके पर कोडरमा थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे जांच पड़ताल से पता चला कि, कोडरमा थाना के समीप स्वर्गीय जुगल प्रसाद सिन्हा के छोटे पुत्र उदय सिन्हा उम्र लगभग 45 साल की है। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों से पता चला की मरने वाले उदय सिन्हा पिछले लगभग 6 महीने से घर में पारिवारिक विवाद के कारण परिवार से अलग अपने भाई अजय लाल बोना काली अवस्थित घर में रहते थे। बीते रात को भी उदय सिन्हा अपने पत्नी एवं बेटों से झगड़ा करके दूधी माटी में रह रहे रेंट के मकान से पूरे परिवार को निकाल दिया और खुद बोना काली अवस्थित अपने भाई अजय लाल के घर चले आए। और आज सुबह इनकी लाश मिली है। मौत के कारण पूछने पर उनके बेटा और दामाद ने बताया की लगता है कुछ जहर वगैरह खाकर उनकी मौत हुई है।

अंतरास्ट्रीय योग दिवस पर जी.एस. पब्लिक स्कूल में योग समारोह आयोजित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

डोमचांच जी.एस. पब्लिक स्कूल डोमचांच में मनाया गया अंतरास्ट्रीय योग दिवस। शरीर और आत्मा के लिए तोहफा है योग खुद को खुद से मिलने का मौका है योग - निदेशक नितेश कुमार हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। दुनिया के तमाम देश योग के महत्व को समझते हुए योग दिवस को मनाते हैं। योग का अभ्यास शरीर और मस्तिष्क की सेहत के लिए फायदेमंद है। योग शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांति भी देता है। भारत में ऋषि मुनियों के दौर से योग होता आ रहा है। योग गुरु ने बच्चों के साथ योग करके प्रत्येक आसन के महत्व को बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने भी बच्चों को योग दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी और कहा कि योग भारतीय संस्कृति से जुड़ा है, जो अब विदेशों में भी फैल गया है। योग के विदेशों में प्रसारित करने का श्रेय हमारे योग गुरुओं को जाता है, जिन्होंने विदेशी जमीन पर योग की उपयोगिता और महत्व के बारे में बताया। विद्यालय के निदेशक नितेश कुमार ने भी बच्चों के साथ योग आसन में अपनी भागीदारी निभाई संबोधित

करते हुए यह कहा की आज विश्व भर में लोग स्वस्थ रहने के लिए योगाभ्यास कर रहे हैं। 21 जून को उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे लोग ग्रीष्म संक्रांति भी कहते हैं। भारतीय परंपरा के मुताबिक, ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन होता है। योग मन और शरीर विचार और क्रिया की एकता का प्रतीक है। सुबह हो या शाम रोज कीजिए योग निकट नहीं आएगा कभी भी कोई रोग नहीं होती है उनको कोई बीमारी जो योग करने की करते हैं समझदारी। विद्यालय के उपनिदेशक नीरज कुमार ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए स्लोगन मैं यह कहा कि ÷करे योग रहे निरोग÷ के साथ शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोऑर्डिनेटर सोनी चंदन ,जमुनालाल रजक, विद्यालय के शिक्षक के के पाठक, शुभम मगधिया, अमनदीप कुमार, इलियास अंसारी तथा सभी शिक्षक शिक्षिकाएं के साथ कार्यक्रम में सभी बच्चे शामिल हुए।

जिला प्रशासन के सौजन्य से ब्लॉक मैदान झुमरी तिलैया में योग दिवस आयोजित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा जिला प्रशासन के सौजन्य से ब्लॉक मैदान झुमरी तिलैया में 10 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 मनाया गया। माननीय विधायक कोडरमा विधानसभा क्षेत्र डॉ नीरा यादव, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सूरज कुमार सिंह व उप विकास आयुक्त ऋचुराज द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर योग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें जिले के तमाम पदाधिकारी, कर्मी, जनप्रतिनिधि, स्वयं सेवी संस्था, विभिन्न विद्यालयों के बच्चे एवं जिले के आम जनमानस शामिल हुए। मौके पर माननीय विधायक कोडरमा विधानसभा क्षेत्र डॉ नीरा यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2015 से मनाने की शुरुआत हुई। हमें अपने

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग जरूर करना चाहिए। काम करने के सजग रहना जरूरी है और सजग रहने के लिए उत्तम स्वास्थ्य चाहिए और योग के जरिए इन सब बाधाओं को दूर किया जा सकता है। अपने लिए समय निकाल कर योग अवश्य करें। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने संबोधित करते हुए कहा कि योग हमारे विचारों एवं मन की चिंताओं को दूर करने एवं इनपर काबू पाने में काफी मदद करता है। योग सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए ही नहीं बल्कि मन एवं आत्मा में सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। सभी लोगों से अनुरोध है कि निरंतर योग करें क्योंकि स्वस्थ रहेंगे तभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन शुद्ध रूप से कर सकेंगे। योग करने से निरोग एवं ऊर्जावान रहेंगे। पतंजलि की ओर से आये अजीत कुमार आजाद, कलावती देवी एवं सुनील कुमार ने भिन्न-भिन्न प्रारूप में योगाभ्यास कराया। इस मौके पर अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुर्णेदु, जिला सहकारिता पदाधिकारी रोमा झा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

रोटरी बाल विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच योग शिविर का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज रोटरी बाल विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच योग शिविर का आयोजन रोटरी भवन परिसर में किया गया। इस शिविर में बच्चों के साथ-साथ स्कूल की शिक्षिकाओं ने भी हिस्सा लिया। योग प्रशिक्षक के रुप में कुमारी निकिता सोमानी ने बच्चों को बहुत ही सरल एवं सहज रूप से योग के विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने बच्चों को इस बात के लिए भी प्रेरित किया कि वे रोज योगाभ्यास करें जिससे उनका मन मस्तिष्क और शरीर एकाग्रचित और गतिशील बना रहेगा जिसका लाभ उन्हें पढ़ाई और खेलकूद में मिलेगा। रोटरी बाल विद्यालय के डायरेक्टर महेश दारुका ने कहा कि आने वाले दिनों में बाल विद्यालय के बच्चों के लिए सप्ताह मे एक दिन योगाभ्यास की क्लास आयोजित की जायेगी जिससे बच्चे अपने आप को और ज्यादा फिट और तंदुरुस्त रख सके। कार्यक्रम में उपस्थित रोटरी क्लब कोडरमा के वरिष्ठ सदस्य संतोष सिन्हा ने भी बच्चों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और खेलकूद में सक्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित किया। बाल विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रीना कुमारी द्वारा योग प्रशिक्षक निकिता सोमानी को विद्यालय की ओर से प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आदर्श शिशु उच्च विद्यालय में योग दिवस का आयोजन

जयनगर प्रखंड अंतर्गत आदर्श शिशु उच्च विद्यालय बाघमारा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग दिवस मनाया गया। योग दिवस के अवसर पर विद्यालय के सभी छात्राएं एवं विद्यालय के डायरेक्टर प्रिंसिपल सभी शिक्षक योग करते दिखे। योग दिवस के अवसर पर प्राचार्य दशरथ राणा ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नित्य प्रतिदिन सुबह योग करना चाहिए । प्रतिदिन योग करने से शरीर स्वास्थ्य के साथ-साथ मजबूत भी रहता है। किसी प्रकार की कोई बीमारी नहीं होती है और इन्होंने बच्चों से कहा कि एक योग ही ऐसा क्रिया है जो अगर नित्य प्रतिदिन बच्चे करते हैं तो इसे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है और बच्चों को पढ़ाई करने में अधिक रुचि आती है योग दिवस के अवसर पर योग करते दिखे प्राचार्य प्रोफेसर दशरथ प्रसाद राणा, निदेशक रामदेव प्रसाद यादव, वरीय शिक्षक लक्ष्मण चंद्र यादव महेश्वर पांडेय विनोद यादव सिकंदर यादव महेश यादव प्रकाश यादव मनीष सिंह विकास पाठक श्याम सुंदर यादव सतीश कुमार प्रियंका कुमारी गायत्री कुमारी विनोद शर्मा कपिल देव गुप्ता विक्रम पांडे सहित विद्यालय के सभी छात्राएं।

सतगावां थाना में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास का आयोजन किया गया

राँची एक्सप्रेस संवाददाता

सतगावां थाना परिसर में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सतगावां थाना परिसर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना में पदस्थापित सभी पदाधिकारी व कर्मियों के साथ योगाभ्यास का आयोजन किया गया ।सतगावां थाना के प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि योग शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन सुबह सुबह योग करनी चाहिए। और प्रतिदिन योग करने से स्वास्थ्य के साथ साथ शरीर भी मजबूत रहता है। दुनियाभर में हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस रूप में मनाया जाता है।

इस दिन को मनाने की शुरुआत सबसे पहले साल 2015 में की गई थी।योग शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांति प्रदान करता है। भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया। इसकी शुरुआत 2014 में प्रधान मंत्री

नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव रखने के साथ की थी। जिसके बाद से हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा है।योग दिवस प्रखंड के बिभिन्न संस्थाओं और निजी सरकारी विद्यालय में भी योग दिवस मनाया गया। योग दिवस कार्यक्रम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी, विजय गुप्ता पु अ नि रौशन कुमार पासवान,बृजनंदन प्रसाद, कार्तिक सिंह मुंडा , थाना रिजर्व गार्ड के जवान व चौकीदार थे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में मना योग दिवस छात्रों के संग शिक्षकों ने भी किया योग

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया सेक्रेड हार्ट स्कूल में अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी योग किया। योग शिक्षक आकाश कुमार सेठ, योग के राष्ट्रीय खिलाड़ी दीपक यादव और तनुश्री ने बच्चों को पद्मासन,शीर्षासन, मंडूकासन, ग्रीवा संचालन, वज्रासन, भद्रासन, शुष्कासन, उष्ट्रासन, वक्रासन सहित अन्य आसान कराया। इसके अलावा ध्यान में नाड़ी शोधन, प्राणायाम, भ्रामरी, अनुलोम, विलोम सहित कई आसन कराए। विद्यालय परिसर योगमय हो गया था। योग शिक्षक आकाश सेठ ने नियमित रूप से योगा करने के लिए बच्चों को सलाह दी। प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने भी बच्चों के साथ योग किया। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए नियमित रूप से योग करने की सलाह बच्चों को दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। जो बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। तभी पढ़ाई-लिखाई में उनका मन लगेगा। उन्होंने सभी बच्चों को सुबह और शाम नियमित रूप से योग और आसान करने की सलाह दी, ताकि वे हेल्दी लाइफ जी सकें। इस मौके पर

एकेडमिक कोऑर्डिनेटर प्रवीण कुमार, कुंदन राणा, दीपक सर्राफ, सुभय कुमार, आशुतोष गौतम, चंदन पांडेय, संजय तिवारी, जयप्रकाश सिंह, सीमा जैन, सपना शर्मा, प्रियंका सिंह, प्रियंका गुप्ता, रंजीता कुमारी, सरोज पांडेय, रेणु सेठ, अलका सिंह, रूबी वर्मा, स्वीटी सिंह, लवली कुमारी, अनुष्का कुमारी, शशि राज, सुपर्णा डे समेत अन्य शिक्षक, बच्चे और शिक्षकेत्तर कर्मी मौजूद थे।

कैपिटल विश्वविद्यालय में 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह आयोजित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया के चित्रगुप्त नगर में स्थित कैपिटल विश्वविद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें लगभग 100 सदस्यों ने भाग लिया और योग किया। डीन अकादमिक डॉ0 प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को योग दिवस के महत्व की जानकारी दी और छात्रों को नियमित रूप से योग करने की सलाह दी एवं उन्होंने कहा कि योग हमें सिखाता है कि हम अपने शरीर और मन तथा आत्मा को संतुलित करें, योग के नियमित अभ्यास से तनाव कम होता है, ध्यान की क्षमता बढ़ती है और जीवन में सकारात्मकता आती है। इस अवसर पर सहायक कुलसचिव प्रो0 वंदना भदानी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और आध्यातमिक उन्नति का मार्ग भी है, नियमित रूप से योग कर व्यक्ति न सिर्फ स्वस्थ और निरोग रहता है बल्कि कई बिमारीयों पर विजय भी प्राप्त कर लेता है। इस दिवस पर

सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं ने योग किया एवं विद्यार्थियों को योग दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमसब मिलकर यह संकल्प लें कि हम योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएंगे एवं स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए योग का अभ्यास करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर कैपिटल विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहें एवं सभी छात्र-छात्राओं ने भी इसमें अपनी अहम भूमिका निभाई। योग दिवस पर विश्वविद्यालय की छात्रा प्रिया कुमारी एवं मासूमा ने नए-नए तरीकों से योग कराया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थीयों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक समन्यवक प्रो0 सुलोचना नायक के द्वारा करवाया गया उन्होनें सभी को धन्यवाद दिया एवं 10वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए इस कार्यक्रम का समापन कराया।

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

प्रहलाद सबनानी

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है?

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज

एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत् भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरूआत हुई है।ह्व आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।ह्व

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में ह्यधार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषणह्व नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82% घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84% रही आबादी 14.09% पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24% से बढ़कर 2.36% हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24% से बढ़कर 1.85% हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

संपादकीय

बढ़ती गर्मी, घटता पानी

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते

तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं। पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है। देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है। सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं। जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

पुराने कानूनों पर पुनर्विचार करेगी नई संसद

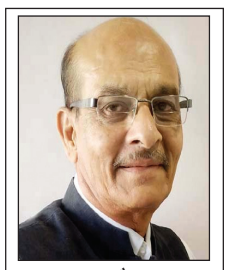

सनत जैन

सन् 2024 में नई संसद का गठन होने जा रहा है। इस बार संसद में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। सही मायनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो तीसरी सरकार बनी है वही वास्तविक एनडीए की सरकार है। एनडीए की वर्तमान सरकार में पिछले 10 वर्षों में संसद द्वारा जो कानून पास किए गए हैं उन पर पुनर्विचार किए जाने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं।

पिछले 10 सालों में संसद में विपक्ष बहुत कमजोर था। निश्चित संख्या में विपक्षी राजनीतिक पार्टी का बहुमत नहीं होने से विपक्षी दल के नेता का पद भी विपक्ष के पास नहीं था। बहुमत के आधार पर संसद में बिना चर्चा के बिल पास कराने के दर्जनों उदाहरण हैं। संसद में बिल पेस करने के पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया। आनन-फानन में बहुमत के आधार पर लोकसभा से बिल पारित कर दिए गए, जिसके कारण संविधान में प्रदत्त नागरिकों की समानता और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का ध्यान भी नहीं रखा गया। कानून बनाते समय सरकार के पास असीमित अधिकार हों इसको ध्यान में रखते हुए कानून बनाए गए। अब नई संसद गठित होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के पास सदन में स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार चलाना पड़ेगी। वहीं इस बार संसद में विपक्ष पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और एकजुट है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है कि जो भी कानून पिछले 10 वर्षों में पारित किए गए हैं उन पर हर हालत में पुनर्विचार करना इस सरकार की मजबूरी होगी। सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मौलिक अधिकारों के तहत हो। इसके लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भारी विवाद है।

भारतीय दंड संहिता (अपराधिक कानून विधेयक) के कई प्रावधान इस तरह से किए गए हैं जिसका देश में भारी विरोध हो रहा है। मैरिटल रेप राज ध्रुव के नए प्रावधान पुलिस को असीमित अधिकार न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती, मोटर व्हीकल एक्ट इत्यादि के कई ऐसे प्रावधान हैं जिनके परिणाम पर चिंता किए बिना इसे लागू किया जाना है। भारतीय दंड संहिता के जो तीन नए कानून हैं यह 1 जुलाई 2024 से लागू होने हैं, जिसके कारण स्पष्ट है कि यह मामला संसद के पहले सत्र में ही पुनर्विचार की मांग को लेकर विपक्ष अपना दबाव बनाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 में हंगामे के बीच पारित किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश दिए थे, उनका पालन नहीं किया गया। जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में इस कानून में भी संशोधन को लेकर विपक्ष दबाव बनाएगा। केंद्र सरकार और राज्यों के बीच खदान एवं खनिज अधिनियम को लेकर भी पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ कर रही है। इस नवीन कानून के द्वारा केंद्र ने अपनी शक्तियों को काफी बढ़ा लिया है और राज्यों की शक्तियों को कम कर दिया है। ऐसी स्थिति में इस पर भी भारी दबाव सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के प्रावधान भी भेदभाव पूर्ण होने के कारण इस पर भी विपक्ष द्वारा पुनर्विचार करने की और संशोधन करने की मांग इसी संसद सत्र में की जा सकती है। अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कई मामलों में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ेगा वहीं पिछले 10 सालों में ईडी, सीबीआई और आयकर एवं अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश की गई है, उसको लेकर भी विपक्ष एकजुट हुआ है। एकजुट विपक्ष से लड़ना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पिछले 10 सालों में सरकार ने विपक्ष के लिए जो गड्ढे खोदे थे विशेष रूप से भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्ष को जेल के सीखचों तक पहुंचाया गया था। विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की गई थी। आर्थिक एवं आपराधिक मामलों में दोषी बनाकर विपक्ष को खत्म करने के लिए जो हथकंडे अपनाए गए थे, विपक्ष अब उन्हीं हथकंडों को सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एकजुट हुआ है। निश्चित रूप से नई संसद में पुराने कानून पर विचार होगा। उसमें सरकार को संशोधन भी करने होंगे। कई याचिकाएं इन सारे मामलों की सुप्रीम कोर्ट में लगी हुई हैं। निश्चित रूप से जब संसद में दबाव बढ़ेगा तो सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सुनवाई होगी और फैसला आएगा। इन सारी स्थितियों को देखते हुए नई संसद का पहला सत्र काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

इसमें सरकार को बजट भी पेश करना है। जुलाई के पहले बजट को पास कराना है। सरकार ने मनी बिल के रूप में बहुत सारे बिल पास कराकर सांसदों और संसद के अधिकार भी सरकार के नियंत्रण में आ जाने से सांसदों और संसद के अधिकार पहले की तुलना में बहुत कम हो गए हैं। अब विपक्ष के मजबूत हो जाने के कारण निश्चित रूप से आशा की जा सकती है कि बहुमत के आधार पर जो बिल और कानून पास कराए जा रहे थे उनके स्थान पर अब विवेक पूर्वक पक्ष और विपक्ष विभिन्न मसलों पर चर्चा करने के बाद ही आम सहमति से कानूनो के संशोधन पर पुनर्विचार करेगी। विपक्ष जिस तरह से एकजुट है, जिस आक्रामक ढंग से वह अपनी बात सदन के बाहर रख पा रहा है, उससे ज्यादा प्रभावी और आक्रामक ढंग से संसद के अंदर वह अपनी बात रखेगा। इस तरह की आशा की जा रही है।

ग्रीष्म लहरों से मौत को रोकने के लिये कार्ययोजना

भारत लगातार जारी ग्रीष्म लहरों के चपेट में है। मई- जून 2024 में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में तापमान पिछले 124 वर्षों में सर्वाधिक उच्च स्तर लगभग 50 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। ग्रीष्म लहर भारत के लिये कोई नई परिघटना नहीं है, लेकिन इस वर्ष उल्लेखनीय यह है कि उसका समयपूर्व आगमन हुआ है और देश के उत्तर-पश्चिमी सेदक्षिण-पूर्वी हिस्सों तक उसका व्यापक स्थानिक प्रसार रहा है। यह उपयुक्त समय है कि देश को ग्रीष्म लहरों और संबद्ध चरम मौसमी घटनाओं से निपटने के लिये ठोस योजनाओं का निर्माण करना चाहिये। ग्रीष्म लहरों के जानलेवा प्रभावों को कम करने के लिये पूर्व-चेतावनी प्रणाली, हीट-प्रूफ शेल्टर और व्यापक रूप से वृक्षारोपण महत्त्वपूर्ण है। ग्रीष्म लहर असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि है जो भारत के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-मध्य भागों में ग्रीष्मकाल के दौरान उत्पन्न होती है। यह वायु के तापमान की वह स्थिति है जिसके संपर्क में आना मानव शरीर के लिये घातक हो जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग उस स्थिति को ग्रीष्म लहर के रूप में वगीर्कृत करता है जब मैदानी इलाकों में तापमान कम से कम 40.सी (और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30.सी) तक पहुँच जाए और यह सामान्य तापमान से कम से कम 5-6.सी की वृद्धि को इंगित करता हो। भीषण गर्मी का आसन्न कारण वर्षा-युक्त पश्चिमी विक्षोभ या उष्णकटिबंधीय तूफान की अनुपस्थिति है जो उत्तर भारत में भूमध्यसागर से वर्षा लाते हैं।भारत में पहले से ही गर्म शहरों में ग्लोबल वार्मिंग और जनसंख्या वृद्धि का संयोजन बढ़ते हुए 'हीट एक्सपोजर' का प्राथमिक चालक है। 'अर्बन हीट आइलैंड' शहरों के भीतर भी तापमान की वृद्धि करता है,जिसकी त्वरा ग्रीष्म लहरों के दौरान और बढ़ जाती है। यह स्थिति तब बनती है जब जब शहर प्राकृतिक भूमि आवरण को फुटपाथ, इमारतों और अन्य ठोस सतहों के घने सांद्रता से प्रतिस्थापित कर देते हैं जो गर्मी को अवशोषित करते हैं और देर तक बनाए रखते हैं। मई-जून के माह में भारत में ग्रीष्म लहरों की उपस्थिति एक सामान्य घटना है, लेकिन देश के कई हिस्सों में धीरे-धीरे बढ़ते अधिकतम तापमान के कारण वर्ष 2024 में ग्रीष्म लहरों की समय-पूर्व उत्पत्ति की स्थिति बनी। भारत मौसम विज्ञान विभागके अनुसार भारत में ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या वर्ष 1981-1990 के 413 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 600 हो गई है। ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या में यह तेज वृद्धि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के कारण घटित हुई है। ग्रीष्म लहरों के कारण जान गँवाने वाले लोगों की संख्या भी वर्ष 1981-1990 में 5,457 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 11,555 हो गई है। वर्ष 1967 से अब तक पूरे भारत में ग्रीष्म लहरों के कारण 39,815 लोगों की मौत हो चुकी है। भू-जलवायु और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण सबसे अधिक मौतें उत्तर प्रदेश (6,745) में हुई हैं; इसके बाद आंध्र प्रदेश (5,088), बिहार (3,364), महाराष्ट्र (2,974), पंजाब (2,720), मध्य प्रदेश (2,607), पश्चिम बंगाल (2,570), ओडिशा (2,406), गुजरात (2,049), राजस्थान (1,951), तमिलनाडु (1,443), हरियाणा (1,116), तेलंगाना (1,067), दिल्ली (996), झारखंड (855), कर्नाटक (560), असम (348) आदि राज्यों का स्थान है, जबकि शेष 12 राज्यों में 954 लोग मौत के शिकार हुए।महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस साल भीषण गर्मी ने राज्य में 25 लोगों की जान ले ली है। ये ग्रीष्म लहरें बहुत अधिक हानिकारक हैं। इसके मुख्य प्रभाव निम्नलिखित हैं -1.मानव मृत्यु दरः बढ़ते तापमान, जन जागरूकता कार्यक्रमों की कमी और अपर्याप्त दीर्घकालिक शमन उपायों के कारण ग्रीष्म लहरों से मृत्यु की स्थिति बनती है।टाटा सेंटर फॉर डेवलपमेंट और शिकागो विश्वविद्यालय की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2100 तक जलवायु परिवर्तन से प्रेरित अत्यधिक ताप के कारण सालाना5 मिलियन से अधिक लोगों के मरने की संभावना होगी।बढ़ी हुई गर्मी से मधुमेह और परिसंचरण एवं श्वसन संबंधी रोगों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि होगी। 2.अर्थव्यवस्था पर प्रभावः ग्रीष्म लहरों की लगातार घटनाएँ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उदाहरण के लिये, कार्य दिवसों के नुकसान के कारण गरीब और सीमांत किसानों की आजीविका नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। ग्रीष्म लहरों का इन श्रमिकों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।वर्ष 2019 की ILO रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 1995 में 'हीट स्ट्रेस' के कारण लगभग3% कार्य घंटे गंवाए थे और वर्ष 2030 में इससे 5.8% कार्य घंटे गंवा देने की संभावना है।रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2030 में हीट स्ट्रेस के कारण कृषि और निर्माण क्षेत्र दोनों में से प्रत्येक में 4% कार्य घंटों का नुकसान हो सकता है। 3.फसल की क्षति और खाद्य असुरक्षाः अत्यधिक गर्मी और सूखे की घटनाओं से फसल उत्पादन का नुकसान हो रहा है और वृक्ष सूख रहे हैं।चरम गर्मी से प्रेरित श्रम उत्पादकता हानि से खाद्य उत्पादन को अचानक लगने वाले झटके से स्वास्थ्य एवं खाद्य उत्पादन के लिये जोखिम और अधिक गंभीर हो जाएँगे।ये परस्पर प्रभाव खाद्य कीमतों में वृद्धि करेंगे, घरेलू आय को कम कर देंगे और विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कुपोषण और जलवायु संबंधी मौतों को बढ़ावा देंगे। 4.श्रमिकों पर प्रभावः वर्ष 2030 में कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों से संलग्न श्रमिक गंभीर रूप से प्रभावित होंगे क्योंकि भारत की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिये इन क्षेत्रों पर निर्भर है।भारत के लिये इस पर विचार करना भी उचित होगा कि अनिश्चित श्रम बाजार स्थिति वाले देशों और क्षेत्रों को इस तरह की चरम गर्मी के साथ उच्च उत्पादकता हानियों का सामना करना पड़ सकता है।समग्र रूप से भारत में हीट स्ट्रेस के कारण वर्ष 2030 में लगभग 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों का नुकसान हो सकता है। 5.कमजोर वर्गों पर विशेष प्रभावः जलवायु विज्ञान समुदाय ने वृहत साक्ष्यों के साथ दावा किया है कि ग्रीनहाउस गैसों और एरोसोल के उत्सर्जन में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय कटौती नहीं की जाएगी तो ग्रीष्म लहर जैसी चरम घटनाओं के भविष्य में और अधिक तीव्र, आवर्ती और दीर्घावधिक होने की ही संभावना है।यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि भारत में ग्रीष्म लहर की घटनाओं में हजारों कमजोर और गरीब लोगों को प्रभावित करने की क्षमता है, जबकि जलवायु संकट में उन्होंने सबसे कम योगदान किया है।ग्रीष्म लहर प्रभाव शमन रणनीति के मामले में भारत की स्थितिऐसी आपदाओं से निपटने के लिये वर्ष 2015 से पहले कोई राष्ट्रस्तरीय 'हीटवेव एक्शन प्लान" मौजूद नहीं था।क्षेत्रीय स्तर पर अहमदाबाद नगर निगम ने वर्ष 2010 में विनाशकारी ग्रीष्म लहरों से हुई मौतों के बाद वर्ष 2013 में पहला हीट एक्शन प्लान तैयार किया था।वर्ष 2016 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ग्रीष्म लहरों के प्रभाव को कम करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख रणनीति तैयार करने के लिये व्यापक दिशानिर्देश जारी किये थे। हालाँकि चरम मौसम संबंधी आघातों के शमन और उनके प्रति अनुकूलन के लिये कुछ निवारक उपाय किये गए हैं, लेकिन इस तरह की पहलें ग्रीष्म लहरों से लोगों की मौतों को रोकने के लिये अपर्याप्त ही साबित हुई हैं क्योंकि निवारक उपायों, शमन और तैयारी कार्यों को लागू करना जटिल बना हुआ है।

- संजय गोस्वामी

अमेरिका ने रूसी कंपनी के सॉफ्टवेयर को बैन करने की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की द्वारा बनाए गए एंटीवायरस सॉफ्टवेयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि रूसी सरकार की आक्रामक साइबर क्षमताओं और कैस्परस्की के संचालन को प्रभावित करने या निर्देशित करने की क्षमता के कारण अमेरिका में कंपनी के संचालन से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। कैस्परस्की अब आम तौर पर अन्य गतिविधियों के अलावा अमेरिका में अपने सॉफ़्टवेयर नहीं बेच सकेगी और न ही पहले से उपयोग किये जा रहे सॉफ़्टवेयर के अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने कहा, रूस ने बार-बार दिखाया है कि उनके पास कैस्परस्की लैब जैसी रूसी कंपनियों का शोषण करने की क्षमता और इरादा है, ताकि वे संवेदनशील अमेरिकी जानकारी एकत्र कर सकें और हथियार बना सकें। हम अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए अपने पास मौजूद हर उपकरण का उपयोग करना जारी रखने वाले हैं। अमेरिका में कैस्परस्की सॉफ्टवेयर की बिक्री पर 20 जुलाई से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। रूसी बहुराष्ट्रीय कंपनी 29 सितंबर तक मौजूदा यूजरों को सॉफ्टवेयर अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। कैस्परस्की का सॉफ्टवेयर यूजरों को ट्रोजन, स्पाइवेयर और अन्य साइबर खतरों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

खालिस्तानी आतंकवादियों ने लगाई नागरिक अदालत, भारत ने जताई आपत्ति

टोरंटो। भारत ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा नागरिक अदालत लगाने और भारत के प्रधानमंत्री का पुतला जलाने पर कनाडा सरकार के सामने कड़ा विरोध जताया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने कनाडा के उच्चायोग को राजनयिक नोट जारी कर खालिस्तानी आतंकवादियों की हालिया कार्रवाइयों और नागरिक अदालत आयोजित करने पर गंभीर आपत्ति जताई है। नोट में भारत ने कनाडाई उच्चायोग को जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादियों को दी जा रही शह की कड़ी निंदा की है। कनाडा की संसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया था, जिसके एक दिन बाद भारत ने यह आपत्ति जताई है। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या दी गई थी।

तलाक के लिए आईफोन को बताया दोषी, ठोका मुकदमा, पत्नी ने पकड़ लिया था रंगे-हाथों

लंदन । इंग्लैड के अज्ञात व्यक्ति ने पत्नी से तलाक के लिए आईफोन को जिम्मेदार ठहराते हुए एप्पल कंपनी पर मुकदमा ठोक दिया है। युवक का दावा है कि उसकी पत्नी को सेक्स वर्कर्स के साथ उसकी संबंधों का पता उनके साझा आईमेक के जरिए चला, जहां उसके आईमैसेज उसके आईफोन से डिलीट होने के बावजूद बने रहे। यही वजह है कि शख्स ने 6.3 मिलियन डॉलर का मुकदमा किया है। शख्स को इस बात की जानकारी नहीं थी कि ऐपल का सिंक फीचर एक ही ऐपल आईडी वाले डिवाइसों पर मैसेज को सुरक्षित रखता है। ऐसे जब उनकी पत्नी को यह सबूत मिला और उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दायर कर दिया।रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनजान शख्स ने लंदन बेस्ड लीगल फर्म रोसेनब्लाट के जरिए आईफोन मेकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। मुकदमा इस तर्क पर केंद्रित है कि आईमैसेज के फंक्शन में अलग-अलग डिवाइस पर मैसेज को हटाने के संबंध में स्पष्टता का अभाव है। शख्स का मानना है कि अगर यह खुलासा इस तरह से नहीं होता, तो शायद शादी को बचाने का एक मौका होता। शख्स का तर्क है कि उनकी पत्नी को इस बारे में काफी गलत तरीके से पता चला। उनके मुताबिक अगर वे अपनी पत्नी से तर्कसंगत तरीके से बात कर पाते और तो उन्हें इस बात का शायद इतना गलत अहसास नहीं होता और वे शायद शादीशुदा होते।शख्स ने कहा कि यदि आपको बताया जाता है कि कोई मैसेज हटा दिया गया है तो आपको ये मानने का अधिकार है कि वह हटा दिया गया है। शख्स ने कहा कि अगर मैसेज में ये लिखा होता कि इन मैसेज को केवल इस डिवाइस से डिलीट कर दिया गया है। तब भी आपके पास समझने को एक हिंट होता। उन्होंने आगे कहा कि मैसेज केवल इस डिवाइस में डिलीट किए गए हैं। ऐसा कहना ज्यादा साफ तौर पर इंडिकेट करता।अब वह ऐपल को जवाबदेह ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और ऐसे अन्य लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करने पर विचार कर रहे हैं, जिन्होंने तकनीकी गलतफहमी के कारण इसी तरह की स्थितियों का सामना किया हो। वह अन्य पुरुषों के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करना चाहते हैं, जो अपने फोन का इस्तेमाल करना नहीं जानते।

पुतिन ने तानाशाह को तोहफे में दी कार...

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब उत्तर कोरिया के दौरे पर पहुंचे तब अपने मित्र और तानाशाह किम जोंग उन को ऐसा तोहफा दिया, जिसकी चमक पूरी दुनिया में फैल गई। पुतिन ने लिमोजिन कार तानाशाह किम जोंग को तोहफे में दी है। इस कार को रॉल्स रॉयल्स की कॉपी कहा जा रहा है, लेकिन कार की खासियत दुनियाभर की गाड़ियां इसके आगे पानी भरती हैं। न सिर्फ कीमत बल्कि फीचर्स भी कार को पूरा बंकर बना देते हैं।

दरअसल, ऑरस लिमोजिन कार को खासतौर पर पुतिन के लिए ही बनाया गया है। जाहिर है कि इसकी खूबियां भी जबरदस्त होंगी। इस कार को पुतिन के खास निर्देश पर बनाया गया है और पहली बार साल 2018 में उतारी गई। इसका डिजाइन रूस की कंपनी नामी ने तैयार किया है, जबकि मॉडल को रूस की सेंट्रल साइंटिफिक रिसर्च ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव इंजन इंस्टीट्यूट ने मिलकर विकसित किया है। ऑरस कंपनी की इस सीनेट ब्रांड के 3 मॉडल आते हैं। इसमें स्टैंडर्ड सीनेट, सीनेट लांग और सीनेट लिमोजिन शामिल है। रूसी कंपनियों का कहना है कि यह 1940 में सोवियत काल के समय बनी जेडआईएस 110 सोवियत लिमोजिन से प्रेरित है। किम जोंग उन के पास पहले से ही मर्सिडीज के चार मॉडल और एक लेक्सस कार है। अब उनके बेड़े में रूस की यह सुपर कार भी शामिल हो गई है।

यह कार 6,700 मिमी (6.70 मीटर) लंबी है और इसका वजन 2,700 किलोग्राम है। कार को पूरी तरह बुलेट प्रूफ बनाया गया है और इस पर गोलियों या बम का जरा भी असर नहीं होता। चाहे गाड़ी पर बम फेंका जाएं या जमीन में रखकर विस्फोट किया जाए, यह कार नीचे से ऊपर तक पूरी तरह सुरक्षित है। कार में सेल्फ कंटेन ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम है, जबकि टायर फ्लैट रबर से बने हैं। कार के अंदर ही सिक्योर लाइन कम्युनिकेशन सिस्टम है, जो दुनिया में कहीं भी बात करने की सुविधा देता है। इतना ही नहीं यह कार खुद भी कई तरह के घातक हथियारों से लैस है। ये फीचर कार को एक बंकर में तब?दील कर देते हैं।

ऑरस लिमोजिन में 6.6 लीटर वी12 इंजन लगा है। यह 850 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। इसका इंजन बनाने में पोर्शे ने भी मदद की है। भारत में बिकने वाली लग्जरी एसयूवी फॉर्च्यूनर के मुकाबले इसमें 4 गुना से भी ज?यादा ताकत है। फॉर्च्यूनर 201 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। जाहिर है कि यह ऐसी 4-4 कारों को एकसाथ खींच सकता है। सबसे पहले इसे साल 2018 में उतारा गया था, तब इसकी कीमत 1.6 लाख डॉलर (1.32 करोड़ रुपये) थी। साल 2021 में इसकी कीमत रिवाइज करके 3 लाख डॉलर (2.40 करोड़ रुपये) कर दी गई। रूसी एजेंसियों के मुताबिक, 2024 में अब तक रूस में इसके 40 मॉडल की बिक्री हुई है। साल 2022 में सिर्फ 31 कारों की ही बिक्री हुई थी।

बांग्लादेश में आई बाढ़ के बीच ही पानी में डूबा नजर आ रहा सियालहाट इलाका।

चीन ने फिलीपीन के साथ दोहराया गलवान... चाकू और कुल्हाड़ी से किया हमला

मनीला । दूसरे देशों की जमीन पर बुरी निगाह रखने वाले चीन ने दक्षिणी चीन सागर में गलवान जैसी घटना फिर की है। चीनी सैनिकों पर अपने पड़ोसी राष्ट्र फिलीपीन की नौसेना पर चाकू और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने और जमकर लूटपाट करने का आरोप लगा है। फिलीपीन सेना ने चीनी सैनिकों की करतूत के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। फिलीपीन अधिकारियों ने चीन को लताड़ लगाकर समुद्री लूट करार दिया। वीडियो में चीनी सैनिकों की लूटपाट देखी जा सकती है। वे फिलीपीन सैनिकों पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर रहे हैं। फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने मांग की कि चीन विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाए और हमले में हुए नुकसान की भरपाई करे। फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। इतना ही नहीं चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को दक्षिण चीन सागर में अपनी नावों से रोक दिया। इन क्षेत्रों पर चीन अपना दावा करता आया है। चीनी सैनिकों ने पहले फिलीपीनो सैनिकों की नावों को टक्कर मारी और फिर वे हथियार लहराते हुए उनकी नावों में कूद गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर फिलीपीन सैनिकों पर हमला किया। चीनी सैनिक उनकी सेना के कई उपकरणों, आठ एम4 राइफलें भी अपने साथ लूटकर ले गए। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने कहा, चीनी सेना ने जो किया जो भुलाया नहीं जा सकता।

सांसद चंद्रा आर्य ने खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की संसद में सुनाई खरी-खरी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्रा आर्य ने संसद में खड़े होकर खालिस्तान समर्थकों को जमकर कोसा। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि 23 जून को भारतीय विमान को हवा में उड़ा दिया गया था। इसके जिम्मेदार कनाडाई खालिस्तानी आतंकी थे। चंद्रा आर्य ने एक्स पर लोगों से 1985 एयर इंडिया बम विस्फोट के पीड़ितों की याद में एक समारोह में शामिल होने की अपील की। विमान पर हमले की यह 39वीं बरसी है। इसे आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। चंद्रा आर्य ने कहा कि यह कनाडा के इतिहास में सबसे बड़ी सामूहिक हत्या है। इसके बाद उन्होंने हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से भारतीय पीएम इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, कनाडा की संसद में हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंदू भारतीय पीएम की हत्या का जश्न मनाया गया, जिसमें हिंसा और नफरत का महिमामंडन किया गया, जो दिखाता है कि अंधेरी ताकतें फिर सक्रिय हो गई हैं। ये दिखाता है कि देश के लिए आने वाला समय भयानक होगा।

23 जून 2024 को इस मेमोरियल सर्विस का आयोजन किया गया है, जिसमें उन्होंने लोगों को आने को कहा। यह आयोजन राजधानी ओटावा में डॉव झील के पास और ओंटारियो में क्वीन्स पार्क साउथ लॉन में स्मारक स्थल पर 12 बजे आयोजित की जाएगी। संसद में उन्होंने खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंसा को बढ़ावा देने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 23 जून आतंकवाद के पीड़ितों के लिए स्मृति दिवस है। 39 साल पहले इसी दिन एयर इंडिया फ्लाइट 182 कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों की ओर से लगाए गए बम से हवा में ही उड़ गई थी। उन्होंने आगे याद दिलाते हुए कहा कि विमान में सवार सभी 329 यात्री और चालक दल की मौत हो गई थी। कनाडा के इतिहास में यह सबसे बड़ा हमला माना जाता है। इस हमले में 268 कनाडाई लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक थे।

आतंकवाद से निपटने के लिए अभियोजन तंत्र को मजबूत बनाएं : राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आतंकवाद और उग्रवाद से उत्पन्न खतरे का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने एवं उनके अभियोजन तंत्र में सुधार लाने का आह्वान किया है। समाचार पत्र 'डॉन' की एक खबर के अनुसार, जरदारी ने अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा, कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही।

उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दिए गए अधिकार में खामियों के बारे में भी बताया गया। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान में लंबे समय से उग्रवाद है और वहां अक्सर सैन्य काफिलों एवं सुरक्षा कर्मियों पर हमले होते रहते हैं। बंदरगाह शहर ग्वादर में हुई बैठक में जरदारी ने प्रांतीय सरकार के प्रयासों के साथ-साथ आतंकवाद से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बलिदान की सराहना की, लेकिन उन्होंने सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, अभियोजन तंत्र में सुधार की आवश्यकता है, ताकि आतंकवादी न्याय की जद से नहीं बच सकें।

प्रांत में सक्षम और बहादुर पुलिस अधिकारियों को तैनात करने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा। एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र की एक अन्य खबर के अनुसार, जरदारी ने राजनीतिक संवाद पर जोर देते हुए कहा कि बलूचिस्तान में समृद्धि, विकास और शांति लाने के लिए यही रास्ता है। राष्ट्रपति को बताया गया कि प्रांतीय सरकार चीनी और विदेशी नागरिकों को पूर्ण सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कदम उठा रही है।

इजराइल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सैकड़ों लोगों ने किया योग

-भारतीय राजदूत सिंगला बोले-योग केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं

तेल अवीव (एजेंसी)। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इजराइल में तीन सौ से ल्यादा लोगों ने पेरेस सेंटर फॉर पीस एंड इनोवेशन में योग किया और इसे अपने जीवन में हमेशा करने का संकल्प लिया। इस योग कार्यक्रम में प्रथम महिला मिशल हेर्जोग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने भी योग किया।

इस मौके पर इजराइल में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इजराइल में भारतीय दूतावास ने तेल अवीव-याफो नगर पालिका और इजराइल के संस्कृति और खेल मंत्रालय के सहयोग से योग दिवस का आयोजन किया था। इस मौके पर हेर्जोग ने भारत और इजराइल के बीच गहरी दोस्ती पर बात की। हेर्जोग ने कहा कि आपने आज स्पष्ट रूप से दिखा दिया कि भारत परवाह करता है। भारत, इजराइल के साथ हमेशा खड़ा है। युद्ध के शुरुआती क्षणों में ही दोस्ती की यह भावना स्पष्ट दिखी।

हेर्जोग ने कहा कि भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने आगे आकर नरसंहार की निंदा की थी और हमारे बंधकों की रिहा करने की मांग की थी। इजराइल में भारतीय राजदूत संजीव सिंगला ने कहा कि योग की प्राचीन क्रिया ने सीमाओं और संस्कृतियों को पार किया है। उन्होंने कहा कि हम इस कालातीत परंपरा के सार पर विचार करें। योग की मूल शिक्षा केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं बल्कि इसे करने से एकता, करुणा और मन को शांति भी मिलती है। योग सत्र की शुरुआत दूतावास की योग शिक्षिका दर्शना राजपूत के नेतृत्व में योग मुद्राओं की प्रस्तुति से हुई।

भारतीय छात्रों को ... अमेरिका में ट्रंप की गारंटी

वाशिंगटन (एजेंसी)। आव्रजन के मुद्दे पर अपने सख्त रुख में आश्चर्यजनक बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी कॉलेजों से ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को सीधे ग्रीन कार्ड देने की इच्छा जाहिर की है। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने कहा कि 'मैं जो करना चाहता हूं और जो करूंगा, वह यह है कि जब आप किसी कॉलेज से ग्रेजुएट होते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में खुद-ब-खुद ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए, इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए एक ग्रीन कार्ड। उन्होंने प्रस्ताव में दो साल के जूनियर कॉलेजों और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के ग्रेजुएट को भी शामिल करने के लिए कहा।

ट्रम्प का यह बदला हुआ मिजाज अमेरिकी कॉलेजों में पढ़ रहे भारतीय

छात्रों का जोश बढ़ाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान अमेरिका में उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल पिछले साल की तुलना में 35 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाता है। आंकड़ों से पता चला है कि 200,000 से अधिक भारतीय छात्रों ने विभिन्न अमेरिकी संस्थानों में दाखिला लिया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है।

कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने के मौके ने अमेरिका को भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बना दिया है। ट्रंप की यह ताजा टिप्पणी उनके विशिष्ट आप्रवासी विरोधी बयानबाजी को छोड़ने का संकेत देती है। ट्रम्प अक्सर आप्रवासियों को सार्वजनिक सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा और सरकारी संसाधनों के लिए खतरा बताते रहे हैं। जब दुनिया भर से सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली लोगों को अमेरिका में लाने की योजना के बारे में पूछा गया, तब ट्रम्प ने जवाब दिया 'मैं इसका वादा करता हूं।

गौरतलब है कि ग्रीन कार्ड या स्थायी निवासी कार्ड, अमेरिकी नागरिकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रम्प की योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अमेरिका में बनाए रखना है जिन्होंने अमेरिका में अपनी शिक्षा हासिल की है।जो अक्सर इन छात्रों को उनके गृह देशों में वापस लौटते हुए देखते हैं।

इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी, रहने का मिलेगा प्रशिक्षण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी चल रही है। वहां रहने और खुद को सरवाइव करने की ट्रेनिंग देकर उन्हे यात्रा पर भेजा जाएगा। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के भी एक अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय स्पेस सेंटर में रहने की ट्रेनिंग देगी। क्रिटिककल और आधुनिक तकनीक (आईसीईटी) को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, पिछले साल हम भारत गए थे। मानवता की भलाई के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम मिलकर काम करेंगे और इसरो के एक अंतरिक्षयात्री को आईएसएस तक जाने, वहां रहने और लौटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसे भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये बातें कही हैं।

बिल नेल्सन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में नासा भारतीय अंतरिक्ष यात्री के साथ संयुक्त अभियान करेगा। बता दें कि दोनों एनएसए ने अंतरिक्ष उड़ान सहयोग और रणणनीतिक ढांचे के विकास के लिए बातचीत की। यह नासा और इसरो अंतरिक्षयात्रियों का पहला संयुक्त प्रयास होगा। संभव है कि इस साल के आखिरी में भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के लिए उड़ान भरे। संभव है कि इसरो ट्रेनिंग के लिए चार अंतरिक्षयात्रियों का चुनाव करे। नासा और इसरो साथ नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार यानी निसार को लॉन्च करने जा रहे हैं। यह मिशन जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोगी हो सकता है। यह हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की मैपिंग करेगा। जेक सुलिवन और एनएसएस अजीत डोभाल बीच बातचीत के बाद यह ऐलान किया गया है। इस उपग्रह को नासा और इसरो ने मिलकर तैयार किया है। बता दें कि भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके समकक्ष जेक सुलीवन के बीच हुई मुलाकात के बाद नेल्सन ने यह बात कही है। सुलिवन ने सोमवार को कहा था कि इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अडवांस ट्रेनिंग दी जाएगी।

बलूचिस्तान में लगातार हो रहा सरकार के खिला विरोध प्रदर्शन, जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। बलूचिस्तान के तुर्बत में फिदा चौक से सैकड़ों प्रदर्शनकारी जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग की। बलूच यकजहती समिति (BYC) ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी प्रशासन ने इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया है। शुक्रवार को यह विरोध प्रदर्शन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा।

'तेज गर्मी में चार दिनों तक धरना देने के बाद, परिवार अब ष्ठ.ष्ट. कार्यालय की ओर मार्च कर रहे हैं, जहाँ वे अपने प्रियजनों के वापस आने तक अपना विरोध जारी रखेंगे। इस कठिन समय में, हम अपने देश से D.C. कार्यालय के सामने धरने में भाग लेने और अपने बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को प्रोत्साहित करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि उनके दुख और तकलीफें शब्दों से परे हैं,' BYC ने X पर पोस्ट किया।

BYC ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों का स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ रहा है क्योंकि पाकिस्तान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। लेकिन, उन्होंने पुष्टि की कि जबरन गायब किए गए पीड़ितों को वापस लाने के लिए प्रदर्शनकारियों का दृढ़ संकल्प 'दृढ़' बना हुआ है।

बाद की पोस्ट में कहा गया अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी के लिए परिवारों द्वारा किया जा रहा धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। इस भीषण गर्मी में वे अपनी जान की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि जिला प्रशासन छुट्टी पर होने का दिखावा कर रहा है। वे धरना प्रदर्शन में शामिल भी नहीं हो पा रहे हैं और इन बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों की बात भी नहीं सुन पा रहे हैं, जो बेहद निराशाजनक है। हम केच के लोगों से इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने और अपने बुजुर्गों का समर्थन करने की अपील करते हैं, क्योंकि हम ही उनकी एकमात्र उम्मीद हैं।

इससे पहले, बीवाईसी ने घोषणा की थी कि तुर्बत के शहीद फिदा चौक पर चल रहा धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक जबरन गायब किए गए लोगों को सुरक्षित रिहा नहीं कर दिया जाता। बीवाईसी ने आगे कहा कि गायब हुए लोगों की सुरक्षित वापसी के बारे में स्थानीय प्रशासन के वादों के बावजूद, मौजूदा अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बीवाईसी ने कहा, 'ईद आ गई और चली गई, लेकिन बलूच परिवार ईद के बाद से लापता अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी की मांग करते हुए शहीद फिदा

चौक तुर्बत पर विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। जिला प्रशासन ने पहले उन्हें उनके प्रियजनों की रिहाई का झूठा आश्वासन दिया था। अब, कोई भी राज्य प्राधिकरण उनकी मांगों को पूरा करने के लिए आगे नहीं आया है।' बलूच यकजहती समिति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने का आह्वान किया और उन सभी बलूच व्यक्तियों की रिहाई की मांग की जिन्हें जबरन गायब कर दिया गया है।

योग स्वयं की, स्वयं तक, स्वयं के माध्यम से यात्रा है – महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल

हज़ारीबाग़ - हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग रखी गई है। योग दिवस के तहत शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने और दुनिया भर में व्यक्तियों और समुदायों में सद्भाव व शांति लाने में योग के समग्र लाभों पर जोर देना है। दुनिया में, हम सभी शांति पाने के लिए अलग-अलग जगहों की तलाश कर रहे हैं। शांति और स्थिरता की इस गहन खोज के जरिए, योग की सदियों पुरानी अवधारणा लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। योग एक प्राचीन अभ्यास है जो समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक आसन, श्वास अभ्यास और ध्यान तकनीकों को जोड़ता है। इसकी शुरुआत हजारों साल पहले भारत में हुई थी और अब इसे दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। इसी अवसर पर प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरू कैंप में 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून 2024, समय 5:45 बजे, के0एस0बन्याल, महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय के तत्वावधान में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर के कुशल योग प्रशिक्षकों द्वारा कार्मिकों को योगाभ्यास कराया गया। इस सत्र में संस्थान के परिसर में उपस्थित अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक, बावा सदस्याएँ व उनके परिजनों ने उत्सुक्ता से भाग लिया एवं योग अभ्यास किया।

हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट द्वारा सोमवार को बेहतर इलाज हेतु लेकर होंगे संस्था के सदस्य रवाना

हज़ारीबाग़ – बद्री पासवान जो कि पिछले 1 वर्षों से ज्यादा समय से माउथ कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से ग्रसित हैं। यह पूर्व में भी रिम्स में ईलाज करवा चुके हैं, और वर्तमान में ये एच सी जी कैंसर

अस्पताल इरबा में ईलाज करा रहे है, आर्थिक तंगी आ जाने के कारण इनके परिवार वालों ने अपना ज़मीन तक गिरवी तक रख दिया है। अब इनका समस्या और ज्यादा बढ़ गया है इनके पास खाने - पीने तक का पैसा नहीं है, यहाँ तक की इनके अपने सगे भाई तक साथ छोड़ चुके हैं, छुआछूत के वजह से अब इनके पास आता - जाता तक कोई नहीं। इनके दो छोटे छोटे बच्चे हैं, घर का भी बहुत बुरा हाल है, बरसात के मौसम में पानी बिस्तर तक आ जाता है। बद्री पासवान के बारे में जैसे ही भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद को अपने कार्यालय से जानकारी मिली, जिसके बाद मामले को तुरंत संज्ञान में लेते हुए वह उनके घर सिलवार जाकर सारे मामले से अवगत हुए और निर्णय लिया गया की जल्द से जल्द यह स्वस्थ हो। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि दुःख की घड़ी में साथ हूँ , वहीं इनकी उज्जवल भविष्य हेतु ट्रस्ट ने भी निर्णय लिया है। हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट ने विचार किया है, की सोमवार को इनका ईलाज जहाँ से चल रहा है वहां चिकित्सक से मिलकर सारे मामले से अवगत होकर, आगे की रणनीति को तय किया जाएगा।

सरगम इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बड़कागांव – एचपी पेट्रोल पंप हजारीबाग रोड स्थित सरगम इंटरनेशनल स्कूल में योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को योग करवाया गया । निदेशक राजेश कुमार सोनी ने कहा कि योग

करने से मानसिक , शारीरिक स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक विकास होता है। स्कूल की प्राचार्य मुससरत परवीन ने कहा की 21 जून साल का सबसे बड़ा दिन होता है इसके बाद सूर्य धीरे-धीरे दक्षिणायन होने लगता है इस दिन को अध्यात्म एवं योग के लिए खास माना जाता है। इसलिए पूरी दुनिया में आज ही के दिन योग दिवस मनाया जाता है। इस आयोजन का सफल बनाने में स्कूल के प्रबंधक अध्यक्ष सहेश्वर दांगी ,सचिव शंकर कुमार, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार साव, उपाध्यक्ष सरोज सोनी उप सचिव शंकर कुमार, एवं किशोर, कुतुब, साजिद, मीणा, सोनी ,मनीषा, तंद्रा, सुधा, सबीना ,तमन्ना, उपेंद्र, पिंटू ,इत्यादि शिक्षक गण मौजूद थे।

वेक्टर पब्लिक स्कूल के बच्चों ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

चौपारण - सिंघरावाँ में स्थित वेक्टर पब्लिक स्कूल के बच्चों और शिक्षको ने स्कूल मैदान में मानव जीवन में समत्व, एकाग्रता और शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया । योग शिक्षक मुस्कान कुमारी, स्वेता गुप्ता, धीरज गुप्ता वा छात्र अर्धया भारती, परी कुमारी, आयुष कुमार, सत्यम कुमार, अनिवेश कुमार के अगुवाई में संस्थान के सभी छात्रों ने योगाभ्यास के दौरान के योग किया। वही

संस्थान के सभी छात्रों ने अपने दैनिक जीवन में निरंतर योग करने का संकल्प लेने के साथ ग्रामीण स्तर पर योग का प्रचार प्रसार करने का भी संकल्प लिया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान निदेशक दीपक गुप्ता ने कहा की योग, मन, शरीर और आत्मा की एकता को सक्षम बनाता है। योग के विभिन्न रूपों से हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को अलग-अलग तरीकों से लाभ मिलता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को इस अनूठी कला का आनंद लेने के लिए भी मनाया जाता है। स्कूल प्रधानाचार्य अमित अकेला ने योग सिर्फ कई तरह के आसन का नाम नहीं है। इसका अर्थ होता है जुड़ना। माने, मन को वश में करना और वृत्तियों से मुक्त होना ही योग है ! योग मन, मस्तिष्क और शरीर को तंदुरुस्त रखने का एक सशक्त माध्यम है। योग दिवस जागरुक करने के मकसद से मनाया जाता है। मौके पर शिक्षक पिंटू कुमार, आरती कुमारी, पूनम कुमारी, एकता राणा, रिजवाना प्रवीण, पिंकी कुमारी, गूंजा कुमारी सहित सभी छात्र उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट हुए प्रखंड के जनप्रतिनिधि

भ्रष्टाचार खत्म नही होने तक एकजुट होकर लडाई रहेगा जारी - मुखिया संघ

लोगों को परेशानी तो हमलोग एकजुट होकर लडेंगे – प्रमुख

टाटीझरिया - टाटीझरिया बीडीओ सह सीओ रश्मि खुशबू मिंज, थाना प्रभारी सुजीत कुमार व प्रखंड सह अंचल कार्यालय के विभिन्न विभागों एवं थाना में पदस्थापित सरकारी अफसरों के भ्रष्टाचार, मनमानी और तानाशाही रवैये के विरोध में टाटीझरिया प्रखंड के प्रमुख, उपप्रमुख, मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों ने आर-पार की लड़ाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को टाटीझरिया पंचायत सचिवालय भवन में प्रमुख संतोष मंडल की अध्यक्षता एवं मुखिया संघ के अध्यक्ष टाटीझरिया पंचायत के मुखिया सुरेश यादव के संचालन में बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपप्रमुख रवि वर्णवाल, खैरा मुखिया कुमारी माधुरी, झरपो मुखिया शिबू प्रसाद सोनी, भराजो मुखिया स्वस्तिका कुमारी, डहरभंगा मुखिया रेखा देवी, धरमपुर मुखिया कांति देवी, डुमर मुखिया ममता देवी, खैरा पंसस विनय कुमार दास, डहरभंगा पंसस पुष्पा

देवी, धरमपुर पंसस राजेश कुमार यादव, डुमर पंसस शांति शर्मा, टाटीझरिया पंसस प्रतिनिधि उपेंद्र ऊर्फ होपन सिंह, बेडम पंसस प्रतिनिधि नरेश हेंब्रम, सुजीत रजक, रवींद्र यादव, अशोक यादव, परमेश्वर प्रसाद यादव, कैलाशपति सिंह, महेश अग्रवाल, सुरेश प्रसाद कुशवाहा, उपमुखिया डहरभंगा नीलम कुमारी मौजूद रहे। सभी ने कहा है कि प्रखंड में पदस्थापित बीडीओ सह सीओ, थाना प्रभारी समेत कई अधिकारी व कर्मियों के रवैये से वह सभी क्षुब्ध हैं। प्रखंड कार्यालय एवं थाना में पूरी तरह से भ्रष्टाचार व्याप्त है। बीडीओ सह सीओ व टाटीझरिया थाना प्रभारी के द्वारा छोटे-छोटे निर्माण कार्य में ले जाए जा रहे बालू लदे ट्रैक्टर को पकडकर कार्यवाई की जाती है। जबकि बडे पैमाने पर संवेदकों द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य में धडल्ले से भारी मात्रा में अवैध बालू की ढुलाई जोर-शोर से की जाती है। यही कारण है कि केंद्र व राज्य सरकार की कई योजनाएं धरातल पर उतर नहीं पा रहा है। अंचल में दाखिल-खारिज, एलपीसी, जमीन ऑनलाईन, आय-जाति-आवासीय, मृत्यु-जन्म प्रमाण पत्र बनाने में विलंब किया जाता है। आवास कॉर्डिनेटर रीति कुमारी के द्वारा लाभुकों की सूची को हॉल्ट कर दिया जाता है। खैरा पंचायत के नारायणपुर निवासी ऊषा देवी पति महेंद्र कुमार का आवास का जिओ टैग रिजेक्ट किया गया। ग्रामीणों के परेशानियों के समाधान के लिए पंचायतों में अधिकारी के रहने का निर्देश प्राप्त था, परंतु ऐसा नहीं हो रहा है। खैरा गांव की सरिता देवी पति जोधी भुईयां, सोनिया देवी पति संतोष भुईयां का नाम अबुआ आवास की सूची में रहने के बावजूद इसे अधिकारियों ने मनमानी करते हुए रिजेक्ट कर दिया। जबकि इनका कच्चा खपरैल मकान है जिसका एक भाग ढह चुका है। जिम्मेवारों को रिजेक्ट का वजह पूछने पर झल्ला उठते हैं। बालू लदा ट्रैक्टर पकडाने पर राजेंद्र यादव ने पत्नी का जेवर गिरवी रखकर थाना प्रभारी को पैसा देने का आरोप लगाया गया है। मनरेगा योजना में भेंडरों के द्वारा सामान उपलब्ध नहीं कराया जाता है। मेटों के अनुसार मनरेगाकर्मियों के निर्देश पर भेंडर पूरा पैसा देने में आनाकानी करते हैं। डहरभंगा पंचायत के गोधिया निवासी जीरवा देवी पति भोला महतो का अबुआ आवास का जिओ टैग होने के बावजूद उसे लाभ देने से वंचित कर दिया गया। डुमर में चेकडैम में मिट्टी भरे जाने के शिकायत होने के बावजूद उस पर कार्यवाई नहीं की गई। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के विरुद्ध प्रधानमंत्री, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, मुख्यमंत्री झारखंड, ग्रामीण विकास मंत्री झारखंड, आयुक्त उतरी छोटा नागपुर प्रमंडल, सांसद हजारीबाग, उपायुक्त हजारीबाग, एसपी हजारीबाग को ज्ञापन सौंपेंगे। अगली बैठक 26 जून को डहरभंगा पंचायत भवन में रखा गया है।

क्या कहते हैं बीडीओ सह सीओ और थाना प्रभारी

टाटीझरिया बीडीओ सह सीओ रश्मि खुशबू मिंज से पूछने पर उन्होंने बताया कि वह विभागीय निर्देशों का पालन करती हैं। अब इसमें उन्हें भ्रष्टाचार लगता है तो वह क्या कर सकती हैं। वहीं थाना प्रभारी सुजीत कुमार का कहना है कि वह कानून का पालन करते हैं। उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताया।

कमांडो इंडस्ट्रिल सिक्योरिटी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

हज़ारीबाग़ – कमांडो इंडस्ट्रिल सिक्योरिटी फ़ोर्स के द्वारा योग शिविर हज़ारीबाग़ के प्रसिद्ध संत कोलमबस महाविद्यालय के मैदान में आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के थीम- योग फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी को कमांडो सिक्योरिटी ने अपना कर सफल बनाया। करे योग रहे निरोग, आधा घंटा रोज़ करे योग। इस शिविर में रिटायर्ड डिफेंस पर्सनल, कमांडो के सभी कर्मी, छात्र और हज़ारीबाग़ के जनता ने भाग लिया। कमांडो सिक्योरिटी ने सभी को योग के लिया योगा टीशर्ट के साथ जूस, केला और पानी का व्यवस्था किया। योग के बढ़ावा देने के लिए हज़ारीबाग़ के जनता ने कमांडो को काफ़ी सराहा और अपने जीवन में योग को शामिल करने का निर्णय लिया। योग गुरु के रूप में बिहार सरकार के अंचल अधिकारी निर्भय प्रताप सिंह ने योग कराया। इस कार्यक्रम में श्री सिंह के द्वारा बनाया हुआ ÷नेचर विलेज़÷ संस्था ने अहम भूमिका निभाया। योग गुरु ने पहले सूक्ष्म योग क्रिया का एक पैकेज बताया गया- जो सभी उम्र के लोग कर सकते है। उसके बाद- योग के लाभ के साथ कई आसान कराया गया- वीरभद्रासन, तड़ासन, वृक्षासन, मरकटासन, शीर्षासन कराया गया। कमांडो सिक्योरिटी संस्था के मुखिया नवल किशोर सिंह ने कहा- प्राचीन काल से चला आ रहा योग पद्धति को आगे बढ़ाने का कार्य हम सब कर रहे है। ये हमारे देश के सभ्यता और संस्कृति का अहम हिस्सा है। पूरा विश्व भारत से शारीरिक और मानसिक स्वस्थ के लिए सिख रहा है। जो हम भारतीय के लिए गर्व का बात है। कमांडो सिक्योरिटी संस्था के सहमुखीय टुनटून सिंह ने कहा- भारत को योग गुरु से विश्वगुरु के सफ़र में हम सब साथ है। हमारी संस्था सामाजिक कार्य और दायित्व को बखूबी निभाती है। हम देश के युवाओं से निवेदन करेंगे- भारतीय संस्कृति विभितता से भरा पड़ा है। पाश्चात्य संस्कृति को छोड़कर ज़रूरी है- भारतीय संस्कृति को अपने जीवन में अपना कर अपने जीवन को बेहतर बनाए। आज के व्यस्त जीवन में योगा मानसिक तनाव, डिप्रेशन और तमाम बीमारी से लड़ने का ताक़त देता है। योग से शारीरिक-मानसिक-आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और बेहतर बनाता है। योग के बाद युवाओं में एक अलग जोश दिखा। महिलाओं ने भी भाग लेकर बदलता समाज का परिचय दिखाया। योग से महिलाओं में आत्मबल को बल मिलेगा।

श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में योग दिवस का हुआ आयोजन

हज़ारीबाग़ – श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं विवेकानंद सेंट्रल स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक स्वामी तपानंद महाराज की गरिमामय उपस्थिति में इस योगाभ्यास की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। इस योगाभ्यास में सुखासन, पद्मासन, वज्रासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन आदि के अभ्यास किए गए। साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम का भी अभ्यास किया गया।? कार्यक्रम के उपरांत प्राचार्या डॉक्टर मौसुमी मैती ने कहा कि योग शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक मिलन है जिसके द्वारा सर्वांगीण शांति की प्राप्ति होती है। यह शरीर को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। इस वर्ष योग का विषय है - स्वयं एवं समाज के लिए योग। स्वामी विवेकानंद जी ने भी मानव सेवा को ही परम धर्म माना है। इस योगाभ्यास में संस्थान के सभी शिक्षक-शिक्षकेतरकर्मियों तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवक विनय, विवेक, राहुल, अभिषेक, विक्की, दीपक, नोमान, सईद व अमित का सहयोग रहा। योगा का अभ्यास महाविद्यालय के योग प्रशिक्षक सुनील कुमार सोनी तथा सुश्री प्रेरणा कुमारी के निर्देशन में किया गया। योगाभ्यास के दौरान संस्थान के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तरकर्मी उपस्थित थे। योगाभ्यास का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

सेंट स्टीफेंस स्कूल हजारीबाग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

हज़ारीबाग़ – सेंट स्टीफेंस स्कूल हजारीबाग में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, सभी छात्र, छात्राओं सहित अभिभावकों की भी पूर्ण भागीदारी रही। इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शोधकर्ता फ्रांस की मेलोनी एवं जर्मनी की हेनरीते ने पूरे उत्साह के साथ शिरकत की । योग पर चर्चा एवं भारत के प्रति योग जैसे विद्या को विश्व समुदाय से साझा करने के लिए पूर्ण रूप से आभार व्यक्त किया और पूरे विद्यालय परिवार को इस आयोजन के लिए धन्यवाद कहा। इस आयोजन की शुरुआत अतिथियों के जोरदार स्वागत से किया गया जिसमें हजारों बच्चे शामिल थे। स्वागत के पश्चात अतिथियों ने योग के तकनीकी सत्र में हिस्सा लिया एवं काफी

अहलादित हुए, इस अनुभव को उन्होंने इतने छात्रों के साथ अभूतपूर्व बताया। इस आयोजन में आए विदेशी अतिथियों,सभी शिक्षकों, छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्या कल्पना बारा ने योग को भारतीय जीवन की संस्कृति एवं अभिन्न अंग बताया तथा विश्व पटल पर योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भारत सरकार के प्रयासों को अभूतपूर्व बताया साथ ही साथ यह भी कहा कि सालभर हमारे विद्यालय में विदेशी अतिथियों का आवागमन होता रहता है ताकि छात्रों के बीच शिक्षा एवं संस्कृति का आदान-प्रदान हो सके। छात्रों के हित में इस तरह के कई नए सकारात्मक आयोजन किए जाते हैं, छात्रों को खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों में हर संभव सहयोग, वैसे भी छात्र जो अभावग्रस्त हैं और अच्छा कर सकते हैं, उन्हें हौसला मिला एवं जिससे छात्रों ने अपनें अपने क्षेत्रों में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर डेंटल कॉलेज में छात्रों ने सामुहिक योगाभ्यास कर दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

बेहतर स्वास्थ्य और मस्तिष्क को तीव्र रखने के लिए योग अनिवार्य : डॉ प्रवीण श्रीनिवास

हजारीबाग – हज़ारीबाग़ कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल में दिन शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर छात्रों ने मिलकर सामुहिक योगाभ्यास किया। योग स्वस्थ जीवन के प्रति समाज में जागरूकता का अभूतपूर्व संदेश दिया एवं प्रतिदिन सबों ने योगाभ्यास करने का संकल्प लिया। शरीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सुख व आध्यात्मिक प्रगति के लिए योग करने का निर्णय लिया। योग प्रशिक्षिका के रूप में डॉ श्रृष्टि ने शामिल होकर छात्रों को योगासन, अनुलोम विलोम व सूर्य नमस्कार सहित कई प्रकार के योग कराया। सामुहिक योगाभ्यास के दौरान योग का फायदा छात्रों के बीच साझा की। साथ ही प्रतिदिन अहले सुबह योग कर ही अपनी दिन की शुरुआत करने का अपील की। इस दौरान छात्रों ने योग की तमाम योगाभ्यास कर योग का लाभ प्राप्त किया। मौके

पर डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि समूचा विश्व 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।

योग आज मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। बेहतर स्वास्थ्य और मस्तिष्क को तीव्र रखने के लिए योग करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि योग करने से अच्छी नींद आती है तथा हमारा शरीर स्वस्थ और तंदुरूस्त रहता है। योग से शांति तथा आनंद प्राप्त होता है। योग से हमारा मस्तिष्क एकाग्रचित होकर काम करता है तथा हमारे मन में अच्छे विचारों का निवास होता है। योग हमारे शरीर को स्वस्थ, लचीला तथा शक्तिशाली भी बनाए रखता है। मौके पर योग प्रशिक्षिका डॉ श्रृष्टि ने कहा कि मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन नियमित योग करना बहुत जरूरी है। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ की प्राप्ति होती है। मन भी शांत एवं शरीर भी तंदरुस्त रहता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में बिमारियों से बचना तथा लडना है। तो प्रतिदिन दिन योग करना बहुत ही जरूरी है।

चुरचू प्रखंड के सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में योग शिविर कार्यक्रम का आयोजन

नियमित करे योग रहे निरोग - योगाचार्य विजय दास

चरही – प्रखण्ड के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यायल चुरचू सहित सभी आठो पंचायत चुरचू, आंगो , चरही, चनारो, इंद्रा, जरबा, बहेरा व हेंदेगढ़ा पंचायत में 10 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रखण्ड के सभी सरकारी व गैरसरकारी संस्थानों में योग दिवस हर्षोउल्लास के साथ कार्यक्रम का आयोजन कर योग दिवस शत प्रतिशत सफल बनाया गया। प्रखण्ड मुख्यालय के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय चुरचू में आयोजित योग शिविर में योग प्रशिक्षक विजय दास के द्वारा योग दिवस के अवसर पर लोगों को योग के तकनीक व विधि को बतलाया गया। इस योग दिवस के अवसर पर प्रखण्ड उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यायल चुरचू में योग शिक्षक श्री दास व खेल शिक्षिका चांदनी वर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से

कार्यक्रम को सफल बनाया गया। जिसमें मुख्य रूप से आसन ,व्यायाम, प्राणायम, कपालभाति, अनुलोम - विलोम, सूर्य नमस्कार सहित कई तरह के योग व आसन को बतलाया गया। योग प्रशिक्षक श्री दास ने कहा की हम सभी को नियमित योग करने की जरूरत है। जबतक नियमित योग नही करेंगे तबतक स्वस्थ्य व सशक्त समाज का निर्माण नही हो सकता है। वही योग प्रशिक्षक के द्वारा सभी आसन, प्राणायाम ,ध्यान को विधिवत तरीके से बतलाने का काम किया गया। इसके अलावे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुख्यालय चुरचू, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आंगो, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चरही, हेल्थ वेलनेस सेंटर दिगवार, हेल्थ वेलनेस सेंटर चीचीकला, हेल्थ वेलनेस सेंटर कजरी, हेल्थ वेलनेस सेंटर बासाडीह, बलसगरा, चैनपुर, झारखंड बिरसा इंटर कॉलेज चुरचू ,लोयला विद्यायल चरही , आंगो थाना , उत्क्रमित उच्च विद्यायल आंगो, सीसीएल चरही,तापीन साउथ परियोजना सहित विभिन्न स्थानों में योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को योग सिखलाया व बतलाया गया।

आभार जताने खैरा पहुंची सांसद सह केंद्रीय मंत्री, कार्यकताओं ने किया स्वागत

टाटीझरिया - प्रखंड क्षेत्र के खैरा चौक पर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्री सह सांसद कोडरमा अन्नपूर्णा देवी ने आभार जताने के लिए खैरा पहुंची जहां सांसद प्रतिनिधि महेश अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने ढोल नगाडा एवं बुके देकर स्वागत किया। मंत्री के साथ स्थानीय विधायक

अमित यादव, जिला उपाध्यक्ष सुनील मेहता,बटेश्वर मेहता,अशोक यादव शामिल था। सभी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री सह सांसद को बारी-बारी से बुके देकर स्वागत किया। सांसद सह केंद्रीय मंत्री ने कही कि आपलोग का जो आशीर्वाद मिला उसका भरपाई जरुर करेंगे। आपलोगों का वोट बेकार नही जायेगा। सभी समस्याओं का समाधन जरूर होगा।

टाटा स्टील झरिया डिवीजन ने जामाडोबा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

जामाडोबा। टाटा स्टील झरिया डिवीजन ने आज डिगवाडीह 10 नंबर गेस्ट हाउस लॉन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। योग सत्र का संचालन झरिया डिवीजन के हेड सेफ्टी बरुण कुमार बनर्जी ने किया। सत्र में विभिन्न योग आसन, व्यायाम और प्राणायाम शामिल थे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को योग के महत्व पर जोर दिया और उनसे योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया।इस सत्र में मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार गुप्ता, चीफ जामाडोबा ग्रुप, झरिया डिवीजन, बरुण कुमार बनर्जी, हेड सेफ्टी, झरिया डिवीजन, प्रसेनजीत सामंता, हेड (बीसीपीपी), राजेश कुमार, यूनिट हेड टाटा स्टील फाउंडेशन, अधिकारी और उनके जीवनसाथी, एस्पायरिंग इंजीनियर्स, इंस्पायर टेक्निकल स्कूल समर इंटर्न, फीडर सेंटर के कैडेट और समुदाय के लोग शामिल हुए।योग सत्र का आयोजन टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से झरिया डिवीजन के एचआरबीपी मैनेजर महेंद्र सिंह ने किया था।

धनबाद मंडल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

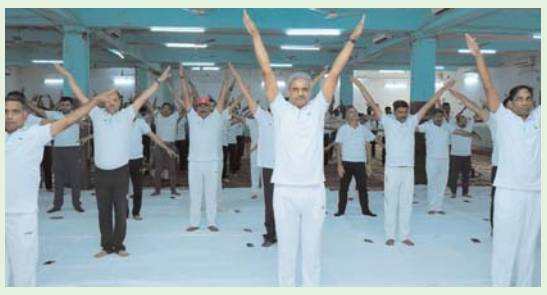

धनबाद। धनबाद मंडल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया 7 इस अवसर पर बहुदेशीय सामुदायिक भवन, रांगाटांड़, धनबाद में योग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा सहित मंडल के अन्य उच्चाधिकारियों, कर्मचारियों, भारत स्काउट एंड गाइड के सदस्यों एवं यूनियन तथा एसोसीएशन के प्रतिनिधियों द्वारा योग प्रशिक्षक के नेतृत्व में योगाभ्यास किया। इसके साथ ही मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने वहां उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। योग से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसलिए हम सभी को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए।

निरसा विधानसभा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

एग्यारकुंड। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एग्यारकुंड प्रखंड कार्यालय द्वारा मैथन गोगना छठ घाट में योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रखंड एवं अंचल के सभी कर्मचारियों सहित मुखिया,पंचायत सचिव,सभी पंचायत समिति,सभी रोजगार सेवक व अन्य लोग भी शामिल हुए। मैथन छठ घाट में योगा ट्रेनर के रूप में भोला पांडे और पंचायत समिति मधु सिंह द्वारा योग के कई बातों को सिखलाया गया। जिसमें प्रमुख रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी मधु कुमारी,अंचल अधिकारी श्री कृष्ण कुमार मरांडी,समाज सैवी मधु सिंह,प्रखण्ड प्रमुख संगीता महतो,उपप्रमुख विनोद दास,पंकज कुमार सिंह अलावे अनेको मौजूद थे। वही अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैथन क्लब मैथन में योगासन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हर उम्र के महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सबसे अधिक उम्र 85 वर्ष के डीवीसी के पूर्व कर्मचारी ईश्वर बाल्मीकि एवं सबसे कम उम्र 5 वर्ष की इन्द्रानी ने भाग लिया। आज के कार्यक्रम में 75 लोगों ने भाग लिया। योगासन के योगगुरु राजकुमार पासवान द्वारा योगासन कराया गया। पहले की तरह आज भी मैथन क्लब में प्रतिदिन सुबह योगासन किया जाता है। योगासन समाप्त होने के बाद मैथन क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्री आर के प्रसाद द्वारा हर प्रतिभागियों को फल वितरित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के सचिव बी आर मजूमदार, क्लब के कमिटी सदस्य एस के घोष,धर्म देव सिंह, राहुल मिश्रा, पी कविराज,निशीथ मुखर्जी,कालू बहादुर का मुख्य योगदान रहा।होप क्लिनिक एवं मैटरनिटी सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम मे डॉ अवंतिका ने योग कराई एवं स्वस्थ,सुखी और शांतिपूर्ण जीवन के लिए कुछ शारीरिक व्यायाम,प्राणायाम और राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया गया।

स्वस्थ और खुशहाल बनने के लिए योग काफी असरदार : न्यायाधीश

धनबाद। आज पूरी दुनिया योग की ताकत को मानती है, डालसा सचिव अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने कहा कि आज के व्यस्ततम जीवनशैली, में लोगों को चिंता, अवसाद जैसी मनोवैज्ञानिक और मानसिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है. जो इस समय मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया कि इस बार लीगल एट डिफेंस काउंसिल सिस्टम, सभी लीगल लिटरेसी क्लब में भी डालसा के पीएलभी,पैनल अधिवक्ताओं के द्वारा योग कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय राम शर्मा, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय टी हसन, अपर न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय एसएन मिश्रा,जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह,रजनीकांत पाठक, दुर्गेश चंद्र अवस्थी,प्रभाकर सिंह, स्वयंभू,संजय कुमार सिंह,कुलदीप मान , नीरज विश्वकर्मा प्रफुल्ल कुमार,साकेत कुमार,अंजनी अनुज, पारस कुमार सिंह,राकेश कुमार,मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला,अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी,अवर न्यायाधीश निताशा बारला,स्वेता कुमारी, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी समेत सभी न्यायिक पदाधिकारीयों ने योगासन किया।

मन्दिर के पास की जमीन कब्जा करने आये जमीन माफियाओं को महिलाओं ने खदेड़ा

- हर कीमत चुकाएंगे लेकिन जमीन पर किसी का कब्जा नहीं होने देंगे- ग्रामीण

कतरास-यज्ञ मंडप व दुर्गा मंदिर के पास की जमीन को कब्जा करने आए जमीन माफियाओं को स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने खदेड़कर भगा दिया. मामला कतरास तोपचांची मुख्य मार्ग के किनारे स्थित फुलवार रघुनाथपुर पंचायत का है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रघुनाथपुर पंचायत के कुछ स्थानीय जमीन दलालों का सहयोग लेकर कुछ जमीन माफिया रघुनाथपुर पंचायत के यज्ञ मंडप व दुर्गा मंदिर के सामने की जमीनों पर कब्जा करने की नीयत से आये और जेसीबी से ट्रेंच काटने

लगे. इसकी भनक लगते ही सैकड़ों की संख्या में गाँव की महिलायें मौके पर पहुंच गई तथा जमीन कब्जा होने का विरोध करते हुए जमीन माफियाओं एवं उनके सहयोगियों को घेर लिया. सैकड़ो ग्रामीण महिलाओं के सामने खुद को लाचार व बेबस होकर घिरता देख जमीन माफिया व उसके सहयोगी किसी तरह से अपनी जान बचाकर भागे. उपस्थित ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि उक्त जगह के समीप भव्य दुर्गा मंदिर निर्माणाधीन है. बगल में शिव मंदिर व यज्ञ मंडप भी है. प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रत्येक वर्ष यहां भव्य कार्यक्रम किया जाता है. कोड़ाडीह, प्रधानखंता, गोपालपुर, सिसकारी, बरवाडीह, क्षत्रु टाँड़ आदि कई पंचायत व गाँवो के लोग यहाँ नित्य प्रति दिन पूजा करने के लिए आते हैं. हजारों की भीड़ होती है व मेला भी लगता है. जमीन पर अतिक्रमण हो जाने से यह सब कार्यक्रम बंद हो जाएगा. बताया कि इसके पश्चिम दिशा की ओर राजमयी तालाब और उत्क्रमित उच्च विद्यालय फुलवार है जिसके जाने का एकमात्र रास्ता यही है. गांव की महिलाएं नहाने के पश्चात इसी रास्ते से होकर गुजरती है. बाहरी लोगों के बस जाने से महिलाओं को काफी असहज महसूस होगा. घटना के बारे में जिक्र करते हुए महिलाओं ने बताया कि जमीन माफिया किसमे के कुछ बाहरी लोग आए थे तथा जोर जबरदस्ती करते हुए जेसीबी मशीन से मिट्टी काटना शुरू कर दिए जिसका हम सभी महिलाओं ने विरोध किया. इसके बाद वे लोग वापस चले गए. गांव के लोगों ने पुनः मिट्टी कटे हुए स्थान की भराई कर दी. महिलाओं ने बताया कि उक्त जमीन सरकारी है जिस पर गांव के लोगों ने श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा मंदिर निर्माण समिति फुलवार के नाम से बोर्ड लगा दिया है. बोर्ड में लिखा है कि यह जमीन दुर्गा मंदिर का है, यह जमीन बिक्री का नहीं है. ग्रामीणों ने कहा कि किसी भी कीमत पर वे लोग इस जमीन पर किसी का कब्जा नहीं होने देंगे. हालांकि उक्त जमीन सरकारी है अथवा नही यह तो विभागीय जांच पड़ताल के बाद ही पता चल पायेगा.

योग हमारी प्राचीन जीवन पद्धती है, योग से होता शारीरिक एवं मानसिक विकास - उपायुक्त

शरीर को तंदुरूस्त रखने के लिए योग जरूरी - पुलिस अधीक्षक

बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में जिला आयुष समिति एवं जिला गंगा समिति द्वारा शुक्रवार को 10 वे. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उपायुक्त विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी, नेहरू युवा केंद्र के सदस्य, नमामि गंगे अंतर्गत जिला गंगा समिति के सदस्य, सिविल डिफेंस के सदस्य, विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय चास की बच्चियां, काफी संख्या में आमजनों ने योगाभ्यास किया।मौके पर उपायुक्त विजयी जाधव ने कहा कि योग हमारी प्राचीन जीवन पद्धती है। वर्तमान समय में जीवन में योग का महत्व और बढ़ जाता है। योग करने से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित योग जरूरी है। उन्होंने जिलावासियों से योग को अपने जीवन शैली (लाइफ स्टाइल) में शामिल की बात कहीं। इस अवसर पर पुलिस

अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने कहा कि स्वास्थ्य रहने के लिए योग आवश्यक है, वह स्वयं नियमित इसे करते हैं। उन्होंने आमजनों को अपने शरीर को तंदुरूस्त रखने के लिए योग को दिनचर्या में शामिल करने का अपील किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार ने कहा कि योग करने के कई फायदे हैं। योग का हमारे जीवन में काफी महत्व है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी है। उन्होंने स्वयं योग करने एवं दूसरे को भी योग के लिए प्रेरित करने को कहा। उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, डीपीएलआर, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी चास आदि ने जिला वासियों को दस वें. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।पुलिस लाइन मैदान में आयोजित जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में काफी संख्या में में प्रशासनिक पदाधिकारी/कर्मी, विद्यालय के छात्र ङ्क छात्राएं, पुलिस जवान, सीनियर सीटीजन, पुरूष ङ्क महिला आदि ने योगाभ्यास किया। प्रातः सुबह 6.30 बजे से 07.30 बजे तक सभी ने योग किया। प्रशिक्षक राम प्रवेश कुमार एवं उनके टीम द्वारा क्रमवार पद्मासन, वज्रासन, सिद्धासन, मत्स्यासन, वक्रासन, अर्ध.मत्स्येन्द्रासन, गोमुखासन, पश्चिमोत्तनासन, ब्रात्म मुद्रा, उष्ट्रासन, गोमुखासन, अर्धहलासन, हलासन, सर्वांगासन, विपरीतकर्णी आसन, पवनमुक्तासन, नौकासन, शवासन, मकरासन, धनुरासन, भुजंगासन, शलभासन, विपरीत नौकासन, ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचंद्रमासन, अर्धचक्रासन, दो भुज कटिचक्रासन, चक्रासन, पादहस्तासन, शीर्षासन, मयुरासन, सूर्य नमरूस्कार आदि का योग प्रशिक्षण दिया गया। योगाभ्यास में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, डीडीसी के अलावा सिविल सर्जन डा. दिनेश कुमार, सिटी डीएसपी आलोक रंजन, जिला जन संपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, जिला पशुपालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला खेल पदाधिकारी श्रीमती हेमलता बुन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी शामिल हुए।

बाघमारा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

बाघमारा। बाघमारा क्षेत्र में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के द्वारा डेफोडिल स्कूल डुमरा, स.शि.वि.मंदिर बाघमारा , संस्कार ज्ञानपीठ,वरिष्ट माध्यमिक विद्यालय,पीयूष विहार हरिना, बीसीसीएल एरिया वन बरोरा क्षेत्र में महाप्रबंधक पियूष किशोर एवं बाघमारा कॉलेज बाघमारा में योग दिवस मनाया गया। इस दौरान डेफोडिल स्कूल के सैकड़ो बच्चे,स्कूल शिक्षक,स्टाफ एवं लायंस सदस्यों ने लाभ लिया।योग शिक्षक विवेक विनायक ने योगासन के महत्व बताते हुए प्रतिदिन योगासन करने का सलाह दिए।संस्कार ज्ञानपीठ विद्यालय के निदेशक डॉ मुकेश कुमार रॉय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ओर प्राणायाम का सेहत ओर जीवन में महत्व समझाने के लिए मनाया जाता है। यह दिन योग के प्रति लोगो को जागरूक करता है।हम अपने जीवन में योग को अपनाकर जीवन भर आरोग्य रह सकते है। योग मन शरीर ओर आत्मा के बीच संतुलन बनाने में भी मदद करता है। वही बाघमारा कॉलेज बाघमारा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खुद को स्वास्थ ओर निरोग रखने के लिए योगाभ्यास किया। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य संतोष कुमार झा ने कहा कि योग दिवस की महत्ता को स्पष्ट करते हुए? कहा 21जून को उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन होता है और? इस दिन सबसे अधिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है । इसी वजह से 21जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। सभी को? अपने? जीवन? मे योग अपनाना चाहिए। वही बाघमारा पोलो ग्राउंड मैदान में भारतीय जनता पार्टी के धनबाद लोकसभा के सांसद ढुल्लू महतो के बड़े भाई शरद महतो के उपस्थिति में विशेष योग प्रशिक्षक कृष्ण मुरारी मिश्रा के दिशा निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी बाघमारा मंडल के तत्वावधान में योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सारे महानुभावों को योग कार्यक्रम के प्रभारी सत्यनारायण पांडे के द्वारा सभी का अभिनंदन किया गया।

डीवीसी चंद्रपुरा के फुटबॉल मदान में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

चंद्रपुरा । दामोदर घटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के फुटबॉल मैदान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डीवीसी के अधिकारियों , कर्मचारियों एवं अन्य कर्मियों, स्थानीय लोगों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज योगासन किया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने कहा की चंद्रपुरा में योग कार्यक्रम निरंतर चलता है । लोगों को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना जरूरी है। भारत में प्राचीन काल से ही योग किया जाता रहा है। लोग 365 दिन योग कर फिट दिवस मनाए । उन्होंने कहा कि चंद्रपुरा में मोहल्ला समिति के द्वारा भी योग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यहां के कई स्थानों पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में योग का कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा रहा है उन क्षेत्रो में भी मोहल्ला समित द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन आरंभ करने के लिए प्रेरित किया जाएगा । योग प्रशिक्षक श्याम देव प्रसाद और उनकी टीम के सदस्यों ने भारत सरकार के नियमानुसार लोगों को योग कराया। योग कार्यक्रम में लोगों ने खूब पसीना बहाया। योग कार्यक्रम में वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश साह, डीसी पाण्डेय, उप महा प्रबंधक संजीव कुमार, दीपक कुमार, आर आर ओझा, दिलीप कुमार, उप समादेष्टा नकुल वर्मा , अंचल अधिकारी एन के वर्मा, प्रखंड विकास पदाधिकारी ईश्वर दयाल महतो , अजय कुमार, रविंद्रकुमार, राजीव ओझा, अरविंद कुमार, अक्षय कुमार, आदि उपस्थित थे।

कतरास में नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म तीन युवकों ने कुकर्म के बाद बनाया वीडियो, 3 गिरफ्तार

कतरास। कतरास थाना क्षेत्र की जरलाही बस्ती की एक 12 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है. शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुरुवार देर शाम दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है एवं तीसरे युवक को शुक्रवार दोपहर को पकड़ने में सफलता मिली हैं. जानकारी के अनुसार तीन युवकों ने नाबालिक के साथ दरिंदगी की है तीनों युवक नाबालिक को बहला फुसला कर आकाशकिनारी बस्ती के बीच झाड़ियां में ले जाकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया. दरिंदों ने इस दौरान नाबालिक का एक वीडियो भी बनाया है. नाबालिग बच्ची के विरोध करने पर तीनों युवक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देते थे डर से बच्ची अपने घर वालों को कुछ नहीं बता रही थी.

आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस एंड इट्स रोल इन अकैडमिक एक्सलेन्स :

द बीगिन्निंग ऑफ अ न्यू एरा पर कार्यक्रम आयोजित

धनबाद। सीएसआईआर-केंद्रीय खनन और ईंधन अनुसंधान संस्थान (सीआईएमएफआर) ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय, दलदली, धनबाद के छात्रों के लिए ÷आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस एंड इट्स रोल इन अकैडमिक एक्सलेन्स -द बीगिन्निंग ऑफ अ न्यू एरा÷ पर एक प्रदर्शन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना था। इसमें आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस का परिचय, इसके प्रयोग, फायदे, नुकसान, और भविष्य की संभावनाओं को शामिल किया गया था। छात्रों ने बड़ी उत्सुकता और रुचि के साथ इस आयोजन में भाग लिया। कुल 53 छात्र और 2 शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय, दलदली, धनबाद से कार्यक्रम में शामिल हुए। दिलीप कुम्भकार, प्रमुख मानव संसाधन विकास विभाग, जिज्ञासा एवं कौशल के मार्गदर्शन में अनंत स्टीफन बेसरा, रूपा सिंह, मनीष पाठक, सुनीता कुमारी, और स्वेता कुमारी ने छात्रों को शिक्षा में आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस के उपयोग पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने यह बताया कि कैसे एआई शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ा सकता है, व्यक्तिगत शिक्षण अनुभवों कोअनुकूलित कर सकता है, और अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित कर सकता है, जो छात्रों के भविष्य के करियर आकांक्षाओं के साथ मेल खाता है। एआई को शिक्षकों और छात्रों के लिए एक अनिवार्य उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे सीखने के परिणामों में सुधार, ज्ञान अर्जन, और अधिक दक्षता प्राप्त हो सके।

उपायुक्त माधवी मिश्रा ने की आधारभूत संरचना एवं परियोजना से संबंधित समीक्षा बैठक

धनबाद/उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में 21 जून को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आधारभूत संरचना एवं परियोजनाओं से संबंधित समीक्षा बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), पथ निर्माण विभाग (आरसीडी), रेलवे, झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकरण (एस एच ए जे), पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, (जुडको लिमिटेड), नगर निगम, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल समेत अन्य विभागों के तहत कार्यान्वित योजनाओं के विकास की समीक्षा की।बैठक के दौरान उपायुक्त ने परियोजनावार अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों एवं मुआवजा भुगतान की जानकारी ली। उपायुक्त द्वारा इन मामलो में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाई करते हुए मामले के निष्पादन

करने की बात कही। उन्होंने समय से परियोजना पूरी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में नगर आयुक्त रविराज शर्मा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, डीएलएओ राम नारायण खालको, आईटी मैनेजर रूपेश मिश्रा समेत सभी अंचलाधिकारी, एनएचएआई, पथ प्रमंडल, जुडको, रेलवे, के पदाधिकारी मौजूद रहें।

स्वस्थ व्यक्तित्व एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग जरुरी- डॉ निलेश कुमार सिंह

आर.एस.पी. कॉलेज, झरिया में योग दिवस के अवसर पर योग का प्रशिक्षण दिया गया. ज्ञात हो कि प्राचार्य डॉ. निलेश कुमार सिंह स्वयं योगाभ्यास के जानकार व्यक्ति हैं और इस अवसर पर स्वयं योगाभ्यास करके योग की जानकारी महाविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को दी। डॉ सिंह ने मानव जीवन मे योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्तित्व एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग जरुरी एवं अनिवार्य है। ऐसे समय मे जब हर व्यक्ति किसी न किसी रोग से ग्रसित हैं और युवाओं मे तनाव एवं डिप्रेशन तेजी से बढ़ रहा है। योगाभ्यास को दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाकर हम अपने स्वस्थ जीवन को मजबूती दे सकते हैं। कार्यक्रम मे प्रो. रमेश सरदार, प्रो रजनी बारा, डॉ उपेंद्र कुमार, प्रो रितेश रंजन,डॉ श्याम किशोर प्रसाद, डॉ अशोक कुमार चौबे, प्रो एतवा टूटी, प्रो विजय विश्वकर्मा, प्रो. रामचंद्र कुमार, डॉ. शुभा अजमानी, प्रो. माधुरी विंझा, डॉ मनोरंजन सिंह, डॉ अनिल सिंह, प्रो पंकज बरनवाल समेत कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षकेत्तर कर्मी मौजूद थे।

शहरी आवास का लाभ दिलाने के लिए पूर्व विधायक से मिले कई लाभुक

हरिहरगंज पलामू

हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत शहरी आवास योजना से वंचित कई लाभुकों ने हरिहरगंज हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष कुशवाहा शिवपूजन मेहता से उनके आवास पर मिले। पूर्व विधायक से शहरी पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। मालूम हो कि 212 लाभुकों का चयन रद कर दिया गया था। बाद में नगर पंचायत हरिहरगंज कार्यालय द्वारा 140 लाभुकों को जांचों उपरांत स्वीकृत कर दिया गया। इस मामले में पूर्व विधायक कुशवाहा पूजन मेहता ने कहा कि शेष बचे 72 लाभुकों को लाभ दिलाने के लिए कार्यपालक पदाधिकारी से बात कर बचे हुए लाभुकों को भी स्वीकृत करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारीयों द्वारा आश्वासन दिया गया कि जल्द ही

शेष लाभुकों को लाभ दिया जाएगा। विधायक श्री मेहता ने कहा कि रविवार के दिन सभी लाभुकों के साथ प्रखंड कार्यालय जाकर उक्त मामला को कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष रखेंगे। साथ ही कहां की लाभ से वंचित लाभुकों को उचित जांच कर तत्काल निराकरण करने की मांग रखेंगे। हर हाल में सभी लाभुको को शहरी आवास दिया जाए ताकि लोगों को दर-दर भटकना न पड़े। कहा कि वह पुरजोर तरीके से उक्त मामला को पदाधिकारी के समक्ष अपनी बात रखेंगे। उन्होंने सभी लाभुको को रविवार के दिन प्रखंड मुख्यालय आने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लाभ से वंचित सभी लाभुक पूर्वाहन 10ः00 बजे उनके आवास पर हर हाल में आ जाएं ताकि सामूहिक रूप से कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष उचित मांग को रखा जाए। पूर्व विधायक से मांग करने वालों में कुंती देवी, विकास मेहता, मन्त्रा देवी, जगती देवी, रुक्मिणी देवी, चंद्रदीप महतो, सुमित्रा देवी, रामजी मेहता, रेशमी देवी, कविता देवी, ममता देवी, राधा देवी, सविता देवी, मंजू देवी, उषा देवी, कविता देवी सहित कई आवास के लाभुक मौजूद थे।

बच्चों के साथ अब 18 वर्ष से उपर युवाओं को टीबी से बचाव के लिए बीसीजी का लगेगा टीका

चतरा, उपायुक्त रमेश घोलप के निर्देश में विकास भवन सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त पवन कुमार मण्डल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (डीटीएफ)की एसीएफ फोर टी0बी0 एण्ड एडल्ट बी0सी0जी0 टीकाकरण की बैठक हुई।

बैठक में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, एस0एम0ओ0 डब्लू0एच0ओ0 के द्वारा एडल्ट बी0सी0जी टीकाकरण के बारे में विस्तार से बताया गया कि नवजात बच्चों को टीबी0 की बीमारी से बचाव हेतु बी0सी0जी0 का टीका दिया जाता है, के सफलता के बाद अब वयस्कों एवं बुजुर्गों को भी बी0सी0जी0 का टीकाकरण किया जायेगा, पूरे जिले में घर-घर सर्वे का कार्य जारी है, इसके पश्चात् चिन्हित व्यक्तियों को संभावित माह जुलाई से बी0सी0जी0 टीकाकरण का एक टीका दाहिने हाथ में दिया जायेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु डीटीएफ के सभी सदस्यों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन डा0 जगदीश प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, डी0आर0सी0एच0ओ0 डा0 एल0आर0 पाठक, उपाधीक्षक डा. मनीष लाल, जिला मलेरिया पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, जिला महामारी विशेषज्ञ समेत अन्य पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

स्वस्थ व निरोग रहने के लिए नियमित योग जरूरी, मंत्री

चतरा, 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार सुबह जिला मुख्यालय स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के मंत्री सत्यानन्द भोक्ता ने शामिल हुए। मंत्री ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्री, जनप्रतिनिधि, अधिकारी व आम लोगों ने एक साथ योग किया। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा शरीर को अगर स्वस्थ्य रहना है तो नियमित योग कीजिए। योगा करने से किसी भी तरह की बीमारी नही होती हैं। योग करे रहें निरोग का नारा बुलंद किया। इस कार्यक्रम उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल, जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय समेत सैकड़ों की संख्या में आम नागरिकों ने हिस्सा लिया और योग के महत्व को समझा। जिले के इटखोरी, सिमरिया, हंटरगंज, कान्हाचट्टी, प्रतापपुर, लावालौंग, गिधौर, पत्थलगड्डा समेत प्रखंडो में अधिकारी, जनप्रतिनिधि समेत आम लोगों ने योग किया।

हल्की बारिश में ही डूब गया देवी मंडप, पूजा अर्चना करना हुआ दूभर

कुडू - लोहरदगा। कुडू प्रखंड के चंदलासो पंचायत अंतर्गत कोकर गांव स्थित प्राचीन देवी मंडप बीते दिनों हुई हल्की बारिश में ही पानी मे डूब गया।

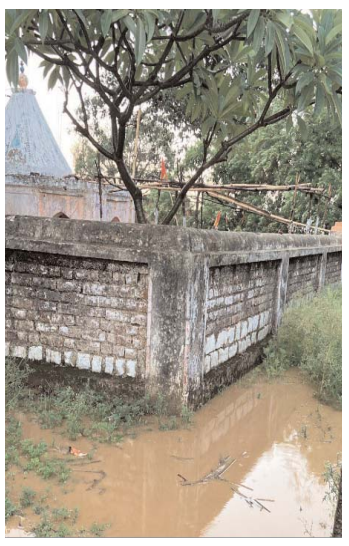

जिससे ग्रामीणों का पूजा अर्चना करना भी मुहाल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत की मुखिया के गैरजिममेदाराना रवैया और अनदेखी के कारण मंदिर के आसपास ऐसी हालत हुई है। गांव के अभय साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणों द्वारा दर्जनों बार मंदिर के समीप नाली निर्माण करने की मांग रखी गयी लेकिन मुखिया द्वारा फंड का नही होने का ही अलाप सुनने को मिला। बीते सोमवार को बारिश के बाद मंदिर के चारों ओर पानी भरने की सूचना पर जमा हुए ग्रामीण अभय साहू, संजय साहू, राहुल साहू, जयप्रकाश साहू, शिवटहल साहू, शिवनाथ साहू, दिगंबर साहू, सोनू मुंडा, रवि साहू, रंथु मुंडा, संतोष साहू, बजरंगी मुंडा, गब्बर साहू द्वारा फोन पर मुखिया को जानकारी देनी चाही लेकिन मुखिया ने फोन नही उठाया। और बाद में स्थल का निरीक्षण करने तक से मना कर दिया। इससे लेकर कोकर के ग्रामीणों में आक्रोश है।

जीवन में योग अपनाएं, निरोग रहें : डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण

लोहरदगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से बैडमिंटन कोर्ट हॉल (बहुद्देश्यीय भवन) में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि योग ऐसी क्रिया है जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। योग को हम सभी को अपनाना चाहिए। योग अपनाएं और निरोग रहें। आज के कार्यक्रम में वन प्रमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

विश्व योग दिवस पर हरिहरगंज व पीपरा प्रखंड के कई जगहों पर योग शिविर का हुआ आयोजन

हरिहरगंज पलामू। विश्व योग दिवस पर हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के टंडवा रोड दिव्या ट्रस्ट फाउंडेशन आश्रम, लुमिनस मेंटर्स अकैडमी महाराजगंज, ब्लॉक परिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हरिहरगंज थाना परिसर, पिपरा थाना परिसर, पंचायत सचिवालय व विद्यालयों में शुक्रवार को शिक्षक, छात्र-छात्राओं पंचायत के सचिवो,पंचायत प्रतिनिधियों,समाजसेवियो,सरकारी कर्मियों के नेतृत्व में योग शिविर का आयोजन किया गया। योगाभ्यास के दौरान योग शिविर में योग प्रशिक्षक सह संवाद प्रभारी आयुर्वेद एमडी डॉ संजय कुमार के द्वारा अनुलोम, विलोम, कपालभारती ,प्राणायाम, सूर्य नमस्कार ,भ्रामरी सहित कई अन्य योग कराए गए। हरिहरगंज सीएचसी प्रभारी राजेश कुशवाहा,हरिहरगंज प्रभारी थाना प्रभारी विगेश कुमार पिपरा थाना प्रभारी विमल कुमार, समाजसेवी राजीव रंजन, लुमिनस मेंटर्स अकैडमी के डायरेक्टर सत्येंद्र

कुमार शर्मा ने उपस्थित लोगो के बीच योग से होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग करने से तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। साथ ही शरीर में यूमनिटी पावर बढ़ता है। योगाभ्यास में समाजसेवी राजीव रंजन, एसआई बिगेश कुमार, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विजयेंद्र प्रसाद, ब्लॉक नजीर ब्रजेश कुमार, सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, प्रधान सहायक सरजू बैगा, संजय राणा, विचित्रा कुमारी, विजय प्रजापति, सतीश विश्वकर्मा, सुधीर सिंह, पारसनाथ, रंजन मनोज, अशोक कुमार, निरंजन सिंह, राहुल कुमार सहित क्षेत्र के सम्मानित नागरिक एवं छात्र उपस्थित रहे।

वज्रपात से छात्र घायल रिम्स रेफर।

बालूमाथ । एकीकृत प्रखंड बालूमाथ के सलैया पंचायत के मैलम ग्राम में शुक्रवार को बज्रपात होने से पांचवी कक्षा का छात्र रवि कुमार 15 वर्ष पिता तिलक भुईया ग्राम गंभीर उसे झुलस गया ।परिजनों द्वारा घायल अवस्था में रवि कुमार को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सक डॉक्टर सुरेंद्र कुमार द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि तेज आंधी तूफान चल रहा था इसी बीच रवि कुमार आम के पेड़ के नीचे जाकर आम चुन रहा था तभी एकाएक बज्रपात हुआ और वह गंभीर रूप से झुलस गया। घायल रवि कुमार उत्क्रमित मध्य विद्यालय लाटू के पांचवा कक्षा का छात्र है।

जेसीबी के धक्के से बाइक सवार बाप-बेटी गंभीर रूप से घायल

बिशुनपुर (गुमला) । बिशुनपुर थाना क्षेत्र के बनारी पिकेट केसमीप जेसीबी के धक्के से बाइक सवार बाप-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गयें। इस घटना में संगीता कुमारी (12) का बायां हाथ क्रेक कर गया । जबकि बाइक चला रहे पिता अमीरसाय विश्वकर्मा (37) के बायें पैर में गंभीर चोटलगी है। स्थानीय लोगों की मदद से उक्त दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर लाया गया जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक उपचार उपरांत बेहतर इलाज के लिए सदर गुमला रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में अमीरसाय ने बताया कि हम लोग छत्तीसगढ़ के चंपा गांव के रहने वाले हैं। मेरी पुत्री मेरे साढू के घर लबगा गांव रहकर पढ़ाई कर रही थी। जिसका टीसी सर्टिफिकेट निकालने हम लोग आरसी मध्य विद्यालय बनारी आए थे । लौट के क्रम में बनारी पिकेट के समीप आगे जा रहे जेसीबी मसीन को साइड ले रहे थे । तभी चालक ने मशीन को हमारे मोटरसाइकिल से सटा दिया जिससे यह घटना घटी।

संस्कार भारती ने स्कूली बच्चों के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग सरल ढंग से सहज और स्वस्थ जीवन जीने की कला है : शाजिया

गुमला। संस्कार भारती गुमला ने स्कूली बच्चों के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। जशपुर रोड स्थित शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान स्टार डीपीएस स्कूल के सभागार में संस्कार भारती के अध्यक्ष राम नरेश प्रजापति के नेतृत्व में ध्येय गीत साधयते संस्कार भारती - भारते नवजीवनम के सामुहिक गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर श्री प्रजापति ने सभी को योगासन व प्राणायाम का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से

योगाभ्यास करने की अपील की। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाध्यापिका शाजिया खातून ने कहा कि आज पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। यह हम भारतवासियों के लिए गर्व की बात है। योग को अपनाने से हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। वास्तव में योग सरल ढंग से सहज और स्वस्थ जीवन जीने की कला है। स्कूल के निदेशक संदीप प्रसाद ने कहा कि योग से पूरा विश्व लाभान्वित हो रहा है। उन्होंने जीवन में योग व प्राणायाम के महत्व को रेखांकित करते हुए इसका भरपूर लाभ उठाने की अपील की। आईऐ ऐसे सुंदर अवसर पर हम योग को अपनाये और जीवन को सुखी व स्वस्थ बनाएं। मौके पर संस्कार भारती गुमला के सचिव अनिकेत कुमार, कोषाध्यक्ष शिवम् जायसवाल, हरिओम सुधांशु, आनंद किशोर पंडा, शिक्षक-शिक्षिकाएं व बड़ी संख्या में स्कूली बच्चें उपस्थित थे।

आज जिला स्तरीय 10वां विश्व अंतराष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन उपायुक्त सहित जिले के तमाम वरीय अधिकारी भी हुए कार्यक्रम में शामिल

गुमला। शुक्रवार को नगर भवन गुमला में जिला प्रशासन एवं जिला आयुष समिति गुमला के संयुक्त तत्वाधान में जिले में 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस योग दिवस के अवसर पर आयुष समिति के प्रशिक्षकों के द्वारा सभी को विभिन्न योग अभ्यास करवाया गया। जिसमें लगभग 10 से अधिक योगाभ्यास शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपायुक् कर्ण सत्यार्थी, पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो, शाशिंद्र कुमार बड़ाई अपर समाहर्ता सहित जिले के वरीय अधिकारी, कर्मी सहित विद्यार्थी एवं बच्चे भी मौजूद रहें ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि योग अभ्यास से न केवल आप स्वास्थ्य रहेंगे बल्कि इससे जीवन में एक अनुशासन भी बनी रहती है एवं अनुशासन ही पूरे जीवन को एक सफल रूप देने का कार्य करती है। साथ ही इस दौरान उपायुक्त ने राज्य भर में मादक पदार्थों के सेवन ना करने के विरुद्ध 19 से 25 जून तक चलाए जा रहे

अभियान के विषय में उन्होंने प्रकाश डाला। उन्होंने कहा स्वास्थ्य जीवन के लिए नशीले पदार्थों के सेवन करने से भी बचे एवं स्वयं को एवं अपने संबंधियों को भी नशीले द्रवो का सेवन न करने के प्रति जागरूक करें। स्वास्थ्य समाज के निर्माण हेतु उन्होने सभी से राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि योग साधना में प्रति दिन दिए गए केवल 30 मिनट भी हमारे जीवन में एक सकारात्मकता की ऊर्जा उत्पन् करती है। नियमित योगाभ्यास करना हमारे मन और चित में एकाग्रता उत्पन्न करती है, हमारी 23बक्षमता का विकास करती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मन ही स्वास्थ्य शरीर का गठन करता है, अतः सदैव स्वास्थ्य रहें एवं निरंतर योगाभ्यास करते हुए स्वयं को एवं समाज को स्वास्थ्य बनाएं। योगाभ्यास के पश्चात बच्चियों के द्वारा योग से जुड़े एक बेहतरीन प्रस्तुति की गई इसके उपरांत सभी अतिथियों के बीच औषधीय पौधों का भी वितरण किया गया।

बिशुनपुर में टेम्पो और बोलेरो में भिड़ंत, छात्र की मौत, कई घायल

बिशुनपुर (गुमला)। थाना क्षेत्र के जतरा टाना भगत विद्या मंदिर स्थित पुल नदी के समीप टेम्पो और बोलेरो की भिड़ंत में एसएस हाई स्कूल 10 + 2 के छात्र करमचंद खेरवार 17 वर्ष लबगा गांव निवासी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चालक वीरेंद्र उरांव के सीने में गंभीर चोट लगी है। जबकि टेंपो में सवार छात्र रोशन बिरहोर 19 वर्ष, संदीप उरांव 18 वर्ष, मनीषा देवी 34 वर्ष, सुनीता मीणाबड़ा 35 वर्ष व उषा नगेसिया को गंभीर चोट लगी है। जिसका प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है वहीं घायल चालक वीरेंद्र उरांव को बेहतर इलाज के लिए सदर गुमला रेफर किया गया। घटना के संबंध में छात्रों ने बताया कि हम लोग स्कूल आए थे। लौट के क्रम में बिशुनपुर चौक के समीप टेंपो से बैठकर अपने घर की तरफ जा रहे थे । इसी क्रम में पुल नदी के समीप पीछे से आ रही एक बोलेरो ने टेंपो पर जोरदार टक्कर मार दिया । जिससे टेंपो सड़क पर ही पलट गया और यह घटना घटी। घटना की सूचना पर बिशुनपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा । साथ ही टेंपो एवं बोलेरो को कब्जे में करते हुए मृतक के शव का पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम का आयोजन

बालूमाथ। पतंजलि योगपीठ के बैनर तले शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बालूमाथ जोगियाडीह के बिरसा मैदान में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता योग समिति के प्रखंड अध्यक्ष बबलू चौरसिया ने की। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि नियमित योग करने से लोग निरोग रहते हैं स्वस्थ शरीर ही मनुष्य का सबसे बड़ा पूंजी ।आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 10 वर्ष पूरा हो गया है आप लोग आज से नियमित योग करें और इसका लाभ उठाएं ।वही विशिष्ट अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने कहा कि आज के परिवेश में हर कोई को नित्य दिन योग करना चाहिए बच्चे अभी से

ही योग करने की आदत डाल ले तभी उनका स्वास्थ्य दुरुस्त रहेगा।इससे पूर्व पतंजलि योगपीठ के प्रशिक्षक शतन सिंह एवं अजीत कुमार ओझा ने उपस्थित लोगों को योग अभ्यास कराया एवं योग से होने वाले फायदा को बताया ।वही बालूमाथ पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रियंका देवी ,बालूमाथ पुलिस इंस्पेक्टर परमानंद बिरुवा, सरायकेला के अंचल अधिकारी प्रवीण सिंह ने भी योग पर अपना विचार प्रकट करते हुए योग से होने वाले लाभ की जानकारी दी। इस मौके पर योग समिति के लालदेव गंझू,अखिलेश भोगता, ओम प्रकाश पांडे, शशि भूषण गुप्ता, दिलीप कुमार, सुरेंद्र गुप्ता,जमुना ठाकुर, राजू कुमार, रंजीत सिंह, किड्स जूनियर के विद्यालय के गजेंद्र वर्मा ,भाजपा मंडल महामंत्री रामकुमार गुप्ता, शिवमंगल सिंह ,अमित कुमार गुप्ता ,संजय गुप्ता , देवनंदन कुमार ,शैलेश सिंह ,विजय यादव, बिट्टू सिंह ,संतोष कुमार गुप्ता, कैलाश यादव ,जिज्ञासा कुमारी, पूनम कुमारी ,माही कुमारी समेत गुरुकुल विद्यालय ,ऑक्सफोर्ड विद्यालय किड्स विद्यालय के बच्चे एवं कई सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टी20 विश्व कप: सुपर आठ में आज बांग्लादेश पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। भारतीय टीम का मुकाबला शनिवार को आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने सुपर आठ के पहले मैच में अफगानिस्तान को आसानी से हराया है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने अच्छी बल्लेबाजी की थी जिससे वह यहां भी जारी रखना चाहेंगे। भारतीय टीम हालांकि इसके बाद भी बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में अच्छी साझेदारी बनाना रहेगा। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे भी अब तक इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं ऐसे में उनपर भी तेजी से रन बनाने का दबाव रहेगा। आईपीएल वह जिस प्रकार से बड़े शॉट लगा रहे थे वैसे यहां नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने केवल एक लीग मैच में अमेरिका के खिलाफ 31 रन बनाए अगर वह इस मैच में विफल रहे तो अगले मैच में उन्हें बाहर बैठना पड़ेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना भारतीय टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं गेंदबाजी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव ने अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे में उन्हें इस मैच में भी बनाये रखा जाएगा। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था कि बाएं हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से टीम को दबाव बनाने का अवसर है। एक कलाई के स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर होने से हमे लाभ हुआ है। इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हमारे पास अच्छी टीम है और हमारा तालमेल बेहतरीन है।

हम आपस में बात करते हैं कि देखते हैं कि जीत के लिए किस चीज की जरुरत है।

भारतीय टीम इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेगी।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है जिससे वह दबाव में रहेगी। सुपर आठ में उसे अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भी हार का सामना करना पड़ा था। अब वह अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिये हर हालत में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। उसके पास पावर हिटर्स की कमी है। सलामी बल्लेबाजों लिटन दास और तंजीद खान का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो भी टीम के शीर्ष क्रम की असफलता से परेशान हैं। ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद उन्होंने कहा था कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी लय में नहीं है जिससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ीं हैं। ऐसे में कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश = नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपरआठ मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कमिंस ने इस मैच में लगातार तीन गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया।

कमिंस ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली गेंद पर मेहदी हसन को एडम जम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद अगले ही ओवर की पहली ही गेंद पर कमिंस ने तौहीद हृदय को पेवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 20वां ओवर था। कमिंस ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। यह टी20 विश्वकप इतिहास में सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने इस प्रकार से हैट्रिक लगायी है। विश्वकप में पहली हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया के ही ब्रेट ली के नाम है। ब्रेट ली ने भी ये हैट्रिक साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इस प्रकार कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं।

टी20 विश्व कप इतिहास में केवल पांच टीमों के गेंदबाज के नाम ही हैट्रिक हैं। इनमें से दो-दो गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्रेट ली के बाद ये कारनामा कमिंस ने किया है। जबकि आयरलैंड की ओर से कर्टिस कैम्फर और जोशुआ लिटिल ने हैट्रिक लगायी है। इसके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और यूएई के कार्तिक मयप्पन ने भी हैट्रिक लगायी है।

सोशल मीडिया से गोपनीयता हुई प्रभावित : ब्रेट ली

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज बन गयी है। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं। कोई भी जो किसी लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा।

वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने टेलर ने कहा कि आजकल सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरें खिलाड़ियों पर रहती हैं इसलिए सभी बातों का ध्यान रखना जरुरी है। टेलर सोशल मीडिया से हो रही इस निगरानी को गलत भी नहीं मानते।

उलटफेर में माहिर अमेरिका के खिलाफ वेस्टइंडीज के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार के बाद वेस्टइंडीज को सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार रखने के लिए 'छिपे रूस्तम' अमेरिका के सामने शनिवार को दूसरे मैच में हर हालत में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। ग्रुप चरण में अपराजेय रहने के बाद वेस्टइंडीज को सुपर आठ चरण के पहले मैच में गत चैम्पियन इंग्लैंड ने आठ विकेट से हराया।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम रहे और पारी में 51 डॉट गेंदें रही। इस हार के बाद रोवमैन पॉवेल की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गई है और उसका नेट रनरेट भी माइनस 1.343 है। उसे तीसरा खिताब जीतने की उम्मीदें बनाए रखने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। दूसरी ओर पहले ही मैच में पाकिस्तान को हराने के बाद अमेरिका ने भले ही कोई मैच नहीं जीता हो लेकिन भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका पर अप्रत्याशित जीत के करीब पहुंचने के बाद 18 रन से हार गई।

सह मेजबान अमेरिका ने अभी तक आक्रामक क्रिकेट खेली है और इस मैच में भी उससे यही उम्मीद होगी। अमेरिकी बल्लेबाज स्टीवन टेलर ने मैच से पूर्व कहा, 'हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं और टीम का आपसी तालमेल कमाल का है। हमें पता है कि सुपर आठ की बाकी टीमों के सामने हमें कमजोर माना जाएगा। हम यहां अच्छा खेलने आए हैं। ऐसा कर सके तो जीतेंगे वरना हारेंगे।'

अमेरिका की कमजोरी उसका अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण है जिसके लिए वेस्टइंडीज के पावर हिटर्स निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल और पॉवेल को गेंदबाजी करना बड़ी चुनौती होगा। उप-कप्तान आरोन जोंस ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद कहा था, 'हमारी गेंदबाजी में अनुशासन का अभाव रहा। अच्छा क्रिकेट खेलने पर हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं लेकिन हमें अनुशासित प्रदर्शन करना होगा।'

दूसरी ओर वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम का मनोबल गिरा नहीं है। उन्होंने कहा, 'किसी टूर्नामेंट में किसी मैच में विरोधी टीम आप पर हावी हो जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि आप बाहर ही हो गए हैं। अब हमें सारे मैच जीतने होंगे और हमारा फोकस उसी पर है।% इंग्लैंड के खिलाफ बाजू में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हुए ब्रेंडन किंग का खेलना संदिग्ध है। उनके नहीं खेलने पर शिमरोन हेटमायेर को टीम में जगह मिलेगी। वहीं अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद से बाहर हैं।

टीमें

अमेरिका = मोनांक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज़ गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

वेस्टइंडीज = रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सही नहीं मानते एम्बरोज

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे कर्टली एम्बरोज ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जा रहा है वह ठीक नहीं है। एम्बरोज के अनुसार इससे खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है। इतना ज्यादा क्रिकेट इसी कारण खेला जा रहा है। एक श्रृंखला के बाद दूसरी श्रृंखला और इस बीच फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग चलता रहता है। यह रोमांचक है पर इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है, इससे खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो रही है। एम्बरोज ने सीमित ओवरों की क्रिकेट भी काफी खेली है पर उनका मानना है कि लीजैंड टेस्ट क्रिकेट से ही निकलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को वरीयता दी है। मैने वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट भी खेला है लेकिन मेरे लिए वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं है। टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। अपने करियर के अंत में आप लीजैंड तभी कहलाएंगे जब आपने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा किया हो। वहीं इस पूव तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये। बुमराह के लिए ये राहत की बात है क्योंकि इससे पहले कई क्रिकेटरों का कहना था कि उन्हें अपने एक्शन को ठीक करना चाहिये क्योंकि इससे चोटिल होने का खतरा है। वहीं एम्बरोज के अनुसार कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे। उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा उठाना ही पड़ा है। इसमें एक्शन से कुछ फर्क नहीं पड़ता है।

ऋषभ पंत का बतौर विकेटकीपर कमाल, एक साथ तोड़ा दिग्गजों का कीर्तिमान

मुम्बई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान की टीम को 47 रन से हराया और इस मैच में ऋषभ पंत ने बतौर विकेटकीपर 3 कैच पकड़कर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारत और अफगानिस्तान के इस मैच में अफगानिस्तान के सभी 10 खिलाड़ी कैच आउट हुए जिसमें से 3 कैच पंत ने लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3 कैच लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3, रोहित शर्मा ने 2 जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक-एख कैच लिए। पंत ने इस मैच में विकेट के पीछे कमाल का काम किया और एक साथ 5 खिलाड़ियों के रिकॉर्ड तोड़ डाले। पंत ने अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ियों का कैच पकड़ा और एक साथ एडम गिलक्रिस्ट, मैथ्यू वेड, जोस बटलर, स्कॉट एडवर्ड्स और दासुन शनाका का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पंत ने टी20 वर्ल्ड कप म2024 के अब तक हुए मैचों में कुल 10 कैच पकड़े हैं और वो अब वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। पंत से पहले ये कमाल गिलक्रिस्ट ने साल 2007, मैथ्यू वेड ने साल 2021, जोस बटलर ने साल 2022, स्कॉट एडवर्ड्स ने साल 2022 और दासुन शनाका ने साल 2022 में ही बतौर विकेटकीपर 9-9 कैच लिए थे। लेकिन अब पंत ने एख सात इन सभी को पीछे छोड़ दिया।

टीम में अपनी जगह बनाये रखने प्रदर्शन में निरंतरता का प्रयास कर रही शर्मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड शर्मिला देवी ने कहा है कि अपने को बेहतर बनाने की चाहत के कारण ही वह टीम में वापसी कर पायी हैं। शर्मिला काफी समय तक टीम से बाहर रहने के बाद इसी साल एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच से वापसी करने में सफल रही थीं। इस खिलाड़ी ने कहा है कि वह अब टीम में अपनी जगह बनाये रखने के लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने का प्रयास कर रही हैं। शर्मिला ने कहा कि टीम से बाहर होने का दौर मुश्किल भर था पर उसे दौरान वह मानसिक रुप से मजबूत बनी रहीं जिसका लाभ उन्हें मिला है। इस खिलाड़ी ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल मई में टेस्ट श्रृंखला के बाद मुझे इस साल फरवरी 2024 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला। बीच का दौर मुश्किल था पर मैं सकारात्मक रुख के साथ धैर्यपूर्वक अपने अवसर का इंतजार करती रही।'' शर्मिला ने कहा ''मैंने अपने खेल पर काफी काम किया। मैं इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थी कि वापसी का यही एकमात्र रास्ता है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। फारवर्ड के रूप में अपने कौशल पर काम करने के अलावा मैंने रक्षात्मक मामलों पर भी ध्यान दिया।''

यूरो 2024 : गत चैम्पियन इटली को हराकर स्पेन नॉकआउट चरण में पहुंचा

गेलसेनकिरचेन (जर्मनी)। तीन बार की यूरोपीय चैम्पियन स्पेन ने मौजूदा चैम्पियन इटली को 1.0 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। रिकार्डो कालाफियोरी के 55वें मिनट में किये गए आत्मघाती गोल से स्पेन को जीत तोहफे में मिली। स्पेन ने हालांकि पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। इटली के कोच लूसियानो स्पालेत्ती ने हार के बाद कहा, 'वे जीत के हकदार थे। हम मैच में कभी थे ही नहीं। प्रदर्शन में काफी अंतर था।' स्पेन पिछले तीन विश्व कप से जल्दी बाहर होता आया है। वहीं पिछली यूरो चैम्पियनशिप में उसे इटली ने सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हराया था। ग्रुप सी के मैच में इंग्लैंड ने डेनमार्क से 1.1 से ड्रॉ खेला। वहीं सर्बिया और स्लोवेनिया का मैच भी 1.1 से ड्रॉ रहा।

ओडिशा सरकार ने हॉकी इंडिया के साथ प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ाया

भुवनेश्वर। (एजेंसी)। ओडिशा की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने हॉकी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए हॉकी इंडिया के साथ अपना प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ा दिया है। ओडिशा के लिए वर्ष 2036 विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तब उसकी स्थापना के 100 साल पूरे हो जाएंगे। ओडिशा 1936 में स्वतंत्र राज्य बना था।

इस साझेदारी को हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, खेल और युवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज, मुख्य सचिव और मुख्य विकास आयुक्त प्रदीप कुमार जेना और आयुक्त-सह-सचिव आर विनील कृष्णा की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय बैठक में मूर्तरूप दिया गया। टिर्की ने बयान में कहा, ''ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और खेल एवं युवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के साथ हमारी सार्थक बैठक हुई।

हमने खेलों के विकास और हमारे प्रिय खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की रणनीतियों पर चर्चा की।'' भोलानाथ ने कहा,''भारतीय हॉकी के लिए ओडिशा सरकार का समर्थन अमूल्य रहा है। हॉकी इंडिया के साथ भागीदारी 2036 तक बढ़ाने पर विचार करने का फैसला उनके खेल और युवा विकास को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

कैरन्स कप शतरंज : हरिका तीसरे स्थान पर पहुंची ,तान की बढ़त कायम

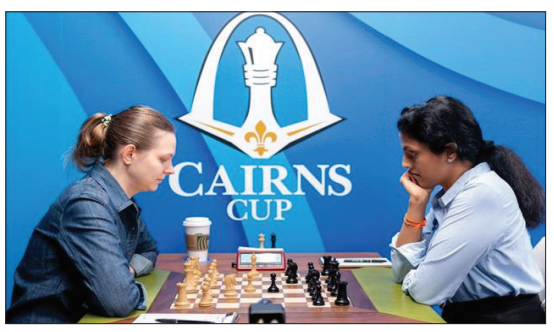

सैंट लुईस, यूएसए। भारतीय महिला खिलाड़ियों में हरिका द्रोणावल्ली लंबे समय से प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल है और शतरंज ओलंपियाड में देश के लंबे समय से वह देश के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी रही है, एक बार फिर जब शतरंज ओलंपियाड नजदीक है हरिका लगातार अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबले खेलकर खुद को लय में वापस लाने की कोशिश कर रही है, हरिका नें कुछ दिन पहले ही शारजाह मास्टर्स से शतरंज में वापसी की थी और वह वह यूएसए के महिलाओं के लिए खास होने वाले कैरन्स कप में प्रतिभागिता कर रही है। सातवें राउंड में हरिका नें उक्रेन की शीर्ष खिलाड़ी एना मुजयचूक से बाजी ड्रॉ खेली। 10 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में हरिका नें अब तक सात राउंड में छह मुक़ाबले ड्रॉ खेले है जबकि उन्हे एकमात्र जीत स्विट्जरलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक के खिलाफ मिली है ,अपने इस अपराजेय प्रदर्शन के चलते फिलहाल हरिका 4 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रही है। सातवें राउंड में चीन की तीन ज्होंगाई 5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है, तान नें सातवे राउंड में एलिज़ाबेथ को पराजित करते हुए टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज की है। फिलहाल चीन की तान 5 अंक बनाकर पहले स्थान पर चल रही है और अगले राउंड में हरिका का सामना उनसे ही होना है। स्विट्जरलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक लगातार जीत के साथ वापसी करते हुए 4.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है।

सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी कर रहे शादी? टेनिस आइकन के पिता ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी देश के दो सबसे सफल खिलाड़ियों में से हैं। सानिया भारत की सबसे महान महिला टेनिस खिलाड़ी हैं जबकि शमी चैंपियन तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल में पहुंचाया। हाल ही में दोनों की शादी की अफवाहें उड़ रही हैं। इन अफवाहों पर सानिया के पिता ने चुप्पी तोड़ते हुए सच्चाई बताई है।

इस साल की शुरुआत में सानिया और पाकिस्तान के क्रिकेट स्टार शोएब मलिक का तलाक हो गया था, वहीं शमी भी अपनी पत्नी हसीन जहां से अलग हो चुके हैं। हालांकि शादी की अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। सानिया मिर्जा के पिता इमरान ने कहा, 'यह सब बकवास है। वह उनसे मिली भी नहीं है।'

भारतीय टेनिस आइकन सानिया मिर्जा ने हाल ही में हज की पवित्र यात्रा शुरू की, लगभग 5 महीने पहले उन्होंने अपने क्रिकेटर पति शोएब मलिक से अलग होने की घोषणा की थी। सानिया ने पेशेवर टेनिस से भी संन्यास ले लिया है। सोशल मीडिया पर भारतीय खेल आइकन ने खुलासा किया था कि वह अब एक 'परिवर्तनकारी अनुभव' के लिए तैयार हो रही हैं, जिससे उन्हें एक बेहतर इंसान के रूप में लौटने की उम्मीद है।

रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सानिया ने लिखा, 'जैसा कि मैं इस परिवर्तनकारी अनुभव की तैयारी कर रही हूं, मैं विनम्रतापूर्वक किसी भी गलत काम और कमियों के लिए आपसे क्षमा मांगती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं और बेहद आभारी महसूस करती हूं। कृपया मुझे अपने विचारों और प्रार्थनाओं में याद रखें क्योंकि मैं जीवन भर की इस यात्रा पर निकल रही हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं एक बेहतर इंसान बनकर वापस आऊंगी, जिसका दिल विनम्र और ईमान मजबूत होगा।'

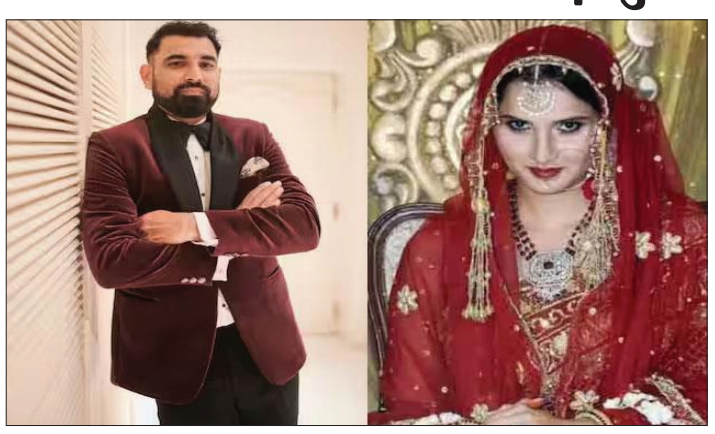

सुरेश कुमार ओझा का निधन, क्षेत्र में फैली शोक की लहर

पदमा। पदमा क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी सुरेश कुमार ओझा का निधन 72 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को हृदय गति रूकने से हो गई। लाटी पदमा गांव के निवासी सुरेश कुमार ओझा के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। ये अपने पीछे पत्नी मिथलेश देवी व सात बच्चे अनिरूद्ध कुमार ओझा, पिन्टु ओझा, रतन कुमार ओझा, कारू ओझा, अमलेश ओझा के अलावे भरा पूरा परिवार छोड़ गये। इनके निधन से इनके पारिवारिक सदस्य अविनाशी पाण्डेय, गौतम पाण्डेय, किंकर पाण्डेय व राम रक्षा पाण्डेय ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। रांची एक्सप्रेस के चैयरमैन सुधांशु सुमन ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि इनके निधन से क्षेत्र ने एक कर्मठ समाजसेवी को खो दिया है।

99 वर्ष की दादी ने किया योग दिवस पर योग

इन्दौर। 21 जून। योग दिवस मान्य प्रधानमंत्री, ग्रहमंत्री से लेकर, सेना, विभिन्न संगठनों, संस्थानों ने और परिवारों ने भी योग किया है। अनुप्रेक्षा परिवार ने जैन संस्कृति शोध संस्थान में योग का कार्यक्रम कर राष्ट्रीय योगदिवस के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। इसमें 99 वर्ष की दादी श्रीमती सोनादेवी ने भी भाग लिया। दृढ़ इच्छाशक्ति होने पर आवश्यक नहीं है कि कार्यक्रम के लिए विशाल जनसमुदाय ही एकत्रित हो, छोटे-छोटे समूह या एक-एक परिवार भी योग जैसा राष्ट्रीय कार्यक्रम कर राष्ट्र ओर दुनिया को सन्देश दे सकता है। योग के कार्यक्रम अनुष्का जैन ने संपन्न करवाये। जैन संस्कृति शोध संस्थान के सचिव डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज' ने कहा कि आज मानव द्वारा प्रगति करने की प्रतिस्पर्धा, भाग-दौड़, आपाधापी के समय में शारीरिक और मानसिक स्वस्थता के लिए योग नितान्त आवश्यक है। योग के सही तरह से इस्तेमाल करने से हमारा तन और मन पूरी तरह से ठीक हो जाता है। जब हम बीमार होते हैं उसके लिए दवाइयाँ खाते हैं तो हम तन और मन से टूट रहे होते हैं। हमारा किसी काम को करने का मन नहीं करता है। योग करने से इंसान निरोग रहने के साथ उत्साहित महसूस करता है। यही उत्साह उसे जीवन मे सफलता के रास्ते पर आगे बड़ाता है। योग करने से 1. शरीर हमेशा ऊर्जावान रहता है, 2. इसके माध्यम से शरीर की थकावट दूर हो जाती है, 3. इसके माध्यम से हमारा शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावात्मक, आध्यात्मिक विकास होता है, 4 शरीर के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है, 5. मस्तिष्क शांत रहता है, 6. तनाव, अनिद्रा, थकावट से मुक्त करता है योग, 7. इससे व्यक्ति अपने मन, बुद्धि, शरीर, आत्मा से जुड़ा रहता है। ऐसा व्यक्ति जो भी कार्य करेगा, अपने मन, बुद्धि ,शरीर, को उस कार्य में लगा देता है, जिसके कारण वह कार्य अच्छे से कर सकता है, 9. इससे यक्ति परिवार, समाज, वातावरण से भी अपने आप जुड़ जाता है। इस योग के कार्यक्रम में श्रीमती सोना देवी जैन, अनुभव जैन, श्रीमती आशा जैन, सुश्री दामनी, श्रीमती रानी-राजू लाल शर्मा, सुश्री रूपाली जैन, मुस्कान, मुस्कान की माँ एवं बहिनें, कमला देवी आदि सभी सम्मिलित हुए।

डीपीएस बोकारो में कलात्मक योग प्रदर्शन से बच्चों ने किया अचंभित

- शरीर, मन व आत्मा को जोड़ता है योग, विद्यार्थी रोज करें अभ्यास : डॉ. गंगवार

बोकारो। बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से शुक्रवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. ए एस गंगवार के नेतृत्व में विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे मनोयोग से योगाभ्यास किए। सीनियर इकाई में छात्र-छात्राओं ने सुंदर शास्त्रीय संगीत के बीच सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राओं के अलावा चक्रासन, धनुरासन सहित कई

योगासनों की सुंदर सामूहिक प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की टोली ने भांति-भांति के आसनों के माध्यम से त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश का सुंदर स्वरूप तथा समुद्र मंथन का मनोहारी योग-दृश्य प्रस्तुत किया। इस दौरान बच्चों के हाथ-पैर और पूरे शरीर की लचक देखते ही बन रही थी। विशेष रूप से छात्रा अनुष्का और किया कोरल ने मधुराष्टकम पर आधारित अद्वितीय योग-नृत्य प्रस्तुत कर सबकी भरपूर सराहना पाई। 180 डिग्री पर शरीर को मोड़ने की उनका कला ने सभी को अचंभित कर दिया।

इस कलात्मक योग-प्रदर्शन के दौरान विद्यालय का पूरा अश्वघोष कला क्षेत्र तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। इधर, प्राइमरी इकाई में भी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। विद्यार्थियों के प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए प्राचार्य डॉ. गंगवार ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिदेव महादेव ने योग की शुरुआत की थी। शरीर, मन और आत्मा को एकसूत्र में पिरोने की यह विद्या हमारे ऋषि-मुनियों की देन रही है। हमारे देश की यह सनातन धरोहर आज पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम - स्वयं एवं समाज के लिए योग - की चर्चा करते हुए डॉ. गंगवार ने बच्चों की शारीरिक स्फूर्ति और पढ़ाई में एकाग्रता के लिए उन्हें प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा योगाभ्यास करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बच्चों ने योग पर आधारित अपने कार्ड व अन्य कलाकृतियां प्राचार्य को भेंट कीं। उनके द्वारा हाथों से तैयार की गई पत्रिका योगानुभूति का विमोचन भी किया गया। इसके पूर्व, एक अलग सत्र में विद्यालय की फिजिकल एजुकेशन टीचर निभा कुमारी ने मुरली की मधुर तान के बीच शिक्षकों को भुजंगासन, वृक्षासन, शशांकासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। वहीं, लाफ्टर योगा का विशेष सत्र सभी के लिए काफी आनंददायक रहा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर न्यायालय परिसर में योग शिविर का आयोजन

स्वस्थ रहने के लिए योग अपनाऐ - जिला जज

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा- झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोडरमा व्यवहार न्यायालय परिसर में योग शिविर का का आयोजन किया गया । जिसमें कोडरमा न्याय मंडल के सभी न्यायिक प्राधिकारी एवं न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा बालकृष्ण तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालकृष्ण तिवारी ने कहा कि स्वस्थ्य एवं निरोग रहने के लिए योग बहुत ही आवश्यक है । इसलिए हम सबों को प्रतिदिन व्यस्तता के बावजूद समय निकालकर नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम करना चाहिए। प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार एवं अपर मुख्य

न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार के द्वारा कपालभाति प्राणायाम, अनुलोम- विलोम प्राणायाम, सर्वांगसन, भुजंगासन, ताड़ासन, सेतु बंद आसान, भुजंगासन, कधरासन, मंडूकासन, नौकासान के अलावा कई सूक्ष्म व्यायाम कराए गए। मौके पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर जिला जज तृतीय संजय कुमार चौधरी जिला अध्यक्ष चतुर्थ राकेश चंद्रा मुख्य न्यायिक डंडा अधिकारी अमित कुमार बैश, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार , सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गौतम कुमार, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी कंचन टोप्पो, न्यायाधीश प्रभारी शिवांगी प्रिया, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ज्योतना पांडे, नविता मिंज, मुंशीफ मिथिलेश कुमार, अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा सहित सभी न्यायालय कर्मी उपस्थित थे।

जीवन जीने का आधार और स्वस्थ जीवन शैली का नाम है योग- जानकी देवी

कतरास। विश्व योग दिवस के अवसर पर पूरे देश विदेश में योग के कई बड़े बड़े कार्यक्रम किये गए. इसमें आधी आबादी के नाम से जाने जानी वाली महिलाएं भी कहां पीछे रहने वाली थी. शुक्रवार को कई बड़े बड़े संगठनों और संस्थाओं के बैनर तले करोड़ों महिलाओं एवं पुरुषों ने योगाभ्यास कर जीवन जीने की कला सीखी. नारी उत्थान संकल्प समिति कतरास के बैनर तले जीएनएम मैदान में दर्जनों महिलाओं ने योगाभ्यास किया. कार्यक्रम में कतरास के विभिन्न जगहों से आए सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया. योग शिक्षिका श्रीमती चंद्रावती दीदी एवं लक्ष्मी दीदी के द्वारा योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आये जानी-मानी समाज सेविका डा0 मधुमाला ने कहा कि योग का ज्ञान लेने से नहीं बल्कि अपने तन मन को स्वस्थ रखने के लिए सभी को नित्य 1 घंटे का योग करना चाहिए. समिति की अध्यक्ष जानकी देवी ने कहा की कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की महिलाओं को योग के प्रति जागरूक करना है. सुखी परिवार और सबल समाज के लिए महिलाओं का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है. जीवन जीने का आधार और स्वस्थ जीवन शैली का नाम है योग. समिति का उद्देश्य योग को घर-घर तक पहुंचाना है. समिति के द्वारा वृक्षारोपण के लिए विभिन्न प्रकार के फलदार पौधों का वितरण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति की संगीता देवी, निरुपमा देवी, आरती देवी, शशि कला रावत, मुनिया देवी, कलावती देवी, सीमा देवी, चंचला देवी, सीमा देवी, लीला देवी, मीना देवी,इंदु देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थी।

स्वस्थ तन के द्वारा ही सामाजिक उत्थान संभव : नगर आयुक्त

हज़ारीबाग़ - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर निगम हजारीबाग क्षेत्रान्तर्गत नगर आयुक्त सह प्रशासक के निर्देशानुसार उप नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक ,कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता ,सिटी मैनेजर ,सिटी मिशन मैनेजर , सामुदायिक संगठनकर्ता तथा सामुदायिक संसाधन सेविका के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर झील परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से इस वर्ष की थीम पर नगर निगम की संपूर्ण टीम के द्वारा योग दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष की मुख्य थीम- योगा फॉर सेल्फ एंड

सोसाइटी को आधार मानते हुए नगर आयुक्त सह प्रशासक शैलेंद्र लाल, उपनगर आयुक्त ज्योति सिंह, सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार तथा कार्यपालक अभियंता रमेश सिंह के द्वारा एक विशेष संदेश प्रसारित किया गया कि कैसे वह योग के द्वारा अपने स्वस्थ तन मन के द्वारा एक सुंदर समाज का निर्माण कर सकते हैं। जब तक की योग हमारे दैनिक दिनचर्या में शामिल नहीं होगा तब तक हम एक सुंदर समाज की कल्पना नहीं कर सकते हैं। नगर निगम की पूरी टीम ने जहां एक ओर योग दिवस मना कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी के द्वारा योग के प्रति रुचि तथा उसे प्रभावपूर्ण तरीके से उपयोग हेतु बल दिया, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने हेतु भी संकल्पित किया गया।

प्रखंड में योग दिवस मनाया गया विभिन्न स्कूलों में कराया गया योगाभ्यास

बरकट्ठा - विश्व योग दिवस पर प्रखंड के विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डिवाइन पब्लिक स्कूल गंगपाचो में विश्व योग दिवस पर छात्र और शिक्षकों ने योग किया। मनाया गया इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक आईपी भारती ने की।उन्होंने कहा कि योगाभ्यास से तन और मन स्वस्थ्य रहता है। दुनियां में स्वस्थ रहने क लिये प्रतिदिन योग करना जरूरी है। बच्चों और शिक्षकों ने स्वस्तिकासन, गोमुखासन, योगमुद्रासन, प्राणायाम, कपालभाति, भ्रामरी के साथ साथ अन्य आसनों का अभ्यास किया गया। प्राचार्या स्वती ने कहा कि योग का अभ्यास हमारे मन को संयमी बनाता है। पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज कपका में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पर बच्चों के संग सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने योगभ्यास किया। योग शिक्षक नंदेव कुमार ने योग क्रिया कराया। निदेशक सत्येंद्र कुमार ने कहा योग मानव जाति के लिए एक महान उपहार है। योग नकारात्मक विचार को दूर करता है। आरडी पब्लिक स्कूल कोषमा में भी योग दिवस मनाया गया। स्कूल के निदेशक सुशील कुमार हितैषी ने कहा कि प्रतिदिन योग करने से शरीर स्वस्थ रहने के साथ जीवन में सकारात्मकता आता है। योग दिवस पर छात्र और शिक्षकों ने योगाभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ भवनाथपुर

नियमित योग करने बुढ़ापा जल्दी नहीं आता - नंदजी राम

भवनाथपुर (गढ़वा) (रांएसं)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह सुबह भवनाथपुर के स्कूल, कॉलेज, थाना, अस्पताल, खेल के मैदान या फिर अपना मकान चारो तरफ सिर्फ योग साधना करने वाले ही नजर आये। योग का जलवा ऐसा दिखा कि देर से उठने वाले भी अहले सुबह मैदान में नजर आये। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भवनाथपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक शंकर प्रिय राम चंद्रवंशी ने बीडीओ, चिकित्सकों सहित प्रखण्ड एवं अस्पताल के कर्मियों और अन्य आम लोगों को योगाभ्यास कराया और प्राणायाम, आसन, सूक्ष्म व्यायाम आदि की विधिवत जानकारी देते हुए इससे होने वाले लाभ के बारे में बताया। योग प्रशिक्षक शंकर प्रिय ने कहा कि हरेक व्यक्ति को अपने शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाएं रखने के लिए प्रतिदिन सुबह सुबह कम से कम आधा घंटा

प्राणायाम, आसन और व्यायाम जरूर करना चाहिए। इसके पूर्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी नंदजी राम ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी नंदजी राम ने कहा कि आज के समय में सभी व्यक्तियों को योग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं भी प्रतिदिन योगा करता हूं। जिसका मुझे लाभ भी हुआ है। नियमित योग करने से आपका शरीर स्वस्थ्य, सुडौल और निरोग रहता है। योग करने से बुढ़ापा भी देर से आता है। डॉ शशिकांत शुक्ला ने कहा पश्चिमी देश के लोगों के पास सभी भौतिक सुविधाएं है फिर भी वे लोग बीमारी से थक हार कर भारतीय योग, आयुर्वेद और संस्कृति को अपना रहे हैं। डॉ निशंक निश्रम शर्मा ने कहा कि योग, आयुर्वेद भारत की विधा है। जिसकी खोज हजारों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि, सुश्रुत आदि कई ऋषि मुनियों ने की थी। किसी भी रोग को योग, आयुर्वेद द्वारा जड़ से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है। योग के इस कार्यक्रम में डॉ जेपी ठाकुर, डॉ शशिकांत शुक्ला, डॉ निशंक निश्रम शर्मा, डॉ अभिनीत विश्वास, इन्द्र किशोर, गुप्तेश्वर प्रसाद, लिपिक सुनील पटेल, अरुण लकड़ा, योग प्रशिक्षिका मुन्नी कुमारी, सहिया बहने और अन्य लोग उपस्थित थे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग प्रशिक्षक शंकर प्रिय राम चंद्रवंशी अहले सुबह 4 बजे ही भवनाथपुर थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभी पुलिस कर्मियों को योगाभ्यास कराया और बारी बारी से प्राणायाम, आसन, सूक्ष्म व्यायाम की विधिवत जानकारी दी और करने का तरीका बताया। योग प्रशिक्षक शंकर प्रिय ने उपस्थित पुलिस कर्मियों से कहा कि प्रतिदिन नियमित रूप से आधा योगाभ्यास करके हम सभी अपने शरीर को फिट रख सकते हैं। योग करने से रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

सात्विक प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड रांची झारखंड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा ग्राउण्डड फलोर, कुशवाहा कॉम्पलेक्स, बूटी मोड़, रांची से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित । **संपादकः** निभा रंजन सुमन **रिपोर्टिंग-** 70337 77771 **विज्ञापन-** 7091094434, मनोज कुमार कपरदारः 977117 7585, फोन नंबर 0651 2913184 ईमेल : rexpressadvt@gmail.com, ranchiexpresshindi@ gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) सभी प्रकार के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय के क्षेत्राधिकार के अधीन किया जाएगा। आर एन आई नं. 4244/ 63